THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 321 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.13 2080 गुरुवार, 8 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राज्यसभा में मोदी का भाषण

'आरक्षण विरोधी थे नेहरू, राहुल फ्लॉप स्टार्टअप'

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने दोपहर 2 बजे राज्यसभा को संबोधित करना शुरू किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस कांग्रेस के अपने नेता की कोई गारंटी नहीं है, वो मोदी की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा तीसरा टर्म अब दूर नहीं है।

राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं आजाद भारत में पैदा हुआ हूं, मेरे सपने भी आजाद हैं, जो गुलामी की मानसिकता को जीने वाले हैं, उनके पास कोई और चीज नहीं है, वे वही पुराने कागज लिये घूमते हैं।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल से आपके सामने चुनौती खड़ी हो गई है कि कांग्रेस 40 का आंकड़ा पार नहीं कर पाएगी। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप 40 सीटें सुरक्षित करने में सक्षम हों। नरेंद्र मोदी ने कहा, एक बात खुशी की रही कि उन्होंने (मल्लिकार्जुन खड़गे) ने जो 400 सीट एनडीए के लिए आशीर्वाद दिया है, आपका आशीर्वाद मेरे सर आंखों पर।

पीएम मोदी ने कहा, मेरा विश्वास पक्का हो गया है कि कांग्रेस पार्टी सोच से भी आउटडेटेड हो गई है। जब सोच ही आउटडेटेड हो गई है तो इन्होंने अपना कामकाज भी आउटसोर्स कर दिया है। देखते ही देखते इतना बड़ा दल, इतने दशकों तक देश पर राज करने वाले दल का ऐसा पतन। हमें खुशी नहीं हो रही बल्कि हमारी आपके प्रति संवेदनाएं हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जिस कांग्रेस ने ओबीसी को पूरी तरह से आरक्षण नहीं दिया, कभी सामान्य वर्ग के गरीबों को आरक्षण नहीं दिया, जिसने बाबा साहब को भारत रत्न देने योग्य नहीं समझा, वह सिर्फ अपने परिवार को ही भारत रत्न देते रहे। वे अब हमें सामाजिक न्याय का उपदेश दे रहे हैं और पाठ पढ़ा रहे हैं। जिनके पास नेता के रूप में कोई गारंटी नहीं है वे मोदी की गारंटी पर सवाल उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब हम कहते हैं कि 25 करोड़ लोगों को हम गरीबी से बाहर लेकर आए हैं तो कुतर्क दिया जाता है कि 80 करोड़ को अनाज क्यों देते हो? जब कोई बीमार व्यक्ति अस्पताल से बाहर आता है तब भी कुछ दिन खाने में परहेज करने को कहा जाता है ताकि कोई संकट फिर से ना आ जाए। इसलिए हमने गरीबों को मजबूत होने का समय दिया है कि कहीं फिर से वे उसमें डूब ना जाए इसलिए हम अनाज दे रहे हैं और देते रहेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि नेहरू जी का कहा, कांग्रेस के लिए हमेशा से पत्थर की लकीर होता है। दिखावे के लिए आप कुछ भी कहें, लेकिन आपकी सोच ऐसे कई उदाहरणों से सिद्ध होती है। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के एससी/एसटी, ओबीसी को सात दशकों तक उनके अधिकारों से वंचित रखा। कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की जन्मजात एवं सबसे बड़ी विरोधी रही है। नेहरू जी कहते थे कि अगर नौकरी में आरक्षण मिला तो सरकारी कामकाज का स्तर गिर जाएगा। राज्यसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अपने युवराज को एक स्टार्टअप बनाकर दिया है, अभी वो नॉन स्टार्टर है। न तो लिफ्ट हो रहा है, ना लॉन्च हो रहा है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि उच्च शिक्षा में आज एससी विद्यार्थियों का नामांकन 44% बढ़ा है। उच्च शिक्षा में एसटी विद्यार्थियों का नामांकन 65% बढ़ा है। ओबीसी विद्यार्थियों के नामांकन में 45% की बढ़ोतरी हुई है। जब मेरे गरीब, दलित, पिछड़े, वंचित और आदिवासी परिवार के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे, तो समाज में एक नया वातावरण पैदा होगा।

पीएम मोदी बोले कि एक बार नेहरू जी ने मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें लिखा था कि मैं किसी भी आरक्षण को पसंद नहीं करता और खासकर नौकरी में आरक्षण तो कतई नहीं। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अकुशलता को बढ़ावा दे, जो दोयम दर्जे की तरफ ले जाए। इसी के आधार पर मैं कहता हूं कि कांग्रेस आरक्षण की जन्मजात विरोधी है।

संजय सिंह को ट्रेन में लेकर निकली पुलिस

कोर्ट में दर्ज कराया बयान

सुल्तानपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह को 2008 में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके खिलाफ दर्ज मामले में सुनवाई के लिए बुधवार को सुल्तानपुर के एमपी-एमएलए अदालत में लाया गया। संजय सिंह के वकील मदन सिंह ने कहा कि सिंह को कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष मजिस्ट्रेट योगेश यादव के सामने पेश किया गया और उनका बयान दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 14 फरवरी तय की है। संजय सिंह ने जो कथित दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में हैं. आप नेता को बुधवार सुबह एक ट्रेन में लाया गया और सुनवाई के बाद वापस ले जाया गया।

उत्तराखंड यूसीसी बिल पास करने वाला पहला राज्य

सीएम धामी बोले- पीएम मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत का विजन पूरा होगा

देहरादून, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड विधानसभा में बुधवार को यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी यूसीसी बिल ध्वनि मत से पास हो गया। इसी के साथ यूसीसी बिल पास करने वाला उत्तराखंड आजाद भारत का पहला राज्य बन गया है। सीएम पुष्कर धामी ने 6 फरवरी को विधानसभा में यह बिल पेश किया था।

बिल पास होने के बाद अब इसे राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। राज्यपाल की मुहर लगते ही यह बिल कानून बन जाएगा और सभी को समान अधिकार मिलेंगे। भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में यूसीसी लाने का वादा किया था।

इस बिल के कानून बनते ही उत्तराखंड में लिव इन रिलेशन में रह रहे लोगों को रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी हो जाएगा। ऐसा नहीं करने पर 6 महीने तक की सजा हो सकती है। इसके अलावा पति या पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी भी गैर-कानूनी मानी जाएगी।

बिल पास होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा- आज का ये दिन उत्तराखंड के लिए बहुत विशेष दिन है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी धन्यवाद करना चाहता हूं कि उनकी प्रेरणा से और उनके मार्गदर्शन में हमें ये विधेयक उत्तराखंड की विधानसभा में पारित करने का मौका मिला।

यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून के बारे में अलग-अलग लोग अलग-अलग बातें कर रहे थे लेकिन सभी बातें विधानसभा में हुई चर्चा में स्पष्ट हो गई हैं। ये कानून हम किसी के खिलाफ नहीं लाए हैं। ये कानून बच्चों और मातृशक्ति के भी हित में है।

यूनिफॉर्म सिविल कोड से क्या बदलेगा

समान संपत्ति अधिकार : बेटे और बेटी दोनों को संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि वह किस कैटेगरी के हैं।

मौत के बाद संपत्ति: अगर किसी व्यक्ति की मौत जाती है तो यूनिफॉर्म सिविल कोड उस व्यक्ति की संपत्ति को पति/पत्नी और बच्चों में समान रूप से वितरण का अधिकार देता है। इसके अलावा उस व्यक्ति के माता-पिता को भी संपत्ति में समान अधिकार मिलेगा। पिछले कानून में ये अधिकार केवल मृतक की मां को मिलता था।

समान कारण पर ही मिलेगा तलाक: पति-पत्नी को तलाक तभी मिलेगा, जब दोनों के आधार और कारण एक जैसे होंगे। केवल एक पक्ष के कारण देने पर तलाक नहीं मिल सकेगा।

लिव इन का रजिट्रेशन जरूरी: उत्तराखंड में रहने वाले कपल अगर लिव इन में रह रहे हैं तो उन्हें इसका रजिस्ट्रेशन कराना होगा। हालांकि ये सेल्फ डिक्लेशन जैसा होगा, लेकिन इस नियम से अनुसूचित जनजाति के लोगों को छूट होगी।

संतान की जिम्मेदारी : यदि लिव इन रिलेशनशिप से कोई बच्चा पैदा होता है तो उसकी जिम्मेदारी लिव इन में रहने वाले कपल की होगी। दोनों को उस बच्चे को अपना नाम भी देना होगा। इससे राज्य में हर बच्चे को पहचान मिलेगी।

लंदन के क्रिमिनल कोर्ट की बिल्डिंग में धमाके के बाद आग

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन के क्रिमिनल कोर्ट की बिल्डिंग ओल्ड बैले के ग्राउंड फ्लोर पर आग लग गई। द सन के मुताबिक, धुआं उठने से पहले बिल्डिंग में तेज धमाका हुआ था। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। बीबीसी के मुताबिक, आग लगने से पहले बिल्डिंग की पावर सप्लाई भी कट गई थी।

स्टालिन ने कहा- मोदी ऐसे बोलते हैं जैसे वह विपक्ष में हों और कांग्रेस सत्ता में

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने बुधवार को कहा- मोदी जब से सत्ता में आए हैं तब से लगातार ऐसे बोल रहे हैं मानो बीजेपी विपक्ष में है और कांग्रेस सत्ताधारी पार्टी है। संसद में पीएम ने ऐसा व्यवहार किया मानो वह कोई विपक्षी नेता हों। उन्होंने कांग्रेस को लेकर जो कहा वो पहेली की तरह है, जिसे समझा नहीं जा सकता है।

निर्माणाधीन इमारत ढहने से 6 मजदूरों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के ऊटी में बुधवार (7 फरवरी) की दोपहर निर्माणाधीन इमारत ढह गई। मलबे के नीचे दबने से 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते हैं पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है।

पीएम नरेंद्र मोदी से मिले नीतीश कुमार

दोनों के चेहरे पर नजर आई मुस्कान

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। फिर से एनडीए में शामिल होने के बाद बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहली बार मुलाकात की है। दोनों नेताओं की यह मुलाकात राजधानी नई दिल्ली में हुई। इस दौरान दोनों ही नेताओं के चेहरे पर मुस्कान नजर आ रही है। दोनों दिग्गजों के बीच यह मुलाकात बिहार विधानसभा में होने वाले फ्लोर टेस्ट से पांच दिन पहले हुई है। नीतीश सरकार को बिहार विधानसभा में 12 फरवरी को बहुमत साबित करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नीतीश कुमार गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वो देश के पूर्व डिप्टी पीएम लाल कृष्ण आडवाणी से भी मुलाकात कर सकते हैं। इससे पहले बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी और बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली मीटिंग में नीतीश कुमार बिहार में खाली राज्यसभा सीटों पर बात करेंगे। राज्यसभा में बिहार की छह सीटें खाली होने जा रही हैं, इनमें से दो जदयू और दो राजद के पास हैं। एक सीट से सुशील मोदी सांसद हैं और एक कांग्रेस के पास है।

मेरा भाषण काट दिया गया, राज्यसभा में बोले मल्लिकार्जुन खरगे

धनखड़ ने दिया कमेटी गठन करने का आश्वासन

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर आज राज्यसभा में चर्चा हो रही है। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब के कुछ हिस्सों को हटाने पर आपत्ति जताई। उच्च सदन में बोलते हुए खरगे ने मांग की कि उनकी हटाई गई टिप्पणियों को बहाल किया जाए। कांग्रेस प्रमुख ने राज्यसभा के नियमों और प्रक्रिया के नियम 238 (ए) और नियम 238 (5) का हवाला देते हुए कहा, मैंने अपने भाषण में जो कुछ बिंदु उठाए थे, उन्हें रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने अपनी टिप्पणी में किसी का नाम नहीं लिया, जिसे हटा दिया गया है। अतः प्रक्रिया के किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है।

खरगे ने कहा, बशर्ते कि सभापति किसी भी समय किसी भी सदस्य को ऐसा कोई भी आरोप लगाने से रोक सकता है यदि उसकी राय है कि ऐसे आरोप परिषद की गरिमा के लिए अपमानजनक हैं या ऐसे आरोप लगाने से कोई सार्वजनिक हित पूरा नहीं होता है।

शरद गुट को नया नाम

एनसीपी शरद चंद्र पवार होगा पार्टी का नया नाम; तीन नाम प्रस्तावित किए थे

मुंबई/नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने शरद गुट के लिए पार्टी के नए नाम का ऐलान कर दिया है। इस पार्टी का नाम एनसीपी शरद चंद्र पवार होगा। शरद पवार गुट ने बुधवार (% फरवरी) को इलेक्शन कमीशन (ईसी) को पार्टी के लिए तीन नए नाम भेजे थे। पहला नाम नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी एस, दूसरा नाम नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी शरद पवार और तीसरा नाम नेशनल कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार था।

शरद पवार गुट को आज शाम 4 बजे तक तीन नाम भेजने की समय सीमा दी गई थी। गुट तय समय तक तीन नाम देने में असफल रहता तो उसके सदस्यों को निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ता।

इलेक्शन कमीशन ने 6 फरवरी को महाराष्ट्र सरकार में

शामिल अजित पवार गुट को असली एनसीपी बताया था। कमीशन ने 6 महीने तक चली 10 सुनवाई के बाद पार्टी का नाम एनसीपी और चुनाव चिह्न घड़ी अजित गुट को दे दिया था। ईसी ने कहा था कि विधायकों की संख्या के बहुमत ने अजित गुट को एनसीपी का नाम और चुनाव चिह्न हासिल करने में मदद की।

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एनसीपी (अजित पवार गुट) से वकील अभिकल्प प्रताप सिंह ने कैविएट दायर की है। अब दूसरा समूह (शरद पवार गुट) शीर्ष अदालत में अपनी बात रखता है तो अजीत पवार गुट के खिलाफ कोई एकतरफा आदेश पारित नहीं किया जाए। उनकी बात सुनी जाएगी।

चुनाव आयोग के फैसले पर शरद पवार गुट के सुप्रीम कोर्ट में जाने पर अजित पवार ने कहा है कि न्याय मांगने का अधिकार सभी को है। यह निर्णय हमारे पक्ष में आया है। यदि वे लोग सुप्रीम कोर्ट जाएंगे तो हम वकीलों के जरिए उचित जवाब देंगे। 50 से ज्यादा विधायक, ज्यादातर जिलाध्यक्ष हमारे साथ है। लोकतंत्र में बहुमत को महत्व दिया जाता है। इसलिए चुनाव आयोग ने हमें NCP नाम और चुनाव चिह्न दिया है।

शराब घोटाले में केजरीवाल को बड़ा झटका, होना पड़ेगा पेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शराब घोटाले में सीएम अरविंद केजरीवाल को अब कोर्ट के सामने पेश होना ही पड़ेगा। 1% फरवरी को उन्हें पेश होने के लिए कहा गया है। असल में ईडी द्वारा ही कोर्ट में एक याचिका दायर कर कहा गया था कि सीएम केजरीवाल द्वारा जांच में सहयोग नहीं किया जा रहा है, लगातार जा रहे समन के बाद भी वे पूछताछ के लिए शामिल नहीं हो रहे। अब उसी कड़ी में अब कोर्ट ने ही 17 फरवरी को केजरीवाल को पेश होने के लिए कह दिया है।

अभी के लिए बताया जा रहा है कि सीएम अरविंद केजरीवाल कानूनी जानकरों के साथ मंथन कर रहे हैं, उसके बाद ही आगे की रणनीति पर फैसला लिया जाएगा। लेकिन वे पहले ही ये साफ कर चुके हैं कि किसी भी कीमत पर झुकने नहीं वाले हैं। इससे पहले भी जब-जब उन्होंने ईडी समन को ठुकराया, उनका सिर्फ ये तर्क रहा कि ये बीजेपी का समन है, ये पूरी तरह गैरकानूनी है।

वैसे इस बार अरविंद केजरीवाल की चुनौती ज्यादा बड़ी इसलिए है क्योंकि आदेश कोर्ट की तरफ से आया है। अभी तक ईडी का समन नजरअंदाज किया जा रहा था, लेकिन कोर्ट की तरफ से आदेश आना उन्हें फंसा सकता है।

इसके ऊपर ईडी की जो शराब घोटाले की चार्जशीट है, उसमें सीएम केजरीवाल का नाम है।

'आर्थिक कुप्रबंधन के कारण लोगों की कम हो रही आय, बढ़ रही मंहगाई'

लोकसभा में सरकार पर बरसे शशि थरूर

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के कुप्रबंधन के कारण ही लोगों की आय कम हो गई है और देश में महंगाई बढ़ रही है। थरूर ने इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार पर कई क्षेत्रों के महत्वपूर्ण आंकड़े छिपाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में एनडीए का मतलब 'नो डेटा अवेलेबल' हो गया है। लोकसभा में अंतरिम बजट 2024-25 पर बहस की शुरुआत करते हुए थरूर ने ये आरोप लगाए। थरूर ने कहा कि देश में आर्थिर प्रबंधन को सही करने की जरूरत है। इसी कुप्रबंधन के कारण ही बीते10 सालों में मध्यम वर्ग, निम्न मध्यम वर्ग और गरीबों की आय कम हो गई है। आगे बोलते हुए कांग्रेस नेता यह भी कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार ट्रिकल डाउन इकोनॉमी में विश्वास करती है। ऊपर से पैसा खर्च करें, नीचे किसी को फायदा होगा, लेकिन हम ट्रिकल अप इकोनॉमी में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रक्रिया में जनता को हितधारक होना चाहिए, लेकिन सरकार उनके प्रति उदासीन है। सरकार का ध्यान केवल पूंजीगत व्यय पर केंद्रित है। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर भी निशाना साधा। उन्होंने वित्तमंत्री के इस कथन कि एनडीए सरकार में जीडीपी का मतलब गवर्मेंट, डेवलपमेंट और परफार्मेंस है, का खंडन किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जी का मतलब गर्वमेंट इंटूजन (सरकारी घुसपैठ), डी का मतलब डेमोग्राफिक बिट्रेयल (जनसांख्यिकीय विश्वासघात) और पी का मतलब पावर्टी कान्टिन्यू (लगातार बढ़ती गरीबी) है।

कर्नाटक सरकार का दिल्ली में प्रदर्शन

सिद्धारमैया बोले-हम 100 रु भेजते हैं, 12-13 रु वापस मिलते हैं; केंद्र पर टैक्स शेयरिंग में भेदभाव का आरोप

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आज (7 फरवरी) दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसमें सरकार के कई मंत्री-विधायक मौजूद रहे। कर्नाटक का आरोप है कि केंद्र सरकार हमें न तो टैक्स का हिस्सा दे रही है और न ही आर्थिक मदद। इस प्रदर्शन को चलो दिल्ली नाम दिया गया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने समझाया कि हम 100 रुपए केंद्र सरकार को भेज रहे हैं, लेकिन 12-13 रुपए ही वापस मिल रहे हैं। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हमें अपना हक चाहिए। जो नीतियां गुजरात के लिए बनाई जा रही हैं, हमारे लिए भी वही होनी चाहिए। कर्नाटक के अलावा केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना भी केंद्र सरकार पर फंड्स के बंटवारे में भेदभाव का आरोप लगा चुके हैं।

कर्नाटक सरकार के प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा- कांग्रेस कई साल से झूठ की राजनीति कर रही है। कांग्रेस जानती है कि वो कर्नाटक के लोगों से किए गए वादे पूरे नहीं कर सकी। इसलिए ध्यान भटकाने के लिए प्रदर्शन का ड्रामा किया जा रहा है।

हमें सिर्फ 12-13% ही मिल रहा- सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि टैक्स कलेक्शन के मामले में महाराष्ट्र नंबर 1 तो कर्नाटक दूसरे नंबर पर है। इस साल कर्नाटक ने टैक्स कलेक्शन में 4.30 लाख करोड़ का योगदान दिया...मैं ये बताना चाहता हूं कि अगर हम 100 रुपए टैक्स भेज रहे हैं तो केंद्र सरकार इसमें से 12-13 रुपए ही वापस कर रहे है।

कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडूराव ने कहा- हमने अकाल के दौरान केंद्र के पास कई अर्जी लगाई, लेकिन हमें एक रुपया नहीं मिला।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। हम देश में सबसे ज्यादा राजस्व देते हैं। हम सिर्फ अपना अधिकार मांग रहे हैं यानी हमें राजस्व में अपना हिस्सा मिले। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि हम अपना अधिकार चाहते हैं। हमें सिर्फ 13% मिल रहा है। मुझे नहीं पता कि हमें क्या मिलना चाहिए। अन्य राज्यों को कितना हिस्सा मिलता है, मुझे इससे भी मतलब नहीं है। केंद्र सरकार गुजरात के लिए जो नीतियां, हिस्सा देती है, उन्हें (केंद्र) हमें भी वही देना चाहिए।

महाराष्ट्र एटीएस ने संदिग्ध आतंकी को नासिक से किया गिरफ्तार

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने नासिक जिले के तिड़के नगर में बुधवार तड़के छापा मार कर एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया। संदिग्ध आतंकी की पहचान हुजीफ अब्दुल अजीज शेख के रूप में हुई है। अब तक की छानबीन में पता चला है कि हुजीफ अब्दुल शेख विदेश में कई आतंकी संगठनों के जरिए आईएसआईएस के आतंकियों को आर्थिक मदद पहुंचा रहा था। महाराष्ट्र एटीएस के सूत्रों के अनुसार हुजीफ अब्दुल अजीज शेख के बारे में गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी आधार पर यह कार्रवाई की गई है। छानबीन में पता चला है कि हुजीफ शेख ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के सरगना राबिया उर्फ उम्म ओसमा को लाखों रुपये की रसद भेजी थी। इसके साथ ही हुजीफ पर भारत में भी प्रतिबंधित आतंकी संगठन को वित्तीय सहायता मुहैया कराने के सबूत मिले हैं। राबिया उर्फ उम्म ओसमा ने हुजीफ अब्दुल को महाराष्ट्र समेत पूरे भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकवादियों को लाखों रुपये की रसद मुहैया कराई है।

'युवा नौकरी को भटक रहे, सरकार के संरक्षण में 30 अरबपति लूट रहे संसाधन'

ओडिशा से राहुल का प्रहार

भुनेश्वर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगुवाई कर रहे राहुल गांधी फिलहाल ओडिशा में हैं। यहां बुधवार को उन्होंने एक साथ पीएम नरेंद्र मोदी और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने दावा किया है की उड़ीसा के लाखों युवक बेरोजगार हैं और नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने नवीन पटनायक सरकार पर उद्योग जगत को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस की सरकार बनने पर रोजगार सृजन का वादा किया है।

क्या कहना है राहुल गांधी का?

सूबे में मैजूद अपनी यात्रा को लेकर राहुल गांधी ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक पोस्ट किया, इसमें उन्होंने लिखा, बेरोजगारी की बीमारी देश भर में फैल रही है और हर प्रदेश इस बीमारी से बुरी तरह पीड़ित है। ओडिशा के आंकड़े देखिए - 40% युवा पढ़ाई और कमाई से दूर हैं, एक लाख से अधिक सरकारी पद खाली हैं और लाखों युवा नौकरी की तलाश में हैं।'

' नवीन पटनायक मोदी के मित्र'

उन्होंने कहा है कि ओडिशा के 30 लाख से अधिक युवा नौकरी के लिए अन्य राज्यों में भटक रहे हैं और मोदी मित्र नवीन पटनायक के संरक्षण में बाहर से आये 30 अरबपति उद्योगपति राज्य के संसाधनों को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि रेल, सेल, पोर्ट, एयरपोर्ट समेत कांग्रेस द्वारा बनाए गए देश के बड़े पीएसयू आज मोदी की 'मित्र नीति' से बेचे जा रहे हैं। हमारी प्राथमिकता है जीएसटी में सुधार कर छोटे उद्योगों के लिए एक नया आर्थिक मॉडल तैयार करना, अंधे निजीकरण को रोकना, पीएसयू को फिर से जीवित करना और खाली पड़े सरकारी पदों को भरना। कांग्रेस का यही विज़न ओडिशा समेत पूरे देश में रोजगार पैदा कर सकता है।

'नफरत और अन्याय के खिलाफ है भारत जोड़ो यात्रा'

बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मंगलवार (6 फरवरी) को ओडिशा पहुंची थी। पहले दिन कांग्रेस नेता गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह यात्रा के दौरान सात से आठ घंटे तक लोगों की बात सुन रहे हैं और हर दिन 15 मिनट तक उन्हें संबोधित कर रहे हैं। राहुल ने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने यह यात्रा शुरू की है।

राहुल गांधी ने कहा कि देश को एकजुट करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा के पहले संस्करण 2022-23 के तहत कन्याकुमारी से कश्मीर के बीच लगभग 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी और यह यात्रा "नफरत व अन्याय" के खिलाफ है। उन्होंने कहा, यह सफल रही क्योंकि लाखों लोगों ने यात्रा में भाग लिया। गांधी ने कहा, "हालांकि, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लोगों ने मुझसे कहा कि उनके राज्य से यात्रा नहीं गुजरी।"

इंदौर में तीसरी मंजिल से गिरे बच्चे ने दम तोड़ा

इंदौर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। तीसरी मंजिल से गिरने से चार साल के एक बच्चे ने दम तोड़ दिया। वह अपनी बहन के साथ छत पर खेल रहा था। तभी वह छत से नीचे गिर गया। बच्चे की मौत के बाद परिजन ने डाक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजन का कहना है इलाज देर से शुरू किया वरना बेटे की जान बच सकती थी। उपचार के सात घंटे के बाद बच्चे की मौत हो गई। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एरोड्रम पुलिस ने बताया कि बच्चे का नाम आर्यन (4 साल) है। उसके पिता रामस्वरूप ललितपुर (उप्र) के रहने वाले हैं। वे यहां सांवरिया नगर में किराए से रहते हैं

शिकागो में भारतीय पर हमला

पीड़ित सैयद मजाहिर की पत्नी ने विदेश मंत्री से मांगी मदद, दूतावास ने दिया ये जवाब

हैदराबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विदेश में भारतीय छात्रों को हमेशा से निशाना बनाया जाता रहा है। अमेरिका में पिछले कुछ महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं। एक बार फिर भारतीय छात्र पर हमले की घटना सामने आई है। यह घटना शिकागो में मंगलवार (स्थानीय समय) को भारतीय छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले में पीड़ित छात्र का नाम सैयद मजाहिर अली है और यह हैदराबाद के रहने वाले हैं। इस घटना के बाद उनकी पत्नी सैयदा रुकिया फातिमा रज़वी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर उन्हें चिकित्सा सहायता दिलाने में सहायता का अनुरोध किया है।

अमेरिका में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे हैं छात्र सैयद

पीड़ित छात्र की पत्नी सैयदा रुकिया फातिमा रजवी के अनुसार, अमेरिका में मास्टर डिग्री कर रहे छात्र सैयद मजाहिर अली पर रविवार को शिकागो में तीन लोगों ने हमला किया। उन्होंने बताया कि 4 फरवरी को उनके पति के दोस्त का फोन आया जिसमें उन्हें अली पर हमले के बारे में पता चला।

नांदेड़ में खाना खाने के बाद दो हजार लोगों की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

नांदेड़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में खाना खाने के बाद लगभग दो हजार लोग बीमार पड़ गए। एक अधिकारी ने बताया कि लोहा तहसील क्षेत्र के कोश्तवाड़ी गांव में मंगलवार को धार्मिक उपदेश का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जहां शाम करीब पांच बजे स्थानीय लोगों के साथ आसपास के सावरगांव, पोस्टवाड़ी, रिसानगांव और मस्की गांवों के लोग भी एकत्र हुए और सभी ने भोजन किया। अधिकारी ने बताया कि बुधवार तड़के लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। शुरुआत में 150 लोगों को नांदेड़ के लोहा के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संसद के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा में सेंध

फर्जी दस्तावेज के सहारे घुसा युवक

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। गृह मंत्रालय में एक युवक फर्जी दस्तावेज के सहारे घुस गया। दिल्ली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है और उसे संयुक्त रूप से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के कर्तव्य पथ थाने की पुलिस ने फर्जी पहचान पत्र पर नार्थ ब्लाक स्थित गृह मंत्रालय के ऑफिस में घुसने की कोशिश करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम आदित्य प्रताप सिंह है। बताया जा रहा है कि आदित्य किस मकसद से फर्जी आईडी पर घुसा इसकी पुलिस जांच कर रही है। लेकिन फिलहाल इसका कोई टेरर एंगल नहीं पता चला है। जानकारी के मुताबिक ये किसी से जालसाजी करने के इरादे से अंदर घुसा था। आरोपी से स्पेशल सेल और अन्य एजेंसियां भी पूछताछ कर चुकी है।

लोकसभा की सुरक्षा में हुई थी चूक

लोकसभा में बीते साल 13 दिसंबर को दो युवक दर्शक दीर्घा से डेस्क पर कूदे और कलर स्मॉग निकालने लगे। इस दौरान पूरे हॉल में धुंआ हो गया। वहीं, उनके साथी भी संसद के बाहर इसी तरह का प्रदर्शन कर लगे। आरोपियों ने जांचकर्ताओं को बताया था कि उनका मकसद मणिपुर हिंसा, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करना था। इस मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की दिल्ली मेट्रो की सवारी

डीएमआरसी अफसर ने दी डिटेल जानकारी

दिल्ली मेट्रो में सफर करने से पहले देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भारी सुरक्षा के बीच केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पहुंचीं। केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो में सवाल होकर वह आगे की सफर के निकलीं। मेट्रो में सवार होने से पहले अधिकारियों ने उन्हें मेट्रो लाइन और उनके संचालन के बार में मैप के जरिए डिटेल जानकारी दी और बताया कि मेट्रो का संचालन दिल्ली के किन-किन इलाकों में किस लाइन पर जारी है।

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को देश की राजधानी दिल्ली की लाइफलाइन मेट्रो में सफर की। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मेट्रो में सफर के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू को डीएमआरसी के शीर्ष अधिकारी मेट्रो संचालन के बारे में उन्हें जानकारी दे रहे हैं। इस दौरान मेट्रो के जिस कोच में राष्ट्रपति सीट पर बैठी हैं, उनके ईर्द-गिर्द काफी संख्या में सुरक्षा अधिकारी और कर्मचारी सतर्क हैं। राष्ट्रपति के बिल्कुल करीब काले बैग के साथ उनके सुरक्षा में तैनात स्पेशल अधिकारी भी कोच में मूवमेंट करते नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू इस दौरान मेट्रो अधिकारी से सवाल पूछती भी नजर आ रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दिल्ली मेट्रो में सफर करने के कुछ देर बाद से ही इसका एक वीडियो क्लिप तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में ये भी दिख रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बेहद ही खूबसूरत येलो रंग की साड़ी पहनी हुई हैं। उनके सामने खड़े फोटोग्राफर उनकी तस्वीरें खींच रहे हैं। जबकि सफर के दौरान दौरान कोच में सुरक्षा में तैनात अधिकारी पूरी तरह से सतर्क हैं।

खुशदीप बंसल: कभी संसद का वास्तु दोष किया था ठीक

आज 65 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। असम पुलिस और दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की एक टीम ने पूर्वोत्तर राज्य में स्वायत्त परिषद घोटाले में 65 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से संबंधित मामले में प्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ खुशदीप बंसल और उनके भाई को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि असम पुलिस ने दिल्ली पुलिस प्रमुख संजय अरोड़ा से संपर्क किया और राष्ट्रीय राजधानी में सैनिक फार्म के निवासी बंसल को गिरफ्तार करने में उनकी मदद मांगी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सोमवार को ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद दोनों आरोपियों को पुलिस असम ले गई। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस मामले में मध्य प्रदेश के एक कांग्रेस नेता का बेटा भी शामिल है।

'पैसा फेक तमाशा देख', चुनाव आयोग के फैसले पर

उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का बड़ा बयान

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एनसीपी के नाम और चुनाव चिह्न के मामले में चुनाव आयोग द्वारा अजित पवार के पक्ष में फैसला सुनाए जाने पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ऐसा माहौल बनाया हुआ है पूरे देश में कि पैसा फेक तमाशा देख, जनता के पैसों का दुरुपयोग हो रहा है, विधायकों की खरीद-फरोख्त हो रही है। शरद पवार वरिष्ठ नेता है वे यह लड़ाई भी डटकर लड़ेंगे।

प्रियंका चतुर्वेदी ने ईसीआई पर साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। सांसद चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर निर्णय लेने में साजिश रचने का आरोप लगाया है। अजित पवार के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर करते हुए, चतुर्वेदी ने बीजेपी के साथ उनके गठबंधन और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री के रूप में उनके पद की आलोचना की। सांसद ने कहा, मैं बिल्कुल भी आश्चर्यचकित नहीं हूं। एक व्यक्ति जिस पर 70,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। आज वह बीजेपी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। अजित पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री हैं।

क्या बोले जितेंद्र आव्हाड?

ईसीआई के फैसले के बाद, शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शरद पवार फीनिक्स हैं और वह राख से भी उठ खड़े होंगे। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट को बड़ा झटका देते हुए चुनाव आयोग ने मंगलवार को अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न दे दिया। इस महत्वपूर्ण फैसले का असर आगामी चुनावों पर पड़ेगा। बता दें इस साल देश में लोकसभा का चुनाव होना है। 2024 के चुनाव से पहले शरद पवार के लिए इसे बड़ा झटका माना जा रहा है।

सोशल मीडिया के ओटीपी को बेचते थे चीन और पाक में, एसटीएफ ने धरदबोचा

कोलकाता, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने फर्जी सिम कार्ड और सोशल मीडिया के जरिए आने वाले ओटीपी को चीन, पाकिस्तान में बेचने वाले गिरोह के एक गुर्गे को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है। उसका नाम गौरव शर्मा है। 35 साल के गौरव को हिमाचल प्रदेश पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया था और देर रात पुलिस उसे लेकर कोलकाता पहुंची है। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने बुधवार सुबह बताया कि कुछ सप्ताह पहले मुर्शिदाबाद, हुगली, वर्धमान समेत राज्य के अन्य हिस्सों में छापेमारी कर नौ ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया था जो फर्जी आईडी के जरिए सिम कार्ड खरीद कर उसके जरिए व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया ऐप का ओटीपी जनरेट किया करते थे। इनसे पूछताछ के बाद एक अंतर राज्यीय गिरोह के बारे में जानकारी मिली। उसी के मुताबिक हिमाचल प्रदेश में छापेमारी कर गौरव को गिरफ्तार किया गया। पता चला है कि ये लोग भारतीय सिम कार्ड के जरिए सोशल मीडिया ओटीपी जनरेट करते थे और इसे खरीदने बेचने के लिए क्रिप्टोकरंसी तथा अलग-अलग फर्जी सिम कार्ड के जरिए बने यूपीआई आईडी का इस्तेमाल किया करते थे।

जयंत चौधरी जाएंगे एनडीए में

शिवपाल के बाद डिंपल ने कहा मैं नहीं मानती

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के एनडीए के साथ जाने की अटकलें लगाई जा रही है। बीजेपी-आरएलडी गठबंधन को लेकर आ रही खबरों के बीच समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं नहीं मानती कि जयंत चौधरी इस तरह का कोई भी कदम उठाएंगे, जिससे किसानों को साफतौर पर छति पहुंचे। सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, जिस तरह भाजपा सरकार किसानों के विरुद्ध काम कर रही है, बजट में किसी भी प्रकार की एमएसपी का जिक्र नहीं है, भाजपा के द्वारा हमारी पहलवान बहनों का अपमान हुआ है, मैं नहीं मानती की आरएलडी के नेता जयंत चौधरी इस तरह का कोई कदम उठाएंगे जिससे किसानों को नुकसान पहुंचे।

ओडिशा हाईकोर्ट को मिला नया चीफ जस्टिस

चक्रधारी शरण सिंह का बिहार से भी कनेक्शन

भुनेश्वर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति चक्रधारी शरण सिंह ने बुधवार को ओडिशा उच्च न्यायालय के 33वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राज्यपाल रघुबर दास ने यहां ओडिशा उच्च न्यायालय के परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नए मुख्य न्यायाधीश को शपथ दिलाई। चक्रधारी शरण सिंह का जन्म 20 जनवरी, 1963 को हुआ था और वह दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की डिग्री पूरी करने के बाद 1990 में वकील के रूप में नामांकित हुए। वह 1998 में केंद्र सरकार में अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में नियुक्त हुए और अक्टूबर 2001 तक इस पद पर बने रहे। उन्होंने बताया कि चक्रधारी शरण सिंह ने बिहार में अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में भी काम किया और अप्रैल 2012 में पटना उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने तक इस पद की जिम्मेदारी संभाली। चक्रधारी शरण सिंह ने फरवरी 2023 में पटना उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीते सप्ताह भारत के प्रधान न्यायाधीश के साथ परामर्श के बाद उन्हें उड़ीसा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया।

तिहाड़ जेल में बंद कैदी की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली तिहाड़ जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी की संदिग्ध परिस्थिति में मौत का मामला सामने आया है। जिसकी पहचान गुरदीप उर्फ गोरा उर्फ सनी के रूप में हुई है। इसे पश्चिमी जिला के विकासपुरी थाना की पुलिस ने बंद किया था। तिहाड़ जेल में अचानक तबीयत खराब होने के बाद इसे हरी नगर के दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टरों ने इसे मृत घोषित कर दिया।

फर्जी वीजा रैकेट का भंडाफोड़, साल भर की मशक्कत के बाद वकील समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एक साल से अधिक की तलाश के बाद हरियाणा और दिल्ली से तीन एजेंटों की गिरफ्तारी के साथ, पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में वकील और ट्रैवल एजेंसी की आड़ में चल रहे फर्जी अंतरराष्ट्रीय वीजा के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपियों की पहचान जनकपुरी निवासी उदित मोघा (32), लाडपुर निवासी सागर डबास (25) और हरियाणा के जिला कैथल निवासी केवल सिंह (45) के रूप में हुई। अधिकारियों ने कहा कि तीनों एक सिंडिकेट में शामिल थे जो आकर्षक कीमतों पर विदेशी देशों के अप्रूव्ड पासपोर्ट/वीजा की पेशकश करके लोगों को विदेश भेजने के बहाने पीड़ितों को लुभाते थे। उनकी गिरफ्तारी तब हुई जब 2022 में तीन भारतीय नागरिक गुरमीत सिंह, साहिल कुमार और विक्रम सिंह एक फ्लाइट से इस्तांबुल से निर्वासित होकर आईजीआई हवाईअड्डे पहुंचे। मामले का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई एयरपोर्ट) उषा रंगनानी ने कहा, 'उनकी यात्रा दस्तावेजों की जांच के दौरान, यह पाया गया कि पैक्स गुरप्रीत 7 नवंबर, 2022 को आईजीआई हवाई अड्डे से रवाना हुआ,

ज्ञानवापी तलगृह में पूजा का मामला, इलाहाबाद हाई कोर्ट में अब 12 फरवरी को सुनवाई

वाराणसी, 7 फरवरी (एजेंसियां)।

इलाहाबाद। वाराणसी ज्ञानवापी प्रकरण में बुधवार को इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। व्यास तलगृह में पूजा के निचली अदालत के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

2 घंटे चली सुनवाई के बाद 12 फरवरी की तारीख तय की है। मुस्लिम पक्ष की याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई थी, जो बुधवार को भी जारी रही।

मुस्लिम पक्ष की शिकायत बिना अर्जी पूजा का अधिकार दिया

इससे पहले व्यासजी के तलगृह में पूजा का अधिकार देने वाले तत्कालीन जिला जज के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में मंगलवार को दो घंटे सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के समक्ष मस्जिद पक्ष ने तर्क रखा कि जिला जज ने बिना अर्जी पूजा का अधिकार दिया है, तो मंदिर पक्ष ने कहा कि आग्रह पर धारा 151 के तहत विवेकाधिकार से यह आदेश जिला जज ने दिया है। अर्जी मंजूर होने के बाद उसी पर बिना किसी अर्जी के दोबारा आदेश दिया जा सकता है, इसी कानूनी मुद्दे पर बुधवार को सुनवाई होगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों को मीडिया ट्रायल से बचने की सलाह भी दी है। (गोविंद देव गिरि बोले- 'मुस्लिम काशी-मथुरा भाईचारे से दे दें, तो सब कुछ भूल जाएंगे'। पूरा बयान पढ़ने के लिए फोटो पर क्लिक करें)

आदेश के पालन पर भी सवाल

मस्जिद पक्ष की तरफ से कहा गया कि उन्हें जिला जज के 31 जनवरी के आदेश की प्रति एक दिन पहले ही मिली है। ऐसे में डीएम को जिला जज का आदेश कैसे प्राप्त हो गया, जिसका पालन उन्होंने महज सात-आठ घंटे में कर दिया मंदिर पक्ष ने कहा, अयोध्या में विवादित ढांचा विध्वंस के बाद बैरिकेडिंग कर पूजा रोकी गई थी। उससे पहले यहां पूजा होती रही है। जिला जज को अधिकार है कि वह बिना किसी अर्जी के विवेकाधिकार से आदेश दे सकते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 8 फरवरी, 2024 3

युविचार

गलतियां करते हुए बिताया गया जीवन, न केवल कुछ ना किए गये बिताए जीवन से अधिक सम्मानजनक होता है बल्कि कहीं अधिक उपयोगी भी होता है!

तेलंगाना राज्य विमानन अकादमी का एनआरएससी से समझौता

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विमानन अकादमी ने ड्रोन पायलटों के लिए उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (समझौता ज्ञापन) में प्रवेश किया। एनआरएससी इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के प्राथमिक केंद्रों में से एक है। तेलंगाना एविएशन अकादमी के सीईओ एसएन रेड्डी और एनआरएससी के निदेशक प्रकाश चौहान ने माननीय मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए। राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी, आर एंड बी सचिव श्रीनिवास राजू और एनआरएससी अधिकारी भी मौजूद हैं।

बीजेपी लोकसभा चुनाव भी जीतेगी : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी ने भरोसा जताया है कि बीजेपी अगला लोकसभा चुनाव भी जीतेगी। नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर एक बार फिर हैदराबाद आएंगे और अत्याधुनिक सुविधाओं से तैयार हो रहे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह जो भी फैसला लेंगे उसे लागू किया जाएगा।

किशन रेड्डी ने बुधवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। दक्षिण मध्य रेलवे के जीएम अरुण कुमार जैन और अन्य अधिकारियों ने उन्हें कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।किशन रेड्डी ने बाद में आयोजित मीडिया सम्मेलन में बात की। पिछले साल अप्रैल में प्रधानमंत्री मोदी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण कार्य की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। काम 2025 के अंत तक पूरा हो जाएगा। रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से एयरपोर्ट जैसा आकार दिया जाएगा। किशन रेड्डी ने कहा कि चेर्लापल्ली टर्मिनल का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसे जल्द ही सेवा के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

चेरुवुगट्टू ब्रह्मोत्सवम पर मंत्री कोमाटिरेड्डी की समीक्षा

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने चेरुवुगट्टू ब्रह्मोत्सवम के आयोजन की समीक्षा की। मंत्री कोमटी रेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि पार्वती जदाला रामलिंगेश्वर स्वामी देवस्थानम, जिसे दूसरे श्रीशैलम के रूप में जाना जाता है, और चेरुवुगट्टू ब्रह्मोत्सवम के आयोजन की व्यवस्था की जाएगी। नकिरेकल विधायक वेमुला वीरेशम, ऋण आयुक्त अनिल कुमार और अन्य अधिकारियों ने सचिवालय में चेरुवुगट्टू में ब्रह्मोत्सव के आयोजन की समीक्षा की और अधिकारियों को कई सुझाव दिए।

मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, जिन्होंने सचिवालय में अपने कक्ष में ब्रह्मोत्सव पोस्टर और सूचना पुस्तिका जारी की, ने कहा कि मेला इस महीने की 14 तारीख को शुरू होगा। कल्याणोत्सव 16 तारीख की आधी रात को शुरू होगा और सुबह समाप्त होगा। उन्होंने अधिकारियों को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से लाखों की संख्या में आने वाले भक्तों के लिए टेंट, ताजे पानी के आवास और शौचालय जैसी सभी सुविधाएं बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा बिजली अधिकारियों को आदेश दिया गया कि मेले की ओर जाने वाली सड़कों पर दो कतारों में डेकोरेशन लाइट की व्यवस्था की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी बिजली की कोई समस्या न हो।

जीएचएमसी के विकास को लेकर सरकार सकारात्मक है

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जीएचएमसी में तमाम मुद्दों पर लंबी समीक्षा बैठक हुई।आज मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार जीएचएमसी के विकास को लेकर सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि आने वाली गर्मियों में पानी जुटाने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि पेयजल की समस्या न हो इसके लिए सभी अग्रिम व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि हम जीएचएमसी में राजस्व बढ़ाने के लिए एक विशेष नीति के साथ आगे बढ़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मूसी के विकास में बिना किसी बाधा के कदम उठाए जाएंगे और हैदराबाद की ब्रांड छवि बिना किसी समस्या के आगे बढ़ेगी। केंद्र सरकार से हमारा कोई मतभेद नहीं है कि हमारी सरकार शहरी विकास के लिए केंद्र की मदद लेने की सोच रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र को विकास में शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के विकास की रोजाना समीक्षा होगी और समस्याओं पर रिपोर्ट तैयार की जायेगी। यह सुझाव दिया गया है कि जीएचएमसी के तहत अधिकारियों को सतर्क रहना चाहिए और ऋण और संपत्ति के मुद्दों पर मुख्यमंत्री को एक रिपोर्ट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद नगर निगम को पिछली सरकार की तरह ही धन का आवंटन होगा और जीएचएमसी की समस्याओं पर एक विशेष रिपोर्ट तैयार करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार जल्द ही डबल बेडरूम कमरों पर एक नीति की घोषणा करेगी।

बाबू मोहन ने बीजेपी को अलविदा कहा

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी के पूर्व मंत्री बाबू मोहन ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले कुछ समय से पार्टी में हो रहे घटनाक्रम से असहज महसूस कर रहे थे और उन्होंने आज पार्टी को अलविदा कह दिया । हैदराबाद में आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की गई।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पार्टी में एक समूह उनकी आलोचना कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में वरंगल से सांसद टिकट की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने विश्वास जताया कि वह जीवन में कम से कम एक बार वहां से सांसद के रूप में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्होंने इस बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं सोचा है।

एमडी ने हमले में घायल कर्मचारियों से मुलाकात की

हमलावरों के खिलाफ गंभीर कारवाई की चेतावनी

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एमडी वीसी सज्जनार ने बदमाशों के हमलें में घायल कर्मचारियों से मुलाकात की। बुधवार को उन्होंने हैदराबाद के तरनाका स्थित टीएसआरटीसी अस्पताल में इलाज करा रहे कर्मचारियों से मुलाकात की। उनसे उनके स्वास्थ्य की स्थिति के साथ-साथ हमले के तरीके के बारे में भी जानकारी ली। सज्जनार ने उन्हें आश्वासन दिया कि टीएसआरटीसी घायल कंडक्टर और ड्राइवर का पूरा समर्थन करेगा और इस मामले में चिंता न करें। हमले में घायल कंडक्टर रमेश का बेहतर इलाज करने का आदेश डॉक्टरों को दिया गया। गौरतलब है कि फारूक नगर डेपोना की 8ए रूट की बस के ड्राइवर और कंडक्टर पर दो हमलावरों ने अंधाधुंध हमला कर दिया। हालांकि इसमें उनकी कोई गलती नहीं थी, फिर भी उन्होंने सड़क पर बस रोकी और क्रिकेट बैट से उनकी जमकर पिटाई की। इस घटना में कंडक्टर रमेश और ड्राइवर शेख अब्दुल घायल हो गये.। यह घटना 4 जनवरी को हैदराबाद टैंक बंड पर हुई थी। टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जनार ने कहा कि इस हादसे में उनके स्टाफ की कोई गलती नहीं है और बदमाशों ने जानबूझकर स्टाफ पर हमला किया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद माजिद और मोहम्मद कासिम को गिरफ्तार कर लिया। एमडी ने चेतावनी दी कि अगर जनता के बीच ड्यूटी करने वाले टीएसआरटीसी कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया तो गंभीर कार्रवाई की जाएगी। निष्ठा और अनुशासन से अपना कर्तव्य निभाने वाले स्टाफ सदस्यों पर क्रिकेट बैट से हमला करना दुखद है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग के सहयोग से आरोपियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी और हिस्ट्रीशीट भी खोली जाएगी। टीएसआरटीसी प्रबंधन ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा जो उसके कर्मचारियों के मनोबल को नुकसान पहुंचाते हैं और भावनात्मक संकट पैदा करते हैं, और यह स्पष्ट कर दिया है कि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टीएसआरटीसी सीओवीओ डॉ. रविंदर, ईडी कृष्णकांत, वेंकटेश्वरलू, तारनाका अस्पताल अधीक्षक डॉ. शैलजामूर्ति, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. श्रीनिवास, अस्पताल ओएसडी सैदी रेड्डी और आदि ने पीड़ितों से मुलाकात की।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. 30245188, दिनांक : 29.01.2024

कार्य का नाम : सड़क परिवहन या समकक्ष के लिए सभी सहायक उपकरणों के साथ SML S7 39 सीटर SDX डीजल बस का प्रावधान।

CONSIGNEE द्वारा निरीक्षण।

मात्रा : 01 संख्यक

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.02.2024 को 1500 बजे।

दृष्टव्य : सामग्री 60 दिन के भीतर आपूर्ति करनी है।

शुद्धिपत्र : सफल निविदाकर्ता को अनुबंध मूल्य का 5% की दर से सुरक्षा राशि जमा करना होगा।

संपूर्ण विस्तृत विवरण : www.ireps. gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/
PR-1057/O/23-24 वाल्टियर

जगदगिरिगुट्टा ट्रस्ट के अध्यक्ष ने मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर ट्रस्ट बोर्ड ने बुधवार को हैदराबाद के जगदगिरि गुट्टा के श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी के ब्रह्मोत्सव में भाग लेने के लिए देवदाय धर्मार्थ मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा से सचिवालय में उनके कार्यालय में ट्रस्ट के लोगों ने मुलाकात की।

ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष वेणुगोपाल यादव और मंदिर ईओ कृष्णमारियुलु ने मंत्री को एक निमंत्रण पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उन्हें ब्रह्मोत्सवम के हिस्से के रूप में 14 फरवरी को आयोजित होने वाले श्री स्वामीवारी थिरु कल्याण महोत्सव में आमंत्रित किया गया। मंत्री से मिलने वालों में मंदिर ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य और अन्य लोग शामिल थे।

मीटर रीडरों को गृह ज्योति लाभार्थियों का विवरण संग्रह बोझ बन रहा है

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार गृह ज्योति योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत सरकार पात्र परिवारों, बिजली उपयोगिताओं के मीटर रीडरों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त प्रदान की जा सके। इसका विवरण एकत्र करने का काम सौंपा गया है। लाभार्थी अत्यधिक दबाव में हैं क्योंकि उनके पास अतिरिक्त काम है। बिजली निगमों ने उन्हें 15 फरवरी तक कार्य पूरा करने को कहा है।मीटर रीडरों का तर्क है कि यदि वे नियमित कार्य के साथ-साथ प्रत्येक लाभार्थी से बिजली बिल बनाने का डाटा भी एकत्र करना शुरू कर देंगे तो इसमें काफी समय लगेगा और वे 15 फरवरी तक यह कार्य पूरा नहीं कर पाएंगे।

इनका कहना है कि जब हम मीटर रीडिंग के लिए जाते हैं, तो हम सिर्फ मीटर को स्कैन करते हैं और बिल बनाते हैं, लेकिन अब हमें प्रत्येक ग्राहक से बातचीत करनी होगी और पता लगाना होगा कि वे पात्र हैं या नहीं। और यदि पात्र हैं तो उनका विवरण एकत्र करना होगा। यदि लाभार्थी घर पर उपलब्ध नहीं है, तो हमें दोबारा जाना होगा। इसमें न केवल समय लगेगा बल्कि हमें थकान भी होगी।

चूंकि लाभार्थियों का विवरण एकत्र करने के लिए अतिरिक्त काम की आवश्यकता होती है। इसलिए मीटर रीडर संघ ने मांग की है कि डिस्कॉम प्रबंधन लाभार्थियों का डेटा एकत्र करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करे। यहां तक कि निजी एजेंसियों के माध्यम से नियुक्त किए गए मीटर रीडरों ने कथित तौर पर कहा है कि वे उन्हें दी जाने वाली मौजूदा दर पर लाभार्थियों का विवरण एकत्र नहीं कर सकते हैं और वे इस कार्य को करने के लिए अतिरिक्त भुगतान चाहते हैं। सूत्रों ने कहा कि डिस्कॉम प्रबंधन मीटर रीडरों को लाभार्थियों का विवरण एकत्र करने के लिए अतिरिक्त राशि का भुगतान करने पर सहमत हो गया है। प्रत्येक सबस्टेशन के अंतर्गत, लगभग पांच से छह मीटर

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं.एनइडी/ इ.29/टीआरडी/ टेंडर/19/2023-24 दि.06.02.2024

PUB/0114

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिए मुहरबन्द निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01 टेंडर नं.-एन/इ.29/टीआरडी/टेन्डर/18/2023-24 कार्य विवरणः अमृत भारत स्टेशन योजना(एबीएसएस) के तहत नान्देड डिवीजन में एफओबीज के प्रावधान सहित ओएचइ से जुड़े परिवर्धन या एडीशन्स कार्य तथा परिवर्तन करना।

अनुमानित मूल्यःरू.2,12, 60,248.65/-, पूरा करने की अवधिः 15 महिने, बोली सुरक्षा राशिः रू.2,56,300/-, बंद करने की तिथिः 05-03-2024 के 16.00 बजे

A0136 वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, टीआर, नान्देड

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः www.ireps.gov.in या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

PUBLIC NOTICE

The General Public are hereby informed that our Client namely **Mr.Ali Ahmed Farishta** has purchased property bearing Municipal No. 22-2-195 & 196/A New (Old House No. 22-2-195 & 196) admeasuring 507 Sq.yrds or equivalent to 423.90 Square meters situated at Komatwadi Dabeerpura, Hyderabad, T.S. vide Sale Deed No.1545/2022, dt: 15-07-2022 at SRO Charminar, from its earlier owner namely **Mr.Sajjan Raj Dhariwal**, and now our client intents to obtain Loan from Axis Finance Ltd, as such, any person/s having any kind of objection, claims, interests, Rights etc for the same may contact the undersigned with proof of the same within a period of **10 days**, failing which our client will proceed accordingly and no claims/objections/interest, Rights etc, thereafter are binding on our client.

Sd /-M/S. P.SUBHASHAN REDDY
P.GEETHA REDDY , Advocates
H.No. 429/L3/SRT, S.R. Nagar, Hyd-38.
Mobile No. 9866757575

सरकार ईमानदार हैं, तो 6 गारंटी लागू करना चाहिए : बंडी संजय

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। सांसद बंडी संजय ने कहा कि ईटेला के साथ कोई मतभेद नहीं है। बंडी संजय ने करीमनगर जिले के हुजूराबाद मंडल के रंगपुर में कहा सरकार 200 यूनिट और 500 रुपए गैस सिलेंडर के वादे के खिलाफ नहीं है। घोषणा पत्र में यह नहीं कहा गया है कि जिनके पास राशन कार्ड है केवल उन्हीं के लिए योजनाएं लागू करें। उन्होंने कहा कि अगर सरकार का मन साफ है तो नये राशन कार्ड दे और एक सप्ताह के अंदर दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 10 लाख परिवारों ने आवेदन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव कार्यक्रम कभी भी आ सकता है। अगर सरकार ईमानदार हैं, तो चुनाव कार्यक्रम के भीतर 6 गारंटी लागू करना चाहिए। 15 हजार प्रति एकड़, महिलाओं को 2500, पेंशन, मकान प्लॉट, 2 लाख कर्ज माफी, 317 जीओ, आदि लागू किया जा सकता है।

बंडी संजय ने कहा कि इन्हें पूरा करने के लिए सरकार की क्या योजना है,कर्ज की स्थिति को कैसे आगे बढ़ाया जायेगा इस बारे में सरकार को बताना चाहिए। उन्होंने इसे जनसभा में उजागर करने की मांग की। उन्होंने कहा कि विधानसभा एक-दूसरे का अपमान करने का मंच नहीं होनी चाहिए, इसका इस्तेमाल लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआरएस ने लोगों के जीवन को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप लगाकर जनता का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सीएम स्तर की कुर्सी को सम्मान देना चाहिए। उस स्तर के व्यक्ति को जूता मारने की बात कहना शर्म की बात है। प्रजा हित यात्रा के नाम से 10 बजे से यात्रा शुरू की जायेगी। उन्होंने दवा किया कि भाजपा 17 संसदीय सीटें जीतने जा रही हैं।

बंडी संजय ने कहा कि जनता मोदी को पीएम के रूप में देखना चाहती हैं. बंडी संजय ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के विकास, लोगों के अधिकारों, पेपर लीक, छात्र आत्महत्याओं के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ईटेला के साथ उनका कोई मतभेद नही है। उन्होंने कहा कि वह इसलिए नहीं आये क्योंकि वह विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि हम जनता के पास इसलिए जा रहे हैं क्योंकि हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि बीआरएस का तीसरा स्थान है। केंद्र सरकार ने जो फंड दिया है, हमने जो विकास किया है और देश में जो हालात हैं, उसके हिसाब से हम चुनाव में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार आये तभी देश का विकास होगा।

CLASSIFIEDS

उपनाम एवं जन्म तिथि में परिवर्तन

मैं, अंबाटी अश्विनि ने कानूनी रूप से, आर्मी नं.15690890 एन, रैन्कः हवलदार, नामः अंबाटी चक्रधर, वर्तमान निवास स्थलः डोर नं.1-111, पेद्दा वीधि, देवुपुरम गांव, नन्दीगाम मंडल, जिला श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश के निवासी से शादी की है। मेरा मूल नाम एवं जन्म दिनांक क्रमशः अंबाटी अश्विनी और 01.01.1995 है। पर मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम और जन्म दिनांक क्रमशः अश्विनि और 24.08.1992 दर्ज है। अतः मैने मेरा नाम अश्विनि से बदलकर अंबाटी अश्विनि किया है एवं मेरे जन्म दिनांक में भी बदलाव कर 24.08.1992 से 01.01.1995 किया है। उपरोक्त परिवर्तन हेतु एफिडविट दि.05.02.2024, बिफोर एडवोकेट एंड नोटरी पब्लिक, कासीबुग्गा, पलासा से संबंधित नोट देखें।

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी दो लाख नौकरी रिक्तियों की सूची बनाएं : विनोद कुमार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कम से कम उन दो लाख नौकरी रिक्तियों की सूची बनाएं जिन्हें राज्य सरकार इस साल फरवरी के अंत तक भरना चाहती है, ताकि नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को नौकरी मिल सके।

तेलंगाना भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नई सरकार को भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सरकार को हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिसूचित नौकरियों के लिए भर्ती वर्ष के अंत से पहले पूरी हो जाएगी।उन्होंने सरकार को जिलों के और अधिक पुनर्गठन और उनका नाम बदलने के प्रयास के खिलाफ भी चेतावनी दी क्योंकि इससे नौकरियों की उपलब्धता पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा 1.60 लाख से अधिक नौकरियां भरी गईं। नर्सों को दी गई नौकरियों को हाल ही में बीआरएस सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया था।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office # 15-2-391/392/1 Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012
(T.A. No. 1439)
www.agrasenbank.in
info@agrasenbank.in
अग्रसेन बैंक
Estd. 1998

NOTICE

Notice is hereby given that the 2nd General Body Meeting of the Shareholders of the Bank for the financial year 2023-2024, will be held on Sunday, 25th February, 2024 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500 004, T.S. at 11:00 A.M to transact the following items of the Agenda:

1. To review the membership and attendance of the Committee Members for the period from 01-08-2023 to 31-01-2024.
2. To approve admission of members, allotment of additional shares, transfer of shares, withdrawal and refund of Share Capital made during the period from 01-08-2023 to 31-01-2024.
3. To approve investments / withdrawals made during the period from 01-08-2023 to 31-01-2024.
4. To review all overdue loans and loans covered under legal action.
5. To approve the amendments to be made in the bye-law Nos. 4(i), 4(ii), 5 (xxv), 5 (xxvi), 8, 21(iii), 42(ii) e, 43(i), 43(ii) and addition of bye-law Nos. 49 and 50 to the bye-laws of the Bank.
6. To approve "Write off" of Bad and doubtful loans classified as NPA.
7. To consider any other matter with the permission of the Chair.

All the Shareholders are requested to attend the 2nd General Body Meeting, on the date, time and place herein mentioned above.

Place : Hyderabad
Date : 08-02-2024

By order of the Board of Directors
Sd/-
C V Rao
General Manager / CEO

NOTE

1. All documents referred to in the Notice are open for inspection at the Registered Office of the Bank on all working days between 11.00A.M to 4.00 P.M from 15-02-2024 to 23-02-2024 with prior notice.

बीजेपी के साथ जा रहे हैं जयंत चौधरी?

शिवपाल यादव का दावा, कहीं नहीं जा रहे

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के संदर्भ में माना जा रहा है कि राष्ट्रीय लोकदल, समाजवादी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) का साथ छोड़ सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि वह जयंत चौधरी के नेतृत्व वाली पार्टी भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा हो सकती है। इस बीच सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने नया दावा कर दिया है। उन्होंने कहा है कि जयंत कहीं नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं जयंत सिंह को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। वे धर्मनिरपेक्ष लोग हैं। भाजपा सिर्फ गुमराह कर रही है। वे (रालोद) इंडिया गठबंधन में बने रहेंगे और भाजपा को हराएंगे।'

बारात देख रहे थे लोग

अचानक 5 बच्चों पर चढ़ गई तेज रफ्तार पिकअप

फतेहपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर जिले में रात एक दर्दनाक दुर्घटना हो गई। बारात की अगवानी के चलते रोड किनारे खड़े पांच बच्चों को बेकाबू पिकअप ने कुचल दिया। इस दुर्घटना में एक बच्चे की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई तथा 3 बच्चे गंभीर रूप से चोटिल हो गए। वहीं, एक बच्चे को मामूली चोट आई है। चोटिल व्यक्तियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है। फिलहाल, उनका उपचार चल रहा है। दरअसल, फतेहपुर जिले के हुसैनगंज थाना इलाके के झारखंडी का पुरवा मजरे मवई के रहने वाले पप्पू के घर बारात थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव के रहने वाले बलराम के घर आई थी।

अगवानी के चलते बारात के साथ आए पांच बच्चे रोड के किनारे खड़े थे। तभी तेज गति से आ रहे पिकअप ने पांचों बच्चों को कुचल दिया, जिससे हुसैनगंज थाना इलाके के गणेशपुर निवासी 14 वर्षीय निकेश की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि, 15 वर्षीय सूरज, 15 वर्षीय आयुष, 14 वर्षीय सचिन की हालत गंभीर देखते हुए उपचार के लिए नजदीकी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वही जहां बच्चों की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया है।

गठबंधन को बड़ा झटका: भाजपा के साथ जाएगी रालोद

इन तीन सीटों पर हुआ समझौता; सपा से बनते-बनते यूं बिगड़ी बात

इंडिया गठबंधन को एक और बड़ा झटका लगना तय है। रालोद के एनडीए में जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। दिल्ली में जयंत चौधरी ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की है। मुजफ्फरनगर और हाथरस सीट को लेकर सपा और रालोद के बीच दूरियां बन गई।

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन को एक और झटका लगना करीब-करीब तय है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के मुखिया चौधरी जयंत सिंह न सिर्फ भाजपा के संपर्क में हैं, बल्कि तीन सीटों पर सहमति होने का भी दावा किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक रालोद ने भाजपा से कैराना, अमरोहा, बागपत, मथुरा व मुजफ्फरनगर सीट मांगी थी। भाजपा इनमें से कैराना, अमरोहा और बागपत सीट देने के लिए तैयार है। मथुरा व मुजफ्फरनगर सीट पर पेच फंसा है। एनडीए गठबंधन में मंत्री पद भी मिलने की संभावना है।

सपा से बनते-बनते यूं बिगड़ी बात

भाजपा पश्चिमी यूपी में मुस्लिम बहुल सीटों के लिए रालोद को साधना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव रालोद से गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। सीटें चिह्नित करने और सपा की ओर से तीन सीटों पर रालोद के चुनाव निशान पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने की शर्त पर पेच फंस गया। सपा चाहती है कि कैराना, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में प्रत्याशी सपा का हो, जो रालोद के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे। सपा के समक्ष मुजफ्फरनगर सीट पर रालोद ने दावा ठोका था, जहां बीते चुनाव में दिवंगत अजीत सिंह महज छह हजार मतों से हार गए थे। रालोद नेताओं ने कैराना और बिजनौर सीट सपा के बताए प्रत्याशियों को देने पर सहमति भी दे दी थी। लेकिन मुजफ्फरनगर और हाथरस सीट को लेकर दोनों दलों के बीच दूरियां बन गई। इसी दौरान चर्चा शुरू हो गई कि रालोद अध्यक्ष की भाजपा से गठबंधन की बात हुई है। बातचीत की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन सियासी गलियों में सबने अपने-अपने समीकरण लगाने शुरू कर दिए। रालोद नेतृत्व ने अभी तक न तो इन्कार किया और न ही इकरार, जिस कारण चर्चाओं ने दिनभर तेजी पकड़ी।

रालोद विधायक जा सकते हैं दिल्ली

दो दिन पहले रालोद विधायकों को सत्र बीच में ही छोड़कर दिल्ली से बुलावा आया था। इस मुलाकात को गठबंधन से जोड़कर देखा गया। लेकिन इसी दौरान दिल्ली से दोबारा संदेश दिया गया कि अभी इंतजार करें। माना जा रहा है कि रालोद नेतृत्व अपने विधायकों से अलग-अलग राय लेकर ही अगला कदम उठाएगा।

सीटों पर नहीं भारत रत्न पर भी बात

सियासी गलियों में चर्चा यह भी है कि रालोद मथुरा, बागपत, बिजनौर समेत चार सीटों पर सहमति देने के लिए तैयार है। लेकिन साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग भी रखी जा रही है। साथ ही प्रदेश सरकार में हिस्सेदारी भी रालोद चाहता है।

गणतंत्र दिवस के बाद एक्स पर कोई पोस्ट नहीं

रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह ने गणतंत्र दिवस के बाद एक्स पर भी कोई पोस्ट नहीं की है। इसी दौरान छपरौली में 12 फरवरी के कार्यक्रम को भी पीछे हटा दिया गया। रालोद नेताओं ने अपने हिस्से में आई सभी सीटों पर जो सर्वे कराया, उसमें अपने ही प्रत्याशी लड़ाने की बात भी सामने आई थी। जिसके बाद असमंजस की स्थिति है।

एनडीए में जाने की खबरें बेबुनियाद : रामाशीष

रालोद के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय का कहना है कि रालोद के एनडीए में जाने की बात कोरी अफवाह है। रालोद पूरी दृढ़ता से साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है।

आरएलडी और बीजेपी में कितनी सीटों पर हो रही है बात

अनुप्रिया पटेल की पहली प्रतिक्रिया

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकदल के संदर्भ में दावा किया जा रहा है कि वह सपा और इंडिया अलायंस का दामन छोड़, भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हाथ थाम सकते हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री और अपना दल एस की नेता अनुप्रिया पटेल ने अहम टिप्पणी की है। अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि मैंने मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी पढ़ा है कि आरएलडी जल्द ही एनडीए परिवार में शामिल होगी। मैं अपनी पार्टी की ओर से उनका स्वागत करती हूं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा 'हालांकि मुझे बीजेपी और आरएलडी के बीच सीट बंटवारे के समझौते के बारे में जानकारी नहीं है।'

केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटीं आईपीएस मंजिल सैनी

जल्द इस बड़े पद पर मिलेगी तैनाती

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एसएसपी लखनऊ व मेरठ समेत अन्य पदों पर तैनात रहीं 2005 बैच की आईपीएस अधिकारी मंजिल सैनी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आ गई हैं। वह एनएसजी में डीआईजी के पद पर तैनात थीं। जल्द उन्हें आईजी के पद पर नई तैनाती दी जाएगी डीजीपी प्रशांत कुमार व मंजिल सैनी को 26 जनवरी को राष्ट्रपति के वीरता पदक से पुरस्कृत किया गया था। 19 जुलाई, 2017 को मेरठ में बदमाशों से हुई मुठभेड़ के बाद दिल्ली के डॉ। श्रीकान्त को सकुशल मुक्त कराए जाने के मामले में दोनों अधिकारियों को यह पुरस्कार दिया गया। तब प्रशांत कुमार एडीजी मेरठ जोन व मंजिल सैनी एसएसपी मेरठ के

पद पर तैनात थीं।

ताजमहल में शाहजहां के उर्स के विरोध में हिंदू महासभा ने किया शिव चालीसा का पाठ

आगरा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे रोमेंटिक इमारतों में से एक ताजमहल फिर एक बार विवादों में आ गई है। बता दें कि मंगलवार को ताजमहल में शुरू हुए शाहजहां के उर्स का अखिल भारत हिंदू महासभा ने विरोध किया। विरोध में हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने ताजमहल के पार्श्व में जाकर जलाभिषेक किया। इसके साथ ही इस दौरान शिव चालीसा का पाठ भी किया गया। अखिल भारत हिंदू महासभा के जिलाध्यक्ष सौरभ शर्मा ने कहा कि, 'उर्स का हम लगातार विरोध करते आ रहे हैं। पूर्व में पुरातत्व विभाग को ज्ञापन दे चुके हैं। प्रशासन से भी कई बार मिन्नत की है। सुनवाई ना होने पर न्यायालय में वाद दाखिल किया है। न्यायलय ने उर्स कमेटी को नोटिस भी जारी किए हैं। नोटिस के बाद भी उर्स को मनाया जा रहा है। उर्स का कार्यक्रम होगा तो हम भी भगवान राम के वशंज हैं और शिव तांडव करेंगे।' बता दें कि तीन दिवसीय उर्स में अलग-अलग रस्में अदा की जाती हैं। उर्स में गुस्ल, संदिल और चादरपोशी की रस्में होती हैं।

मोतिहारी में चाकू गोदकर वृद्ध की हत्या

पूर्वी चंपारण, 7 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के रघुनाथपुर ओपी क्षेत्र में शाम एक वृद्ध को चाकू से गोदकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान मजुंराहा मुसहर टोली के रहने वाले 60 वर्षीय किशुनदेव मांझी के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को लेकर मृतक के भाई जगन्नाथ मांझी उर्फ टक्कू मांझी ने रघुनाथपुर ओपी में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। थाना में दिए आवेदन में जगन्नाथ मांझी ने बताया है कि मंगलवार की देर शाम में उनके भाई किशुनदेव मांझी दरवाजे पर बैठे हुए थे,उसी दौरान गांव के ही लालबाबू सहनी उर्फ चोईट सहनी बाइक से आया और उनके भाई से झगड़ा करने लगा। फिर उसने अपने कमर से चाकू निकाला और उन्हें ताबड़तोड़ चाकू से गोद कर मौके से फरार हो गया। वही इस बाबत रघुनाथपुर ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा और शव को कब्जा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

स्वामी रामभद्राचार्य का गला काटने पर 2 लाख, आंख फोड़ने पर दूंगा 3 लाख

दर्ज हुई एफआईआर

अलीगढ़, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर स्वामी रामभद्राचार्य की गर्दन काटने और आंखें निकालने का ऐलान करने वाले युवक के खिलाफ अलीगढ़ जिले के बरला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने अब डेविड जाट नाम के युवक की तलाश भी शुरू कर दी है।

डेविड जाट नाम के युवक ने सोशल मीडिया पर एलान किया था कि स्वामी रामभद्राचार्य की गर्दन काटकर लाने वाले को 2 लाख और आंखें फोड़ने पर 3 लाख रुपए देगा। वीडियो वायरल होने के बाद लोगों ने इस पर आपत्ति जाहिर करते हुए युवक के खिलाफ एक्शन की मांग की थी। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने वीडियो के आधार पर उसकी पहचान गांव फुसावली का रहने वाले सत्यवीर सिंह के बेटे डेविड जाट के रूप में हुई। इसके बाद गांव के चौकीदार की तहरीर पर डेविड जाट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश

शुरू कर दिया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक आरोपी युवक नोएडा के किसी कंपनी में काम करता है। एसपी देहात पलाश बंसल ने बताया कि पोस्ट वायरल होने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

बीजेपी के इस फैसले को मिला बीएसपी का समर्थन

कहा- इसका स्वागत किया जाना चाहिए

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने साल 2014 से पहले की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार की आर्थिक नीतियों के विरुद्ध 'श्वेत पत्र' लाने का फैसला किया है। इसके जरिए केंद्र सरकार यह बताएगी कि साल 2014 के पहले की आर्थिक नीतियां कैसी थीं और तब के मुकाबले आज 10 साल बाद क्या स्थिति है। इसके लिए केंद्र ने संसद ने बजट सत्र का एक दिन और बढ़ाने का फैसला किया है। इस फैसले का बहुजन समाज पार्टी ने समर्थन किया है। पार्टी सांसद मलूक नागर ने कहा है कि 'श्वेत पत्र' लाने और संसद की कार्यवाही का एक दिन बढ़ाने के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। श्वेत पत्र से पिछली सरकार का काम सामने आएगा। दीगर है कि मलूक नागर का बयान ऐसे वक्त में आया है जब कथित तौर पर कहा जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में बसपा और कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) में साथ आने के लिए वार्ता कर रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा जा रहा है कि बसपा अगर साथ आ जाए तो कांग्रेस, समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ सकती है।

श्वेत पत्र पर वित्त मंत्री ने कही थी ये बात

श्वेत पत्र पर इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी प्रतिक्रिया दी थी। अंतरिम बजट पेश करने के एक दिन बाद शुक्रवार को 2014 से पहले की संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार पर 'श्वेत पत्र' पेश करने के अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले अर्थव्यवस्था की स्थिति को लोगों के सामने रखने का इससे 'बेहतर समय' नहीं हो सकता। वित्त मंत्री ने अंतरिम बजट के बाद अपने पहले साक्षात्कार में कहा कि यह 'श्वेत पत्र जारी करने का सही समय' है। सीतारमण ने कहा था , 'हमने भारतीय अर्थव्यवस्था को नाजुक स्थिति से शीर्ष पर पहुंचाया। यही कारण है कि हम अब एक श्वेत पत्र ला रहे हैं। यह सही समय है।' सीतारमण ने बताया था कि जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार 2014 में सत्ता में आई थी, तब अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी, लेकिन प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि 'नाजुक अर्थव्यवस्था' को दुनिया के सामने उजागर न किया जाए क्योंकि इससे एक चिंताजनक संकेत जाता। उद्योग और व्यवसायी और किसी ने भी सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में निवेश करने के बारे में नहीं सोचा होगा।

सीएम योगी के आवास पर बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक, मालिनी अवस्थी और कुमार विश्वास को राज्यसभा भेज सकती है भाजपा

लखनऊ, 7 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों पर इस महीने के 27 तारीख को चुनाव होंगे। इसे लेकर राजनीतिक दलों में मंथन तेज हो गया है। आंकड़ों के हिसाब से भाजपा 10 में से 7 सीटों पर आसानी से जीत सकती है। वहीं समाजवादी पार्टी के खाते में 2 सीटों आ सकती है। बचे एक सीट पर दोनों पार्टियां जोड़ तोड़ और प्रथम वरीयता का सहारा लेते हुए जीतने की कोशिश करेंगे। भाजपा ने इन 10 सीटों के लिए 35 नामों का पैनल तैयार किया है। इसमें कुछ पुराने नाम और कुछ नए नाम दिल्ली भेजे जाएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर बीते 6 फरवरी को हुई बीजेपी की कोर ग्रुप की बैठक में भाजपा ने 35 दावेदारों का एक लिस्ट तैयार किया है। यह लिस्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। इस लिस्ट में कुछ पुराने नाम के साथ कई नए नाम शामिल किए गए हैं। सूत्रों की मानें तो इस लिस्ट में मौजूदा राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी, विजयपाल सिंह तोमर का नाम है। इसके साथ दो और नाम पुराने हैं। बाकी नए नाम लिस्ट में शामिल किए गए हैं। संगठन से जुड़े लोगों को इस लिस्ट में वरीयता दी गई है।

जानकारी के मुताबिक 13 फरवरी तक बीजेपी अपने राज्यसभा प्रत्याशियों की सूची जारी कर सकती है। 10 सीटों पर होने वाले चुनाव में बीजेपी 7 और सपा 2 सीटें आसानी से जीत सकती है। बची एक सीट पर जोड़-तोड़ और प्रथम वरीयता के आधार पर बीजेपी जीतने की कोशिश में है। इसी के मद्देनजर पार्टी का पैनल 8 प्रत्याशियों के नाम पर मंथन करेगा। जिन 35 नामों का लिस्ट दिल्ली भेजा गया है।

बीएससी नर्सिंग में पकड़ा गया लखीमपुर खीरी का मुन्ना भाई, धोखाधड़ी का केस दर्ज

शाहजहांपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजकीय मेडिकल कालेज में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा लखीमपुर खीरी का एक मुन्ना भाई जांच में पकड़ा गया। उप प्रधानाचार्य ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी की प्राथमिकी पंजीकृत कराई है। युवक ने पहचान छिपाकर लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में अपने स्थान पर दूसरे व्यक्ति को प्रवेश परीक्षा में शामिल करा दिया था। जुलाई माह में हुई परीक्षा को लेकर नवंबर माह में विश्वविद्यालय प्रबंधन को गड़बड़ी होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद जांच शुरू कराई गई थी। राजकीय मेडिकल कालेज प्रशासन से भी सभी छात्र छात्राओं का विवरण मांगा गया था। जांच में लखीमपुर खीरी के हैदराबाद क्षेत्र के भलिलिया बुजुर्ग गांव निवासी हर्षित राठौर का फोटो प्रवेश परीक्षा के दौरान लगे फोटो से अलग मिला। जिसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय भेजी गई थी। वहां से गड़बड़ी की पुष्टि होने के बाद उप प्रधानाचार्य डा. अपर्णा पांडेय ने हर्षित के विरुद्ध कांट थाने में धोखाधड़ी की प्राथमिकी पंजीकृत कराई है।

लालू प्रसाद यादव को रात में 2 भूत ले जा रहे थे श्मशान! कैसे 'बरम बाबा' ने बचाई थी जान?

पटना, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार की सियासत में जारी उठापटक और जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी की जांच की वजह से पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। भले ही नीतीश कुमार एनडीए का हिस्सा बनकर भाजपा संग बिहार में सरकार चला रहे हैं, मगर तेजस्वी यादव के पिता लालू यादव लगातार दांव आजमा रहे हैं। बिहार के सियासी गलियारों में चर्चा है कि लालू यादव जीतनराम मांझी को लगातार सीएम पद का ऑफर देकर बिहार में फिर से खेला करना चाह रहे हैं। बीते दिनों जब नीतीश के झटके के बाद राजद संकट में आई, तब भी इतनी उम्र के बावजूद लालू प्रसाद यादव ने ही मोर्चा संभाले रखा। यही वजह है कि बिहार में जब भी सियासी उलटफेर होता है, लालू प्रसाद यादव को सियासत की धुरी से अलग रखना आसान नहीं होता है। आज हम लालू यादव की सियासत या फिर उनके कारनामों के इतर उनके साथ हुई एक घटना की चर्चा करेंगे, जिसका जिक्र उन्होंने खुद अपनी आत्मकथा में किया है। लालू प्रसाद यादव बचपन में भूत का सामना कर चुके हैं। लालू यादव ने अपनी आत्मकथा

'गोपालगंज से रायसीनाः मेरी राजनीतिक यात्रा' में उस घटना का जिक्र किया है, जब अंधेरी रात में उन्हें दो भूत श्मशान घाट लेकर जा रहे थे, तभी गांव के बरम बाबा ने उनकी जान बचाई थी। लालू यादव अपनी आत्मकथा में लिखते हैं, 'एक बार मेरा भी भूतों से सामना हो गया। मेरे घर के पीछे पीपल के पेड़ के नीचे बरम बाबा का ठिकाना था। एक बार पूर्णिमा की चांदनी रात में बरम बाबा स्थान पर रात्रिभोज हुआ था और उसके बाद सोरठी-बिरजाभार गायन का कार्यक्रम हुआ।'

कहां हुआ था दो भूतों से सामना?

लालू यादव आगे कहते हैं कि कार्यक्रम के दौरान वह गेहूं के पुआल पर बैठे थे और अचानक उन्हें नींद आ गई। कार्यक्रम के बाद सभी अपने-अपने घर चले गए, मगर नींद में सोए लालू यादव को पता ही नहीं चला। जब उनकी नींद खुली तो उनके सामने दो लड़के खड़े थे। उन दोनों लड़कों ने उन्हें जगाया और अपने साथ चलने को कहा। क्योंकि वह नींद में थे, इसलिए उन्हें कुछ समझ नहीं आया और लालू यादव उन दोनों लड़कों के साथ चलते रहे। लालू यादव अपनी आत्मकथा में लिखते हैं, 'दोनों लड़के गांव के बाहर श्मशान घाट की ओर बढ़ रहे थे और मैं उनके पीछे-पीछे चल रहा था। कुछ दूर बाद मैं लघुशंका के लिए खेत में बैठ गया। इस दौरान वे दोनों मेरे पास खड़े रहे।'

श्मशान घाट की ओर जा रहे थे लालू यादव

राजद सुप्रीमो उस घटना का वर्णन करते हुए कहते हैं, ' मैं पेशाब कर ही रहा था, तभी खैनी मलते हुए पास से गुजर रहे गांव के तपेसर बाबा ने पूछा-कौन है रे। मैंने जवाब दिया- हम हैं ललुआ। इसके बाद तपेसर बाबा ने कहा, तुम कहां जा रहे हो, उठो और घर जाओ। जैसे ही तपेसर बाबा ने यह कहा, दोनों लड़के भाग खड़े हुए। इसके बाद मैं घर लौट आया। अगले दिन जब मैं सुबह दोनों लड़कों के पास गया तो उन्होंने दावा किया के वे दोनों वहां गए ही नहीं थे। इसके बाद मैं भौंचक्का रह गया और तुरंत तपेसर बाबा के घर गया। उन्होंने भी कहा कि वह वहां नहीं गए थे। वह तो अपने घर में सो रहे थे।'

मौनी अमावस्या के लिए प्रयागराज में ट्रैफिक डायवर्ट

प्रयागराज, 7 फरवरी (एजेंसियां)। माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान पर्व को लेकर जिले में ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया गया है। इसके तहत गुरुवार रात एक बजे से शहर में भारी वाहनों का प्रवेश निषेध कर दिया जाएगा। शहर के बाहर से वाहनों का रूट डायवर्जन किया जाएगा और प्रमुख स्थानों पर नो एंट्री लागू रहेगी यह व्यवस्था आठ फरवरी की रात एक बजे से 11 फरवरी तक लागू रहेगी। जिन वाहनों को नो इंट्री पास मिला है, उन पर भी पाबंदी लागू रहेगी। नो एंट्री प्वाइंट पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। मलाक हरहर तिराहा, हबूसा मोड़, सोरांव बाइपास, नवाबगंज बाइपास, फाफामऊ, मंदर मोड़ धूमनगंज, ट्रांसपोर्ट नगर तिराहा, रामपुर चौराहा, घूरपुर थाना गेट, लैप्रोसी चौराहा और अंदावा चौराहे को नो एंट्री प्वाइंट बनाया गया है।

डेढ़ साल की बच्ची को लेकर पाकिस्तान भागी मां, घर में बड़ी बेटी का रो-रोकर बुरा हाल

जम्मू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर के पुंछ में एक महिला नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करके पाकिस्तान भाग गई। वो भी अपनी डेढ़ साल की बच्ची को लेकर। परिवार को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस, भारत सरकार और पाकिस्तान से मदद की गुहार लगाई। कहा कि महिला गलती से बॉर्डर क्रॉस करके पीओके पहुंच गई है। उसे वापस भेजा जाए। क्योंकि घर वाले तो उसके लिए परेशान हो ही रहे हैं। लेकिन उसकी चार साल की बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। वह बार-बार मां को याद कर रही है। मामला भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित गांव सलोत्री का है। जानकारी के मुताबिक, शबनम नाम की महिला तीन दिन पहले अपनी डेढ़ साल की बेटी को लेकर घर से कहीं जाने के लिए निकली थी। लेकिन उसके बाद वो घर नहीं लौटी। ससुराल वालों ने उसे खूब ढंढा लेकिन शबनम के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली।

जिन्हें रिजर्वेशन का लाभ मिल चुका है उन्हें बाहर निकालना चाहिए: एससी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पिछड़ी जातियों में जो लोग आरक्षण के हकदार थे और इससे लाभान्वित भी हो चुके हैं, उन्हें अब आरक्षित श्रेणी से बाहर निकालना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि उन्हें अधिक पिछड़ों के लिए रास्ता बनाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की संविधान पीठ ने इस कानूनी सवाल की समीक्षा शुरू कर दी कि क्या राज्य सरकार को शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों में अप-वर्गीकरण करने का अधिकार है?

फैसले की वैधता की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

सविधान पीठ ने सुनवाई से पहले दिन कहा कि वह 2004 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की वैधता की समीक्षा करेगा, जिसमें कहा गया था कि राज्यों के पास आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आगे उप-वर्गीकृत करने का अधिकार नहीं है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की दलीलों का सारांश देते हुए कहा, इन जातियों को बाहर क्यों नहीं निकालना चाहिए? आपके अनुसार एक विशेष वर्ग में कुछ उपजातियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वे उस श्रेणी में आगे हैं। उन्हें उससे बाहर आकर जनरल से मुकाबला करना चाहिए। वहां क्यों करें? जो पिछड़े में अभी भी पिछड़े हैं, उन्हें आरक्षण मिलने दो। एक बार जब आप आरक्षण की अवधारणा को प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको उस आरक्षण से बाहर निकल जाना चाहिए। महाधिवक्ता ने कहा, यही मकसद है। यदि वह लक्ष्य प्राप्त हो जाता है, तो जिस उद्देश्य के लिए यह अभ्यास किया गया था वह समाप्त हो जाना चाहिए।

संविधान पीठ अब इस सवाल की जांच कर रही

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई, विक्रम नाथ, बेला एम त्रिवेदी, पंकज मिथल, मनोज मिश्रा और सतीश चंद्र शर्मा शामिल हैं। संविधान पीठ की अगुवाई कर रहे मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ सुनवाई के दौरान यह साफ कर दिया कि वह सिर्फ मात्रात्मक डेटा से संबंधित तर्कों में नहीं पड़ेगी, जिसके चलते पंजाब सरकार को कोर्ट के अंदर 50 फीसदी कोटा प्रदान करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट उन 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है,

जिसमें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 2010 के फैसले को चुनौती दे दी गई है। इसमें पंजाब सरकार की मुख्य अपील भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के 7 जजों की संविधान पीठ अब इस सवाल की जांच कर रही है कि क्या अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की तरह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणियों के अंदर उप-वर्गीकरण की अनुमति दी जानी चाहिए और क्या राज्य विधानसभाएं इस अभ्यास को करने के लिए राज्यों को सशक्त बनाने वाले कानून पेश करने में सक्षम हैं।

नाव के जरिए कुवैत से मुंबई पहुंचे 3 लोग अरेस्ट पुलिस और आईबी की जांच में हुआ ये खुलासा

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नौका के जरिये कुवैत से मुंबई में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला कर गिरफ्तार कर लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मंगलवार को 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर खड़ी नौका में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। नौका से आये तीनों लोग तमिलनाडु के निवासी हैं, वे दो वर्ष पहले काम के सिलसिले में कुवैत गए थे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें कुवैत ले जाने वाले एजेंट ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया जिसके बाद वे वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर पहुंचने पर नौका की तलाशी ली गई।

तीनों के खिलाफ केस दर्ज

पुलिस अधिकारी ने बताया कि यहां कोलाबा पुलिस ने अवैध रूप से प्रवेश करने पर पासपोर्ट अधिनियम के प्रावधानों के तहत तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मुंबई में नवंबर 2008 में आतंकी हमला करने वाले दस पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्र के रास्ते ही शहर में दाखिल हुये थे।

पेट्रोलिंग कर रही टीम ने देखी थी नाव

सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को ससून डॉक इलाक़े में समुद्र में पेट्रोलिंग कर रही येलो गेट पुलिस स्टेशन की चैत्राली बोट पर तैनात पुलिस ने देखा कि एक संदिग्ध बोट शहर की तरफ़ आ रही है जिसके बाद उन्होंने इस बात की जानकारी नेवी को दी और उनकी मदद से इस बोट को गेट वे ऑफ इंडिया लाया गया।

आईबी ने भी की जांच

मिली जानकारी के अनुसार, मुंबई पुलिस के साथ-साथ, इस मामले की जांच करने के लिए महाराष्ट्र एटीएस, आईबी और नेवी इंटेलिजेंस की टीम कुलाबा पुलिस स्टेशन पहुंची। जांच के बाद मुंबई पुलिस ने तीनों लोगो गिरफ्तार कर लिया। गिरफ़्तार आरोपियों के नाम विजय विनोद अंटोनी (29), नीदिसो डिटो (31) और जे। सहाया अंटोनी अनीश बी। जेईश (29) बताए जा रहे हैं। तीनों ही आरोपी फिशरमैन हैं और भारत के कन्याकुमारी, तमिलनाडु के रहने वाले हैं।

केसर के उत्पादन में 13 सालों में 67% की गिरावट, 2023 में चार फीसदी की बढ़त

जम्मू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कहा कि बीते 13 सालों में केसर के उत्पादन में 67 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, पिछले वर्ष उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद हसनैन मसूदी के एक सवाल के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री मुंडा ने कहा कि इस बारे में जम्मू कश्मीर के वित्तीय आयुक्त (राजस्व) कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर में केसर का उत्पादन 2010-11 में आठ मीट्रिक टन से घटकर 2023-24 (अनंतिम) में 2.6 मीट्रिक टन हो गया है। इसके परिणामस्वरूप इस अवधि में उत्पादन में लगभग 67.5% की कुल गिरावट आई है। हालांकि पिछले एक साल 2022-23 से 2023-24 के दौरान केसर उत्पादन में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

123 बोरवेल का हुआ निर्माण

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के योजना एवं कृषि उत्पादन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत 128 गहरे बोरवेलों में से 123 का निर्माण बागवानी विभाग द्वारा किया गया है। इनके दोहन और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के साथ जोड़ने के लिए इन बोरवेलों को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग कश्मीर को सौंप दिया गया है।

73 स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों संग जुड़े, पर अभी हो न सके शुरू

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग कश्मीर ने 2187.08 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई करने वाले 73 गहरे बोरवेलों को स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के साथ सफलतापूर्वक जोड़ दिया है। हालांकि, सिंचाई सुविधाओं का पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसका कारण मिशन दिशानिर्देशों के अनुसार बोरवेलों के प्रबंधन और रखरखाव के लिए उपयोगकर्ता समूह का नहीं होना माना जा रहा है। इन्हें अभी किसान उपयोगकर्ता समूहों को नहीं सौंपा गया है।

उत्पादन में गिरावट के लिए क्या प्रदूषण है वजह

मंत्री ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कृषि उत्पादन विभाग के योजना से प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसी भी औद्योगिक प्रतिष्ठान से सीमेंट की धूल जैसे कारकों के कारण केसर के फूलों पर प्रतिकूल प्रभाव की कोई रिपोर्ट नहीं प्राप्त हुई है। कृषि उत्पादन विभाग, राजस्व अधिकारियों, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के साथ मिलकर केसर अधिनियम, केसर नियम और अन्य राजस्व कानूनों को लागू किया जा रहा है, ताकि केसर उत्पादित भूमि को किसी अन्य उद्देश्य के लिए उपयोग न लाया जाए।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने विस्तृत समीक्षा का किया अनुरोध

केसर उत्पादन की गिरती स्थिति की पड़ताल के लिए केंद्र सरकार द्वारा कोई उच्च स्तरीय समिति का गठन नहीं किया गया है। हालांकि, केंद्र के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने यूटी प्रशासन से जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय केसर मिशन के तहत की गई सभी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करने का अनुरोध किया है। ताकि, जम्मू-कश्मीर में केसर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय केसर मिशन के तहत बनाए गए सभी बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

भाजपा आठ फरवरी को केरल की एलडीएफ सरकार के खिलाफ करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। केरल सरकार द्वारा बजट में कर बढ़ाए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी नई दिल्ली में एलडीएफ सरकार के खिलाफ आठ फरवरी को जोरदार प्रदर्शन करेगी। बुधवार को भाजपा के केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर, राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने आरोप लगाया कि केरल की एलडीएफ सरकार अपनी विफलताओं को मोदी सरकार पर थोपने की राजनीति कर रही है।

नई दिल्ली भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि केरल के लोग एलडीएफ सरकार के नवीनतम बजट में कर बढ़ाए जाने से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने राज्यों के धन हस्तांतरण को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने की 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। यूपीए के तहत, हस्तांतरण केवल 32 प्रतिशत था। इसके अलावा 7.5 प्रतिशत अतिरिक्त धन राशि पंचायतों और जिला परिषदों को दिया गया ।

अजित पवार को एनसीपी की कमान मिलने पर जेएमएम सांसद महुआ माजी का निशाना

'सरकार अभी उनकी है वो जो चाहें वह कर सकते हैं '

रांची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। एनसीपी के नाम और चुनाव चिह्न के मामले में चुनाव आयोग द्वारा अजित पवार के पक्ष में फैसला सुनाए जाने को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया आ रही है। इसी कड़ी में जेएमएम सांसद महुआ माजी की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि ये प्रधानमंत्री के पद की गरिमा के अनुरूप ही होना चाहिए। ना कि राजनीति होनी चाहिए, चुनाव नजदीक है, चुनावी इस्तेमाल ना हो तो जनता को ज्यादा अच्छा लगेगा।

देश में विपक्ष को खत्म किया जा रहा है

सांसद महुआ माजी ने आगे कहा कि सरकार अभी उनकी है वो चाहे कुछ भी कर लें। लेकिन जनता तो देख ही रही है कि क्या हो रहा है देश में, किस तरह से विपक्ष को खत्म किया जा रहा है। लोकतंत्र में विपक्ष की अपनी भूमिका है,

विपक्ष को हमेशा सम्मान देना चाहिए ताकि लोकतंत्र का अस्तित्व बचा रहे। सांसद सुप्रिया सुले को लेकर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का सवाल है तो वे अंतिम सांस तक लड़ेंगी। जिन्होंने पार्टी बनाई है, जनता उनके साथ है ऐसे में इतनी आसानी से वे इसे जाने नहीं दे सकती हैं, यह उनका अधिकार है।

'शरद पवार से छिनी अपनी ही पार्टी'

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अब चुनाव आयोग के फैसले के बाद अजित पवार की हो गई है। एनसीपी का चुनाव चिह्न 'घड़ी' भी अजित पवार को आवंटित किया गया है। जिसको शरद पवार गुट ने लोकतंत्र की हत्या करार दिया है। निर्वाचन आयोग के फैसले को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि 'ऊपर से दबाव' के तहत निर्वाचन आयोग ने ये फैसला लिया है। वहीं सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्त्ता शरद पवार के साथ है वो फिर से पार्टी का निर्माण करेंगे। जयंत पाटिल ने कहा कि पार्टी उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। वहीं निर्वाचन आयोग के फैसले पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि वो विनम्रता के साथ फैसले का स्वीकार करते हैं।

केरल के कर्ज पर प्रतिबंध को लेकर केंद्र का जवाब कहा- देश की क्रेडिट रेटिंग पर पड़ता है असर

कोच्चि, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यों द्वारा उधार लेने पर लगाई सीमा के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में केंद्र ने कहा कि राज्यों द्वारा लिए जा रहे अनियंत्रित कर्ज से पूरे देश की क्रेडिट रेटिंग पर असर पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे गए एक नोट में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि सार्वजनिक वित्त प्रबंधन एक राष्ट्रीय मुद्दा है। अगर राज्य खराब लक्षित सब्सिडी के वित्तपोषण के लिए बेतरतीब ढंग से कर्ज लेते रहेंगे तो इसके चलते बाजार से निजी उधार बाहर हो जाएगा। राज्यों का कर्ज देश की क्रेडिट रेटिंग को बुरी तरह से प्रभावित करता है। सुप्रीम कोर्ट के सामने रखे गए केंद्र के नोट में कहा गया कि राज्यों के कर्ज देश की क्रेडिट रेटिंग को प्रभावित करते हैं। किसी भी राज्य द्वारा कर्ज चुकाने में चूक देश के लिए बड़ी समस्याएं पैदा कर सकती हैं। इससे देश की वित्तीय स्थिरता खतरे में पड़ जाएगी। बाजार में वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन और आपूर्ति पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। नोट में कहा गया कि राज्य द्वारा लगातार लिए जा रहे उधार उसकी ऋण देयता में वृद्धि करेगा, जिससे विकास के लिए धन की उपलब्धता कम हो जाएगी। केरल के कर्ज पर लगाए गए प्रतिबंधों पर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में यह बात कही। कोर्ट में दिए गए केंद्र के नोट में कहा गया कि राज्यों की ऋण देनदारी गरीबी को जन्म दे सकती है। इससे राज्य की आय को खासा नुकसान पहुंचेगा, इसलिए इससे राष्ट्रीय आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा, इससे कई सामाजिक समस्याएं खड़ी होंगी। वेंकटरमणी ने कहा कि सभी राज्यों को किसी स्त्रोत से उधार लेने के लिए केंद्र सरकार की अनुमति की आवश्यकता होती है।

लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में बढ़ा बीजेपी का कुनबा

15 पूर्व विधायक और 1 पूर्व सांसद हुए शामिल

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में बीजेपी के कुनबे में इजाफा हुआ है। 15 पूर्व विधायक और 1 पूर्व सांसद आज बीजेपी में शामिल (एडीएमएल के पूर्व विधायक-सांसद भाजपा में शामिल) हो गए। केंद्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर की मौजूदगी में आज सभी नेताओं ने बीजेपी जॉइन की। इस दौरान उन्होंने सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में आपका स्वागत है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि लोकसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की 370 और एनडीए की 400 सीटें आएंगी। वहीं विपक्षियों पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जंतर मंतर पर बैठे नेता ड्रामा कर रहे हैं। बीजेपी में जॉइन करने वालों की लिस्ट सामने आई है। लिस्ट में पूर्व एडीएमके विधायक के वाडीवेल, चैलेंजर दुरैसामी ,पीएस कंडासामी, आर चिन्नासामी, पूर्व मंत्री गोमती श्रीवासन, वीआर जयारमण, एसएम वासन, पीएस अरुल, एस गुरुनाथन, आर राजेंद्रन, सेल्वी मुरुगेसन, ए रोकिनी, के तमिललागन, एसई वेंकटाचलम, मुथू कृष्णण और पूर्व डीएमके सांसद वी कुलंदैवेलु के नाम शामिल हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, ऐसे में बड़ी संख्या में पूर्व विधायकों और सांसद का बीजेपी में शामिल होना दक्षिण में पार्टी की बढ़ती साख को दिखाता है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंदशेखर ने खुशी जाहिर कर लोकसभा चुनाव में बीजेपी की 370 सीटें जीतने का विश्वास जताया। वहीं सभी नेताओं को उन्होंने पार्टी में शानदार स्वागत किया।

भारत जोड़ो का असल एजेंडा भारत तोड़ो है, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस इन दिनों देश के कई राज्यों से होकर गुजरने वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रही है। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होकर मुंबई में समाप्त होगी। इस यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई राज्यों से होते हुए गुजरेंगे। अभी तक वह ओडिशा तक का सफर तक कर चुके हैं। राहुल गांधी ने इस यात्रा के दौरान केंद्र सरकार पर रह-रह कर निशाना साधा है। लेकिन अब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर पलटवार किया है। प्रह्लाद जोशी ने कहा है कि कांग्रेस इस यात्रा की मदद से भारतीयों को भारत के खिलाफ एकजुट कर रही है। उन्होंने इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट भी किया है।

इस ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस भारतीयों को भारत के खिलाफ एकजुट कर रही है। कांग्रेस इसे भारत जोड़ो कहती है लेकिन एजेंडा असल में भारत तोड़ो है! एनडीए ने यूपीए की तुलना में कर्नाटक को 247% अधिक दिया है और केवल विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। हमारी राजनीति विकास के लिए है। उनकी तो सिर्फ राजनीति है, विकास भूल जाओ!

बता दें कि कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अब ओडिशा पहुंच गई है। राहुल गांधी ने यात्रा के ओडिशा पहुंचने पर राज्य के लोगों से खास आह्वान भी किया। राहुल गांधी ने कहा था कि वह उनकी समस्याओं को सुनेंगे भी और उन्हें हल करने का प्रयास भी करेंगे।

गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' मंगलवार को झारखंड से ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के बीरमित्रपुर पहुंची थी। ओडिशा कांग्रेस के नेताओं ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया था। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि वह यात्रा के दौरान सात से आठ घंटे तक लोगों की बात सुन रहे हैं और हर दिन 15 मिनट तक उन्हें संबोधित भी कर रहे हैं। राहुल ने कहा था कि लोगों को न्याय दिलाने के लिए उन्होंने यह यात्रा शुरू की है। देश को एकजुट करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा के पहले संस्करण 2022-23 के तहत कन्याकुमारी से कश्मीर के बीच लगभग 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी और यह यात्रा "नफरत व अन्याय" के खिलाफ है। उन्होंने कहा, यह सफल रही क्योंकि लाखों लोगों ने यात्रा में भाग लिया। राहुल गांधी ने कहा था कि हालांकि, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लोगों ने मुझसे कहा कि उनके राज्य से यात्रा नहीं गुजरी। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा और आरएसएस इन राज्यों में भी नफरत फैला रही है और अन्याय कर रही है।

चुनाव आयोग ने लोकतंत्र की पीठ में छुरा भोंका है: राउत

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के रूप में मान्यता संबंधी फैसला देकर लोकतंत्र की पीठ में छुरा भोंका है। राउत ने नयी दिल्ली में संवाददाताओं से कहा कि जिस तरह का अन्याय राकांपा के संस्थापक शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ हुआ है, वैसा अन्याय इतिहास में कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि शिवसेना और राकांपा को इसलिए कमजोर किया गया क्योंकि यही दो दल हैं जिन्होंने मराठी 'अस्मिता' की रक्षा की और महाराष्ट्र के साथ अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई।

उन्होंने दो प्रतिद्वंद्वी गुटों की ओर से राकांपा विधायकों के खिलाफ दायर याचिका पर जारी अयोग्यता कार्यवाही का जिक्र करते हुए कहा," अब लोकतंत्र की हत्या के लिए मामला राहुल नार्वेकर विधानसभा अध्यक्ष)को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि असली शिवसेना वही है जहां ठाकरे हैं और ठीक यही मामला राकंपा के साथ है, जहां शरद पवार हैं वही असली राकांपा है।

उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को खुद की पार्टी बनाने और लोगों का सामना करने की चुनौती भी दी।

कातिल दोस्त: दोनों ने साथ में बैठकर पी शराब, 1500 रुपये को लेकर हुआ विवाद

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत विहार इलाके में महज 1500 रुपये के लिए एक युवक ने अपने दोस्त की गला रेतकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त अश्विनी (35) के रूप में हुई है। तड़के उसका शव कुसुमपुर पहाड़ी की पार्किंग में पड़ा मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को भी मौके पर बुला लिया गया। छानबीन के दौरान कुछ ही घंटे बाद आरोपी की पहचान कर ली गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी संजय को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने अश्विनी को 1500 रुपये उधार दिए हुए थे।

कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, 12 ठिकानों पर छापेमारी

देहरादून, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सूत्रों के हवाले से बताया है कि मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में ईडी ने पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत और उनसे संबंधित अन्य लोगों के ठिकानों पर बुधवार की सुबस से छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी ये रेड उत्तराखंड और दिल्ली-एनसीआर सहित एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर हो रही है। ईडी की टीम देहरादून की डिफेंस कॉलोनी स्थित हरक सिंह रावत के आवास पर पहुंचकर रेड कर रही है। इसके साथ ही दिल्ली, चंडीगढ़ में भी ईडी ने सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की है। केंद्रीय एजेंसी ईडी ने धनशोधन मामले को लेकर पूर्व मंत्री के करीबियों पर भी एक्शन लिया है और सूत्रों की मानें तो फॉरेस्ट लैंड स्कैम मामले में ईडी ने ये कार्रवाई की है। इससे पहले अगस्त, 2023 में भी विजिलेंस विभाग ने हरक सिंह के खिलाफ कार्रवाई की थी और अब ईडी ने फॉरेस्ट लैंड स्कैम मामले में उनपर एक्शन लिया है। बता दें कि उत्तराखंड के हरक सिंह रावत को बीजेपी ने अनुशासनहीनता की वजह से पार्टी से निष्कासित करते हुए कैबिनेट मंत्री पद से भी बर्खास्त कर दिया था। बीजेपी से निकाले जाने के बाद साल 2022 में हरक सिंह रावत कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इतना ही नहीं, हरक सिंह के साथ उनकी बहू अनुकृति गुसाईं ने भी कांग्रेस का दामन थाम लिया था। तब से वे कांग्रेस में ही हैं।

ईडी छापे पर हरक सिंह रावत के पीआरओ का बयान

डॉ हरक सिंह रावत के घर पर ईडी की कार्रवाई को लेकर उनके पीआरओ विजय सिंह चौहान ने बयान दिया है कि ईडी बदले की भावना से कम कर रही है। उनका कहना है कि ईडी नगर निगम कर्मचारी की तरह हो गई है जो कहीं भी किसी के घर चली आती है और इस सबके लिए उन्होंने इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि जब तक डॉक्टर हरक सिंह रावत बीजेपी में थे तब तक उनको वह साफ सुथरा नजर आते थे और अब वह कांग्रेस में चले गए हैं और हरिद्वार से चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं तो उनसे बदला लेने के लिए ऐसी कार्यवाही कराई जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 8 फरवरी - 2024

परीक्षाओं में नकेल की तैयारी

लाख जतन के बाद भी परीक्षाओं मे नकल रोकना न सिर्फ प्रशासन के बूते के बाहर हो गया था, बल्कि शिक्षा माफियाओं के आगे सरकार भी नहीं चल पा रही थी। यही वजह थी कि परीक्षाओं में नकल, समय से पहले प्रश्न-पत्रों का बाहर आ जाना और अन्य प्रकार की अवांछित गतिविधियां निरंतर चल रही थी। इसके बाद भी यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों से परीक्षाओं के आयोजन के दौरान बहुस्तरीय निगरानी और सख्ती की वजह से नकल और चोरी जैसी गतिविधियों में काफी कमी देखी गई है। परीक्षा से पहले ही प्रश्न-पत्रों के बाहर आने से लेकर फर्जी अभ्यर्थी बिठाने जैसी शिकायतें अब भी आती रहती हैं। इसके साथ ही बड़ी मुश्किल तब खड़ी हो जाती है जब शिक्षा माफिया एक संगठित गिरोह के रूप में नकल या अन्य गैरकानूनी तौर-तरीके आजमाना शुरू कर देते हैं। जाहिर है इस काम में कई स्तर पर परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े कुछ भ्रष्ट लोग भी लिप्त हो जाते हैं। यही वजह है कि बहुत ज्यादा सख्ती के बाद भी पेपर लीक होने से लेकर नकल जैसे मामलों पर रोक लगा पाना असंभव होता जा रहा है। अब केंद्र सरकार ने परीक्षाओं में हर स्तर की गड़बड़ी पर अंकुश लगाने के लिए जो विधेयक संसद में पेश किया है, उसके कानून बनने के बाद ऐसे तत्वों की मुश्कें बांधने में आसानी हो जाएगी। लोकसभा में पेश लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 के तहत मुख्य जोर परीक्षा के लिए तैयार किए गए प्रश्न-पत्रों तक पहुंच हासिल करने वाले और उन्हें उम्मीदवारों तक पहुंचाने के लिए अनुचित तरीकों से शामिल संगठित गिरोहों पर नकेल कसने पर दिया जाएगा। इस कानून के दायरे में संघ लोकसेवा आयोग, बैंकिंग, नीट, जेईई, एसएससी, आरआरबी और सीयूईटी आदि परीक्षाएं आएंगी। नए कानून के तहत दस वर्ष तक की कैद और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। जाहिर है, इस स्तर की सख्ती किसी को भी परीक्षा से संबंधित गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए पर्याप्त है। इसके बाद भी इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि प्रश्न-पत्र लीक कराने से लेकर अन्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वाले गिरोह परीक्षा आयोजन से जुड़े तंत्र में घुसपैठ करके भ्रष्ट गतिविधियों को अंजाम देने में कामयाब न हो जाएं। इसलिए सजा में सख्ती के साथ इस तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए भी एक ठोस तंत्र बनाए जाने की आवश्यकता है।

अबकी बार 400 के पार -कहां से पूरा होगा टारगेट ?

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस लोकसभा चुनाव में कम से कम 370 सीटें जीतेगी और एनडीए गठबंधन 400 का आंकड़ा पार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक तरह से नया नारा भी दे दिया- 'अबकी बार, 400 पार।' प्रधानमंत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि मैं आमतौर पर आंकड़ों के चक्कर में नहीं पड़ता लेकिन देश का जो मिजाज देख रहा हूं। उससे मुझे विश्वास है कि इस बार देशवासी भाजपा को 370 सीटें जरूर देंगे। यही नहीं एनडीए का आंकड़ा 400 के पार रहेगा। पर सवाल यह उठता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सपना कैसे साकार होगा? प्रधानमंत्री मोदी के टारगेट को हासिल करने के लिए भाजपा को 2019 की तुलना में इस बार 67 सीटें ज्यादा जीतनी होंगी। एनडीए को भी अपना आंकड़ा पिछली बार के मुकाबले बढ़ाना होगा। ऐसे में हम बताते हैं कि आखिर एनडीए के 400 पार का गुणा-गणित क्या है, भाजपा और उसके गठबंधन के सहयोगी दलों को किन राज्यों में फायदा तो कहां सियासी नुकसान की संभावना है?

उत्तर भारत के हिंदी भाषी राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 193 सीटें हैं। इन राज्यों में फिलहाल 177 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। भाजपा के लिए चुनौती है कि इन राज्यों में अपनी सीट न सिर्फ बरकरार रखे बल्कि इसकी संख्या में इजाफा भी करे। उत्तर भारत के इन 11 राज्यों में भाजपा की सीटों की बहुत ज्यादा बढ़ने की गुंजाइश नहीं दिख रही है।

महाराष्ट्र, बंगाल, असम, गुजरात और कर्नाटक में 2019 चुनाव वाले प्रदर्शन को 2024 के चुनाव में दोहराना होगा। 2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल में भाजपा को 18, महाराष्ट्र में 23, कर्नाटक में 25 और गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2024 चुनाव में भाजपा के लिए फायदे की उम्मीद दक्षिण भारत के राज्यों में हो सकती है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना के अलावा पुडुचेरी और लक्षद्वीप की 131 सीटों में से भाजपा 2019 में महज 30 सीटें ही जीत सकी थी। इसलिए दक्षिण भारत के इन राज्यों में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ नहीं है बल्कि इजाफा करने की है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर भाजपा 2014 और 2019 की चुनावी जंग फतह करने के बाद अब 2024 उतरने जा रही है। कश्मीर से बिहार तक उत्तर भारत के इन राज्यों में 245 सीटें आती हैं जिनमें पंजाब छोड़कर बाकी राज्य में भाजपा बेहतर स्थिति में है। इसके बावजूद उत्तर भारत के राज्यों की सभी सीटें यानि 245 सीटें पर जीतना आसान नहीं लेकिन 2019 की तुलना में उसकी सीटें बढ़ सकती है।

400 का आंकड़ा पार करने के लिए एनडीए को केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश में अपनी सीटें बढ़ानी होंगी क्योंकि इन्हीं राज्यों में भाजपा के पास जीतने का मौका दिख रहा। गुजरात, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान की अधिकतम सीटें भाजपा के पास पहले से हैं। बिहार में जेडीयू को फिर से साथ ले लिया है, जिसके बाद 2019 की तरह क्लीन स्वीप हो सकता है। ऐसे में भाजपा के पास जिन राज्यों में सीटें बढ़ाने का मौका है, उसी आधार पर 400 पार का आंकड़ा हासिल हो सकता है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा गठबंधन ने 2019 में 80 लोकसभा सीट में से 64 सीटें जीतने में कामयाब रही थी और 16 सीटों पर हार मिली थी। 2024 में सपा और बसपा के उत्तरप्रदेश में अलग-अलग चुनाव लड़ने का फायदा भाजपा को मिल सकता है। 2014 में इसी तरह की स्थिति थी, तब भाजपा ने 71 सीटें जीती थीं और 2 सीटें उसके सहयोगी को मिली थीं। फिर से वैसे ही नतीजे की उम्मीद भाजपा ने लगा रखी है और अपना कुनबा भी बढ़ा लिया है। हाल ही में बताया जाता है कि जयंत चौधरी की आरएलडी पार्टी भी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ कर एनडीए से जुड़ने जा रही है। इस तरह भाजपा को उत्तरप्रदेश से 8 से 10 सीटों का इजाफा हो सकता है।

छत्तीसगढ़ की 11 में से 9 सीटें भाजपा 2019 में जीती थी लेकिन हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिस तरह प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है, उसके चलते माना जा रहा है कि क्लीन स्वीप कर सकती है। ऐसे में भाजपा को दो सीटों का इजाफा हो सकता है। पंजाब में दो सीटें भाजपा के पास हैं लेकिन जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में है। सूबे के दिग्गज नेताओं को भाजपा ने अपने साथ मिलाया है, उससे लगता है कि पार्टी की सीटें इस बार बढ़ सकती हैं। भाजपा पहली बार पंजाब में अकेले चुनावी मैदान में उतरेगी और सभी सीट पर चुनाव लड़ेगी। पंजाब की 13 सीटों में से भाजपा ने 4 से पांच सीटें जीतने का प्लान बनाया है। झारखंड की 14 लोकसभा सीटों में भाजपा 11 सीट पर काबिज है और 2024 में उसे बढ़ाने की कवायद में है। माना जा रहा है कि भाजपा अपनी सीटें 11 से बढ़ाकर 12 और 13 तक ले जा सकती है। महाराष्ट्र में सियासी बदलाव के बाद भाजपा को अपनी सीटें बढ़ने की उम्मीद है। महाराष्ट्र में भाजपा एनसीपी (अजित पवार गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) के साथ मिलकर चुनाव में उतरेगी। एनसीपी (अजित पवार गुट) और शिवसेना (शिंदे गुट) को चुनाव आयोग द्वारा असल एनसीपी व असल शिवसेना का दर्जा भी मिल चुका है। 48 सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा को सहयोगियों के साथ सीटें शेयर करनी होंगी, जिसमें पिछली बार से ज्यादा सीट पर चुनाव लड़ेगी। गोवा में दो लोकसभा सीटें हैं जिनमें से भाजपा के पास एक सीट है जो बढ़कर दो हो सकती हैं।

एनडीए के 400 पार के आंकड़ा पार करने के लिए दक्षिण के तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में जीत दर्ज करनी होगी। इन राज्यों में कुल 104 लोकसभा सीटें हैं जिनमें से भाजपा के पास सिर्फ चार सीट हैं जो तेलंगाना में मिली थीं। कर्नाटक में भाजपा ने जेडीएस से गठबंधन करके राज्य की 29 सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए पहले से ही तैयारी कर रखी है तो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भाजपा ने एक बार फिर टीडीपी और पवन कल्याण की जनसेना पार्टी के साथ गठबंधन कर रखा है। आंध्र प्रदेश में खाता खोलने की चुनौती है पर कहा जाता है कि आंध्र प्रदेश की प्रमुख पार्टियां (वाईएसआरसीपी, टीडीपी और जन सेना पार्टी) जो वहां पर हावी हैं, राज्य की राजनीति से संबंधित मुद्दों के कारण भी भाजपा का साथ देने के लिए उत्सुक हैं तो तेलंगाना में भाजपा को अपनी 4 सीट को बढ़ाकर 8 करनी होंगी।

केरल और तमिलनाडु में भाजपा लगातार मशक्कत कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले एक्टर थलापति विजय ने तमिलनाडु में राजनीतिक पार्टी लॉन्च की है जिसका नाम तमिझगा वेत्री कड़गम रखा है। भाजपा की नजर दक्षिण के फिल्मी स्टार पर है जिसके जरिए मजबूती के साथ चुनावी मैदान में उतरने की है। केरल में पिछले दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने एक्टर-राजनेता सुरेश गोपी की बेटी की शादी में शिरकत की थी और वर-वधू को आशीर्वाद दिया था। सुरेश गोपी को भाजपा केरल से चुनावी मैदान में उतार सकती है। इस तरह भाजपा दक्षिण के राज्यों में 8-8 और 10-10 सीटें जीतने में कामयाब हो जाती है तो फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लेगी। भाजपा के आगे चुनौती पूर्वोत्तर के साथ-साथ ओडिशा और बंगाल में भी अपने चुनावी नतीजों को बरकरार रखने की नहीं बल्कि उसे बढ़ाने की है। भाजपा 2019 में ओडिशा की 21 में से 8 सीटें जीतने में कामयाब रही थी, लेकिन इस बार पार्टी की कोशिश उसे बढ़ाकर 12 तक ले जाने की है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिशा में अपने दौरे भी ओडिशा से शुरू कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से भाजपा 2019 में 18 सीटें जीतने में कामयाब रही थी। भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में 40.30 फ़ीसदी वोट मिले थे अब मोदी लहर में यह प्रतिशत बढ़ सकता है और प्रतिशन बढ़ने का मतलब है सीटों में इजाफा ।

भाजपा का एक और राष्ट्रवादी ब्रह्मास्त्र

डॉ घनश्याम बादल

लोकसभा चुनाव के अब करीब 3 महीने बाकी हैं और भाजपा - एनडीए सरकार हर हाल में तीसरी बार लौटने की कवायद में लगी है । इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसकी कमान में जितने भी तीर हैं वे सब के सब चला रही है । धारा 370 हटाने के बाद राम मंदिर निर्माण और उद्घाटन तथा अब उत्तराखंड के माध्यम से समान नागरिक संहिता का ब्रह्मास्त्र भी आजमा कर देखा जा रहा है ।

6 फरवरी को उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने विधानसभा के पटल पर समान नागरिक संहिता का बिल कैबिनेट की मंजूरी के बाद पेश कर दिया है। चूंकि 90 सदस्यीय उत्तराखंड विधानसभा में भाजपा के 47 सदस्य हैं, इसलिए इस बिल के पास होने में कोई तकनीकी बाधा नहीं आनी चाहिए। उधर विपक्ष भी अपनी रणनीति के तहत इस बिल की खामियां उजागर करने में लगा है और खासतौर पर मुस्लिम समाज के धार्मिक नेता इसके पेश व लागू किए जाने की संभावना पर तीखी टिप्पणियां कर रहे हैं ।

भाजपा ने अनेक बार समान नागरिक संहिता बिल लाने के वादे के साथ चुनाव लड़ा है और उसके लिए यह एक चुनावी फायदे का सौदा सिद्ध हुआ है । अब जबकि नरेंद्र मोदी की सरकार 'तीसरी बार 400 पार' के नारे के साथ चुनाव मैदान में उतरने की योजना बना रही है. ऐसे में इस बिल की मदद से न केवल हिंदू वोट अपितु मुसलमानों के एक बड़े तबके पर भी उसकी नजर है । अब यह सब तो राजनीतिक बातें हैं, देखें इस बिल में आखिर है क्या और क्यों भाजपा तथा आरएसएस अपने एजेंडा में इसको शामिल कर रहा है और क्यों मुस्लिम समाज तथा मुस्लिम वोटो पर निगाह रखने वाली पार्टियां इस बिल पर आपत्ति कर रही है। यदि विधानसभा में यह बिल पारित हो जाता है जिसकी प्रबल संभावना भी है, तो उत्तराखंड देश में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य होगा। इस बिल के मसौदे में 400 से ज्यादा धाराएं हैं जिसका लक्ष्य पारंपरिक रीति-रिवाजों से पैदा होने वाली विसंगतियों को दूर करना है। यह कानून एक देश एक संविधान के एजेंडे पर कार्य करता है तथा नागरिकों के मध्य धर्म संप्रदाय या समुदायों के आधार पर भेदभाव को नकारता है। इस बिल के मुख्य बिंदुओं पर एक निगाह डालें।

अभी तक कुछ धार्मिक कानूनों में बहुविवाह करने की छूट है। चूंकि हिंदू, ईसाई और पारसी के लिए दूसरा विवाह अपराध है और सात वर्ष की सजा का प्रावधान है। इसलिए कुछ लोग दूसरा विवाह करने के लिए धर्म बदल लेते हैं। समान नागरिक संहिता के लागू होने के बाद बहुविवाह पर पूरी तरह से रोक लग जाएगी।

विवाह की न्यूनतम उम्र कहीं तय है तो कहीं नहीं है। एक धर्म में छोटी उम्र में भी लड़कियों की शादी हो जाती है। वे शारीरिक व मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होतीं जबकि अन्य धर्मों में लड़कियों के 18 और लड़कों के लिए 21 वर्ष की उम्र लागू है। कानून बनने के बाद युवतियों की शादी की कानूनी उम्र 21 साल तय हो जाएगी और इससे कम उम्र में शादी करने वाले पर कानूनी शिकंजा कैसा जाएगा. दरअसल इन दोनों ही मुद्दों पर मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं एवं लोगों को ऐतराज है और उनको लगता है कि इस कानून के लागू होने के बाद मुस्लिम पर्सनल लॉ निष्प्रभावी हो जाएगा।

अब लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए भी रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद उत्तराखंड में लिव इन रिलेशनशिप का वेब पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। रजिस्ट्रेशन न कराने पर युगल को छह महीने का कारावास और 25 हजार का दंड या दोनों हो सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के तौर पर जो रसीद युगल को मिलेगी, उसी के आधार पर उन्हें किराए पर घर, हॉस्टल या पीजी मिल सकेगा। यूसीसी में लिव इन रिलेशनशिप को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। इसके मुताबिक सिर्फ एक व्यस्क पुरुष व वयस्क महिला ही लिव इन रिलेशनशिप में रह सकेंगे। वे पहले से विवाहित या किसी अन्य के साथ लिव इन रिलेशनशिप या प्रोहिबिटेड डिग्रीस ऑफ रिलेशनशिप में नहीं होने चाहिए। पंजीकरण कराने वाले युगल की सूचना रजिस्ट्रार को उनके माता-पिता या अभिभावक को देनी होगी।

उत्तराखंड की 4% जनजातियों को इस क़ानून से बाहर रखने का प्रावधान किया गया है. मसौदे में जनसंख्या नियंत्रण उपायों और अनुसूचित जनजातियों को शामिल नहीं किया गया है । इस बिंदु पर भी मुस्लिम के धार्मिक नेताओं को ऐतराज है तथा उनका कहना है कि जब यह कानून सब पर समान रूप से लागू नहीं होगा तो फिर इसे यूनिवर्सल सिविल कोड कैसे मान जाए हालांकि सरकार अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को इससे मुक्त रखने पर अपने तर्क दे रही है मगर विपक्ष एवं मुस्लिम वोटो पर निगाह रखने वाले दल तथा कट्टरपंथी धार्मिक नेता इस मुद्दे को जोर-शोर से उछालने में लगे हैं।

विपक्ष और खासकर कांग्रेस तथा समाजवादी पार्टी इस बात इस बिल को लाने पर इसलिए भी बिलबिला रहे हैं क्योंकि उनकी नज़र में भाजपा यह बिल राजनीतिक लाभ लेने के लिए लेकर आई है ।

सवालों के घेरे में कांग्रेसनीत सरकार की निष्ठा ?

राज सक्सेना

एक कहावत है कि पिछले कर्म सामने जरुर आते हैं। वैसे तो कांग्रेस की पिछली मनमोहन सिंह के प्रधान मंत्रित्व में चली यूपीए सरकार पर अनेक घोटालों के आरोप हैं मगर बैंक घोटालों में जो मोदी के कार्यकाल से पहले से चले आ रहे थे, उनमें मोदी को संलिप्त मान कर विधवाविलाप करने वाली कांग्रेस के कार्यकाल का एक ऐसा प्रकरण सामने आया है जिसमें बैंक धोखाधड़ी के एक अपराधी को जो न केवल गिरफ्तार हुआ था अपितु छूट कर फरार होने का अपराधी भी था, को न केवल अपराध मुक्त किया गया बल्कि देश के तीसरे बड़े सम्मान से भी नवाजा गया। एक होटल व्यवसायी अनिवासी भारतीय जालसाज जो भारतीय स्टेट बैंक के साथ फर्जीवाड़ा करके उसके 90 लाख डॉलर हड़प चुका था। अपनी इस करतूत के लिए वह बाकायदा गिरफ्तार भी हुआ था और जमानत पर छूटा था मगर बाद में कांग्रेसी शासन में सीबीआई ने अज्ञात कारणों से उसके खिलाफ केस ही बंद कर दिया जिसके चलते स्टेट बैंक के 90 लाख डॉलर वह प्रथम श्रेणी अनिवासी जालसाज हमेशा के लिए हजम कर गया था।

ध्यातव्य है कि सीबीआई की जांच बंद होने के कुछ ही महीनों बाद तत्कालीन कांग्रेसी सरकार ने उस जालसाज को पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित भी कर दिया था हालांकि उस समय भी उस जालसाज के खिलाफ अमेरिका में (जहां का वो निवासी है) धोखाधड़ी और जालसाज़ी के पांच मुकदमे चल रहे थे। उस समय तक वो जालसाज खुद को एक दो नहीं बल्कि चार बार दीवालिया भी घोषित कर चुका था। अमेरिका के कई बैंकों को करोड़ों का चूना लगाने में भी सफल हो चुका था। दृष्टव्य है कि उस जालसाज पर अमेरिका में लगे आरोप और उसके खिलाफ चल रहे मुकदमे कागजी या फर्जी नहीं थे। उसपर चल रहे उन मुकदमों में से एक मुकदमे में उसे अप्रैल 2014 में न्यूयॉर्क की एक अदालत ने 5 साल की जेल और 10 लाख डॉलर (लगभग 6.5 करोड़ रू) के जुर्माने की सज़ा भी सुनाई थी। उस जालसाज का नाम था सरदार संत सिंह चटवाल। अब यह भी जान लीजिए कि किसान आंदोलन के समय हुए ट्रेक्टर रैली के चलते 26 जनवरी को दिल्ली में जिन देशद्रोही खालिस्तानी गुंडों ने देश का झंडा उखाड़ कर फेंक दिया था, इन देशद्रोही खालिस्तानी गुंडों के समर्थन में अमेरिका, इंग्लैंड और इटली में जो प्रायोजित फ़ाइव स्टार समर्थन कार रैलियां और प्रदर्शन हुए और बड़ी लम्बी लम्बी कार रैलियों में जो लाखों डॉलर फूंके गए थे। लोग दबी जबान यह जिक्र करते हैं कि उन डॉलरों में जालसाज संत सिंह चटवाल और उसके गुर्गों की एक बड़ी भारी हिस्सेदारी थी।

मोदी पर आरोप लगाने वाली 'दूध की धुली कांग्रेस' को इस सन्दर्भ में स्पष्ट करना चाहिए कि अमेरिका, इंग्लैंड, इटली में देशद्रोही खालिस्तानी गुंडों की मदद करने वाला संत सिंह चटवाल कोई और है या वही, सजायाफ्ता जालसाज संत सिंह चटवाल है? जिसे कांग्रेसी सरकार की विशेष कृपा के कारण जनवरी 2010 में पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था? इस प्रकरण में विवादित संत सिंह चटवाल भारतीय मूल के एक अमेरिकी सिख उद्योगपति हैं। वे 'हैम्पशायर होटल एण्ड रिसॉर्ट्स' नाम की कंपनी के मालिक हैं। नवंबर 2013 में एक सर्वे में उन्हें विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली सिखों की रैंकिंग में उन्नीसवें स्थान पर रखा गया था। 2010 में भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान देने पर एक लम्बा विवाद भी सामने आया था हालाँकि भारत सरकार ने अपने निर्णय को बदलने से इनकार करते हुए उसे सही माना था।अब बात की जाय पंजाब के लुधियाना निवासी संत सिंह चटवाल के बेटे विक्रम चटवाल की जिनकी पूर्व पत्नी प्रिया सचदेव संजय कपूर से अपनी दूसरी शादी के कारण काफी दिनों तक चर्चा में रही। प्रिया सचदेव दिल्ली में जन्मी और पली-बढ़ी। उनसे विक्रम चटवाल की शादी दुनिया की सबसे महंगी शादियों में गिनी जाती है। विक्रम और प्रिया ने उदयपुर के जलमंदिर पैलेस में 2006 में शादी की थी। इस शादी ने उस वक्त इतिहास रच दिया था। 10 दिन तक समरोह चलते रहे थे। दिल्ली, मुंबई और उदयपुर में 10 दिनों तक चले शादी समारोह में 126 देशों के 600 मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। इस शादी में उस समय 20 मिलियन खर्च किए गए थे। शादी में शामिल होने के लिए मेहमान चार्टर्ड जेट से पहुंचे थे। शाहरुख खान और रैपर डिडी जैसी बड़ी-बड़ी सेलिब्रिटी इस शादी में नजर आए थे। इस शाही शादी में तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह से लेकर अमेरिका के फॉर्मर प्रेसिडेंट बिल क्लिंटन तक बतौर गेस्ट मौजूद थे। मॉडल पैट्रिकिया वेलासक्वेड, मॉडल नाओमी कैंपबेल, इंडस्ट्रियलिस्ट लक्ष्मी निवास मित्तल, ग्रीस के प्रिंस और धर्मगुरु दीपक चोपड़ा जैसी कई बड़ी हस्तियां भी शामिल हुई थीं। करोड़ों की लागत वाली यह शाही शादी ज्यादा दिन तक नहीं चली। 2011 में प्रिया और विक्रम चटवाल के रिश्तों में दरार के बाद दोनों अलग हो गए थे।

वर्तमान में जब भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है और कई दिग्गज आतंकवादी खालिस्तानी अपनी करतूतों के शिकार हो चुके हैं तो भारतीय मूल के इस अमेरिकी दिग्गज उद्योगपति संत सिंह चटवाल का देश प्रेम जागने लगा है और उसने कहा है कि '99 प्रतिशत सिख भारत से प्यार करते हैं और बहुत ही कम तादाद उन लोगों की है जो खालिस्तान का समर्थन करते हैं।' संत सिंह चटवाल ने पीएम मोदी की भी जमकर तारीफ की है और कहा है कि 'पीएम मोदी ने सिख समुदाय के लिए बहुत कुछ किया है।' ऐसे समय जब भारत-कनाडा के बीच जारी विवाद में खालिस्तान का मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है, ऐसे नाजुक समय में संत सिंह चटवाल का यह बयान बेहद अहम है।

स्मरणीय है कि 28 करोड़ रुपये के दो बैंक धोखाधड़ी मामलों में अमेरिका स्थित होटल व्यवसायी संत सिंह चटवाल को आरोप मुक्त करने के खिलाफ जांच एजेंसी ने अपील क्यों नहीं की, इस बारे में जानकारी देने से इनकार करने पर एक शीर्ष सीबीआई अधिकारी पर 7,000 रुपये का 2011 में जुर्माना भी लगाया गया था। कड़े शब्दों में दिए गए आदेश में तत्कालीन सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने एक पत्रकार को जानकारी उपलब्ध नहीं कराने के लिए सीबीआई की आलोचना भी की थी। उन्होंने सीबीआई निदेशक को एजेंसी के सार्वजनिक सूचना अधिकारी अनिल पाल्टा के वेतन से जुर्माने की राशि काटने का निर्देश दिया था। इस घटना की पुनरावृत्ति किसी सरकार में न हो, यह देशहित में है मगर अपने सार्वजनिक गुनाहों पर पर्दा डाल कर मोदी, जो अपने कार्यकाल के सद्य प्रारम्भकाल में हुए उन चर्चित काण्डों जिनमें हुए बैंकों के नुकसान की भरपाई अपराधियों की सम्पत्ति बेच कर की भी जा चुकी है, पर लादना किसी भी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता।

पीठासीन भए पीठाशनि

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

यह जानकर दुःख हुआ कि एक पीठासीन अधिकारी मात्र दो दहाई वोटों में गड़बड़ करते हुए कैमरे पर पकड़ा गया। आश्चर्य इसलिए हुआ कि देश में ईवीएम की धांधली के नाम पर गड़बड़ होते हुए देखा गया है, लेकिन बैलेट वोट के नाम पर...छीः छीः छीः कभी नहीं देखा है। अरे साहब पीठासीन, सच कहें, आपने तो पूरे पीठासीन अधिकारियों की नाक कटवा दी। हमारे यहाँ ईवीएम पर हजारों वोट जिसे चाहो उसी को पड़ते हैं, फिर चाहे कोई भी बटन दबाओ। एक आप हैं कि बीस-तीस वोट भी संभाल नहीं पाए। हम पूछते हैं, किसने आपको पीठासीन अधिकारी की ट्रेनिंग दी? किसने बना दिया आपको पीठासीन अधिकारी? साहब आप पकड़ में क्या आ गए, आपने पूरी पार्टी को धांधलीखोर सिद्ध कर दिया। हमारी पार्टी ईमानदार नेताओं की पार्टी है। हम ईवीएम में लाख गड़बड़ कर लें मजाल कोई हमें पकड़ पाया हो। आप जैसे लोग ही पार्टी पर धांधलीखोरी और साम दाम दंड भेद का कलंक लगा रहे हैं। थू है आपकी पीठासीनगिरी पर। डूब मरिए चुल्लू भर पानी में। धिक्कार है आपको कि इस पार्टी में रहकर भी आपको धांधली करने का तरीका नहीं आया। आप तो विदेश चले जाइए साहब, आप इस देश में रहने के काबिल नहीं हैं। अरे साहब, आपको धांधली करना नहीं आता तो ईवीएम में हेरफेर करने वाले पहुँचे हुए नेताओं से पूछ लेते, किसी कट्टर जिताऊ नेता से पूछ लेते। हम कहते हैं आप कब सीखोगे? इस पार्टी में इतने वरिष्ठ नेता हैं, उनके अनुभवों का लाभ कब उठायेंगे? किसने कहा था आपको कि दस-बीस वोटों का हेर फेर करें? विपक्षी के पूरे के पूरे वोट खारिज कर दे तो कौन आपको पूछने वाला था। देश में अधिकार भी आपका, नेता भी आपके, सिपाही भी आपके, ऊपर से लेकर नीचे तक, आगे से लेकर पीछे तक सब अपने ही तो थे। फिर कैसे पकड़ में आते? वोट पर तो निशान होता है, मंसूबे पर थोड़ी न होता है निशान। कोर्ट-कचहरी वाले पूछते तो कह देते ज्यादा नखरे न दिखाओ भैया सत्ता में बैठे बड़भैया सब हमारे ही लोग हैं। ज्यादा चीं चपड़ करोगे तो नप जाओगे। कोर्ट में बैठे जज से कह देते क्यों तुम्हें राज्यसभा सदस्य नहीं बनना है? या नहीं तो धमका देते कि जाँच-एजेंसियाँ भिजाऊँ तुम्हारे पास। कुछ भी कहिए साहब पीठासीन अधिकारी भी आप बड़े कच्चे हो। आप पीठासीन न हुए पीठाशनि हो गए।

सुनिए साहब पीठासीन जी, आप चंद वोटों के हेर-फेर में क्या पकड़े गए, हम इधर तकलीफ में पड़ गए हैं। अपने चंद बैलेट वोटों की हेर फेर के लिए किसी पीठासीन अधिकारी के पास जाते हैं तो पीठासीन अधिकारी कहता है, मेरे पास मैनुअल वोटिंग कराने का अनुभव नहीं है। हम पार्टी ऑफिस से अपना ईवीएम ला देते हैं तो वह कहता है, यह बैलेट बक्सा नहीं है। वो भी ला देते हैं तो कहता है, यहाँ कैमरे लगे हैं। वो भी हटा देते हैं तो कहता है – हमको अकल नहीं है। हम कहते हैं – पीठासीन साहब, बदनाम हुए तो बदनाम हुए लेकिन हमे किसी भी कीमत पर जिता दो। वे कहते हैं देखिए, आज से हम बैलेट बक्सा के नाम से डरने लगे हैं। हमारा एक भाई पकड़ में आ गया है। कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने वाला है। उसके बीवी-बच्चे बदनाम होने लगे हैं। उसे पकड़कर विपक्ष की दो कौड़ी वाली यूट्युबिया मीडिया ने पूरे पीठासीन अधिकारियों का अपमान किया है।

अब कहां-कहां बुलडोजर चलाएंगे सरकार ..!

हरदा में अवैध तरीके से चल रही पटाखा फैक्ट्री में लगी आग से हुई तबाही में यह प्रश्न गौण हो गया है कि कितने लोग असमय मौत का शिकार हुए? हरदा ही नहीं, देश के लोगों को यह पूछने का हक है कि सालों से यह फैक्ट्री वो भी बीच रहवासी क्षेत्र में चल कैसे रही थी? जांच समिति बना ही दी है, जब किसी मामले में सरकार ऐसी समिति गठन में तत्परता दिखाए तो आमजन याद करने लगता है कि जनहानि वाले मामलों को लेकर पहले जो जांच समितियां गठित की गईं, उनकी फाइलों ने फैसले उगले भी या नहीं! गुना बस हादसे में कलेक्टर, एसपी पर गाज गिरी थी। आज मुख्यमंत्री हरदा जा ही रहे हैं... ऐसा ही कुछ निर्णय लेकर अपनी सरकार पर लगे दाग धोने की तत्परता दिखा सकते हैं!

हरदा की आग में जिन निर्दोषों की बलि चढ़ गई, उनके परिवारों को न तो फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल और दिनेश की गिरफ्तारी से संतोष मिलेगा और न ही मुआवजे की राशि उनके आंसू पोंछ पाएगी। इसी फैक्ट्री में पहले भी हुए विस्फोट में दो लोगों की जान जा चुकी है। तत्कालीन (अब इंदौर) संभागायुक्त माल सिंह भायड़िया के आदेश का शत-प्रतिशत पालन हुआ होता तो फैक्ट्री बंद रहती, ऐसा नहीं हुआ तो दोषी प्रशासनिक अधिकारी भी हैं, क्योंकि राजनीतिक संरक्षण बिना इतनी ढील देना संभव ही नहीं!

मप्र में पटाखों, बारुद से विस्फोट की यह पहली घटना नहीं है। मुरैना, राऊ में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में हुई मौतें, पेटलावद में 7 दर्जन से अधिक निर्दोषों के चीथड़ों की पोटलियों वाले लोमहर्षक दृश्य और जांच समिति की घोषणा लोग भूले नहीं हैं। इससे पहले बालाघाट में 29 और दमोह 7 लोगों की मौत भी ऐसे ही विस्फोट में हो चुकी है। इन सारे विस्फोट के बाद अब यदि लोगों को यह लगने लगे कि 18 वर्ष के बाद बस सीएम बदले हैं... लापरवाही का ढर्रा वैसा ही चल रहा है तो ताज्जुब नहीं होना चाहिए!

अब जो होगा, वह भी लोगों को पता है... गुना बस हादसे के बाद जिस तरह बसों की चैकिंग का अभियान चला था, वैसे ही इंदौर, भोपाल, दमोह, बालाघाट, हरदा आदि शहरों में पटाखा निर्माताओं, दुकानदारों के खिलाफ 'सख्ती पखवाड़ा' चलाकर लापरवाही की आग पर फोम डाल दिया जाएगा। कलेक्टर, एसपी और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई तो होनी ही चाहिए, लेकिन दंडित किए जाने से पहले इन अधिकारियों से बंद कमरे में ही सही... सरकार पुचकार के यह भी तो पूछ ले कि हरदा के पूर्व विधायक कमल पटेल हों या बैतूल के सांसद दुर्गादास उईके... इन जनप्रतिनिधियों या इनके पट्ठों ने वर्षों से संचालित हो रही अवैध पटाखा फैक्ट्री के सरगनाओं को संरक्षण क्यों दे रखा था?

ढाई एकड़ में फैली फैक्ट्री के अलावा आसपास के पचास घरों में कुटीर उद्योग के रूप में हो रहे पटाखों के निर्माण से जिला प्रशासन क्यों मुंह फेरे रहा? पटाखा फैक्ट्री मालिकों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने की सख्ती तो सरकार दिखाएगी ही, लेकिन इन्हें संरक्षण पूर्व सीएम के प्रिय जनप्रतिनिधियों के साथ ही इस सरकार में ठसक दिखाने वाले हरदा-बैतूल के जनप्रतिनिधियों से भी मिलता रहा है। सख्त फैसले लेकर खुद को पिछली सरकार से बेहतर दिखाने की कोशिश में लगे डॉ. मोहन यादव को पटाखा फैक्ट्री के संचालकों को संरक्षण देने वाले नेताओं-अधिकारियों के घरों पर भी बुलडोजर चलाने का साहस दिखाना चाहिए।

हरदा पटाखा फैक्ट्री को 2022 में कलेक्टर ऋषि गर्ग ने सील करने के आदेश जारी किए थे। सरकार को तत्कालीन संभागायुक्त मालसिंह भायड़िया से भी पूछना चाहिए कि ऐसी क्या मजबूरी रही कि इस आदेश के विरुद्ध स्टे क्यों दिया? विस्फोट पीड़ित लोगों के आंसू बयां कर रहे हैं कि शिकायत करते रहने के बाद भी अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की! ऐसी क्या मजबूरी थी कि ट्रकों से बारुद आता रहा और पुलिस प्रशासन मुस्तैदी दिखाने की अपेक्षा मैत्री-भाव दर्शाता रहा और जिला प्रशासन की आंखों पर भी पोलिटिकल प्रेशर की पट्टी बंधी रही। हरदा हादसे का कारण बने प्रशासनिक अधिकारियों पर भी सरकार ऐसी कार्रवाई करे कि बाकी जिलों के अधिकारियों को भी समझ आ जाए कि बदले हुए निजाम में अब ढील-पोल नहीं चलेगी।

मौनी अमावस्या कल

इस पर्व पर मौन रहने की परंपरा, तीर्थ स्नान और दान करने से मिलता है कई यज्ञ करने जितना पुण्य

9 फरवरी को माघ महीने की अमावस्या रहेगी। इस दिन शुभ वार होने से इसका फल और बढ़ गया है। ग्रंथों में बताया गया है कि शुक्रवार को पड़ने वाली अमावस्या शुभ फल देती है। इस तिथि पर पितरों के लिए श्राद्ध किया जाता है। स्नान-दान के बाद दिनभर व्रत रखने से ग्रह दोष भी खत्म होते हैं। इस दिन पूजा-पाठ करने के बाद ब्राह्मण भोजन करवाने से व्रत का पूरा पुण्य मिलता है।

माघ महीने की अमावस्या पर अष्ट महादान

माघ महीने की अमावस्या पर तिल, लोहा, सोना, कपास, नमक, सात तरह के धान, भूमि और गाय का दान करने का महत्व बताया गया है। इन आठ चीजों का दान करना ही अष्ट महादान होता है।

इस तरह का महादान हर तरह के पाप खत्म करने वाला और पुण्य बढ़ाने वाला होता है। इन आठ के दान से कई यज्ञ करने

जितना पुण्य मिल जाता है।

माघ महीने की अमावस्या होती है खास

माघ अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है। इस अमावस्या को लेकर मान्यता है कि इस दिन मनु ऋषि का जन्म हुआ था और मनु शब्द से ही इस अमावस्या को मौनी अमावस्या कहा जाता है।

मनु ऋषि को ब्रह्मा का मानस पुत्र माना जाता है। वहीं माघ मास की अमावस्या का धार्मिक महत्व भी है। इस दिन अपने पूर्वजों की पूजा करने और गरीबों को दान पुण्य करने से पापों का नाश होता है। बहुत से श्रद्धालु इस दिन पवित्र जल में स्नान करके व्रत भी रखते है।

शुक्रवार की अमावस्या का महत्त्व

किसी भी महीने की अमावस्या अगर शुक्रवार को पड़ती है तो ज्योतिष ग्रंथों के मुताबिक वो शुभ फल देने वाली होती है। ऐसे संयोग में किए गए स्नान-दान और पूजा-पाठ का पुण्य फल और भी बढ़ जाता है। शुक्रवार को अमावस्या का संयोग कम ही बनता है, लेकिन इस साल माघ महीने की अमावस्या पर ये शुभ योग बन रहा है। इस दिन गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियों, मथुरा और बाकी तीर्थों में नहाने, गौदान, अन्नदान, ब्राह्मण भोजन, कपड़े और सोने का दान करने का विशेष महत्त्व बताया गया है। धर्म ग्रंथों में बताया गया है कि इस दिन स्नान-दान और ब्राह्मण भोजन करवाने से पितर संतुष्ट हो जाते हैं।

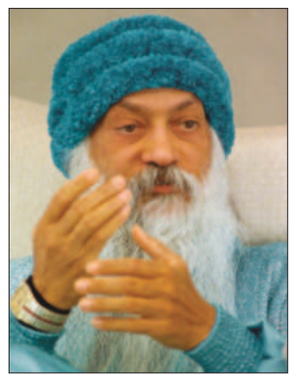

कभी पीछे यह संदेह उठा मन में कि वह स्त्री है या पुरुष? नहीं, यह बात आप कभी भी नहीं भूल सके होंगे। क्यों लेकिन? जब सारी बातें भूल जाती हैं तो यह क्यों नहीं भूलता?हमारे भीतर मन में कहीं सेक्स बहुत अतिशय होकर बैठा है। वह चौबीस घंटे उबल रहा है। इसलिए सब बात भूल जाती है, लेकिन यह बात नहीं भूलती। हम सतत सचेष्ट हैं। यह पृथ्वी तब तक स्वस्थ नहीं हो सकेगी, जब तक आदमी और स्त्रियों के बीच यह दीवार और यह फासला खड़ा हुआ है। यह पृथ्वी तब तक कभी भी शांत नहीं हो सकेगी, जब तक भीतर उबलती हुई आग है और उसके ऊपर हम जबरदस्ती बैठे

वह स्त्री है या पुरुष?

हुए हैं। उस आग को रोज दबाना पड़ता है। उस आग को प्रतिक्षण दबाए रखना पड़ता है। वह आग हमको भी जला डालती है, सारा जीवन राख कर देती है। लेकिन फिर भी हम विचार करने को राजी नहीं होते–यह आग क्या थी?

और मैं आपसे कहता हूं, अगर हम इस आग को समझ लें तो यह आग दुश्मन नहीं है, दोस्त है। अगर हम इस आग को समझ लें तो यह हमें जलाएगी नहीं, हमारे घर को गरम भी कर सकती है सर्दियों में, और हमारी रोटियां भी पका सकती है, और हमारी जिंदगी के लिए सहयोगी और मित्र भी हो सकती है। लाखों साल तक आकाश में बिजली चमकती थी। कभी किसी के ऊपर गिरती थी और जान ले लेती थी। कभी किसी ने सोचा भी न था कि एक दिन घर में पंखा चलाएगी यह बिजली। कभी यह रोशनी करेगी अंधेरे में, यह किसी ने सोचा नहीं था। आज? आज वही बिजली हमारी साथी हो गई है। क्यों? बिजली की तरफ हम आंख मूंद कर खड़े हो जाते तो हम कभी बिजली के राज को न समझ पाते और न कभी उसका उपयोग कर पाते। वह हमारी दुश्मन ही बनी रहती। लेकिन नहीं, आदमी ने बिजली के प्रति दोस्ताना भाव बरता। उसने बिजली को समझने की कोशिश की, उसने प्रयास किए जानने के। और धीरे-धीरे बिजली उसकी साथी हो गई। आज बिना बिजली के क्षण भर जमीन पर रहना मुश्किल मालूम होगा। मनुष्य के भीतर बिजली से भी बड़ी ताकत है सेक्स की। मनुष्य के भीतर अणु की शक्ति से भी बड़ी शक्ति है सेक्स की। कभी आपने सोचा लेकिन, यह शक्ति क्या है और कैसे हम इसे रूपांतरित करें? एक छोटे से अणु में इतनी शक्ति है कि हिरोशिमा का पूरा का पूरा एक लाख का नगर भस्म हो सकता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि मनुष्य के काम की ऊर्जा का एक अणु एक नये व्यक्ति को जन्म देता है? **(क्रमशः)**

दिवाली पर नहीं कर पाए तो इन खास दिनों में भी कर सकते हैं श्रीयंत्र की स्थापना

हर व्यक्ति चाहता है उसके पास कभी धन-दौलत की कमी न हो, इसलिए लोग मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने में लगे रहते हैं। कहते हैं लक्ष्मी मां कभी एक स्थान पर नहीं टिकतीं, लेकिन अगर किसी के घर श्रीयंत्र है तो लक्ष्मी की कृपा हमेशा उस घर में बनी रहती है।

पंडित जी ने बताया कि श्रीयंत्र को सभी यंत्रों में सबसे शक्तिशाली यंत्र कहा जाता है। इस यंत्र को अपने घर में स्थापित करने से आर्थिक परेशानियों से छुटकारा पाया जा सकता है। श्रीयंत्र को मां लक्ष्मी का यंत्र माना जाता है। अगर किसी व्यक्ति को धन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो उसे घर में श्रीयंत्र स्थापित करना चाहिए।

शुभ मुहूर्त और सही दिशा में करें स्थापित

श्रीयंत्र को घर में स्थापित करने से पहले किसी अच्छे ज्योतिषी या विद्वान से श्रीयंत्र को स्थापित करने का शुभ मुहूर्त और दिशा जान लेनी

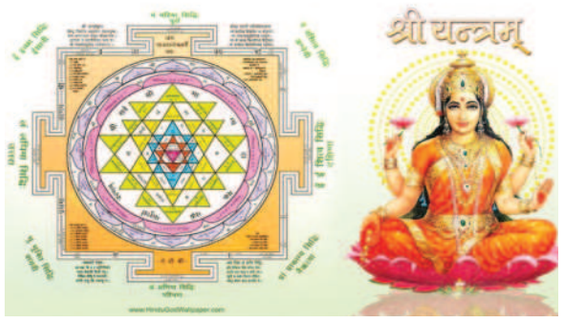

चाहिए। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार, शुभ मुहूर्त में किए गए कार्य शुभ फल प्रदान करने वाले होते हैं, इसलिए कोई भी शुभ काम करने से पहले शुभ मुहूर्त और दिशाओं का ज्ञान होना बहुत जरूरी है।

श्री यंत्र माता लक्ष्मी का ही अंश

हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसा माना गया है कि श्रीयंत्र माता लक्ष्मी का ही एक अंश है, इसलिए इसमें महालक्ष्मी का वास होता है। ऐसा भी माना जाता है कि श्रीयंत्र जिस जगह पर भी होता है, वहां का वातावरण शुद्ध और पवित्र हो जाता है। ऐसा होने से माता लक्ष्मी के आगमन में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न नहीं हो पाता, इसलिए घरों में श्रीयंत्र की स्थापना करना लाभदायक माना जाता है।

श्रीयंत्र रखने के फायदे

हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि जिस घर में श्रीयंत्र की स्थापना होती है और उसके नियम अनुसार पूजा पाठ की जाती है, उस घर में अष्ट लक्ष्मी का वास होता है। श्रीयंत्र की स्थापना से कारोबार में सफलता, समृद्धि, आर्थिक मजबूती और पारिवारिक सुख प्राप्त होते हैं।

कैसे करें स्थापना

पारद श्रीयंत्र को स्थापित करने का सबसे शुभ दिन दीपावली होता है। इसके अलावा इसे होली, नवरात्रि, शिवरात्रि, ग्रहण काल में भी स्थापित किया जा सकता है। ये दिन दूर हों तो किसी भी शुक्ल पक्ष के शुक्रवार के दिन स्थापित किया जा सकता है।

राशि के अनुसार चुनें अपना लाइफ पार्टनर

अगर राशि के विपरीत प्यार और विवाह हो जाए तो जीवन बर्बाद हो सकता है। वहीं वेलेंटाइन वीक की शुरुआत हो चुकी है। राशि के अनुसार अपना पार्टनर बनाते हैं तो आप लोग परफेक्ट पार्टनर बन सकते हैं। तो आइये ज्योतिषाचार्य से जानते हैं कि राशि के हिसाब से कौन सा पार्टनर किस राशि के लिए बढ़िया है?

राशि के हिसाब से कौन सा पार्टनर किस राशि के लिए बढ़िया

मेष राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर कुंभ राशि वाले होते हैं।
वृषभ राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर कन्या राशि वाले होते हैं।
मिथुन राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर तुला राशि वाले होते हैं।
कर्क राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर मीन राशि वाले होते हैं।
सिंह राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर धनु राशि वाले होते हैं।
कन्या राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर मेष राशि वाले होते हैं।
तुला राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर मिथुन राशि वाले होते हैं।
वृश्चिक राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर सिंह राशि वाले होते हैं।
धनु राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर सिंह राशि वाले होते हैं।
मकर राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर वृषभ और कर्क होते हैं।
कुंभ राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर मेष होते है।
मीन राशि वालों के लिए अच्छे पार्टनर कर्क होते हैं।

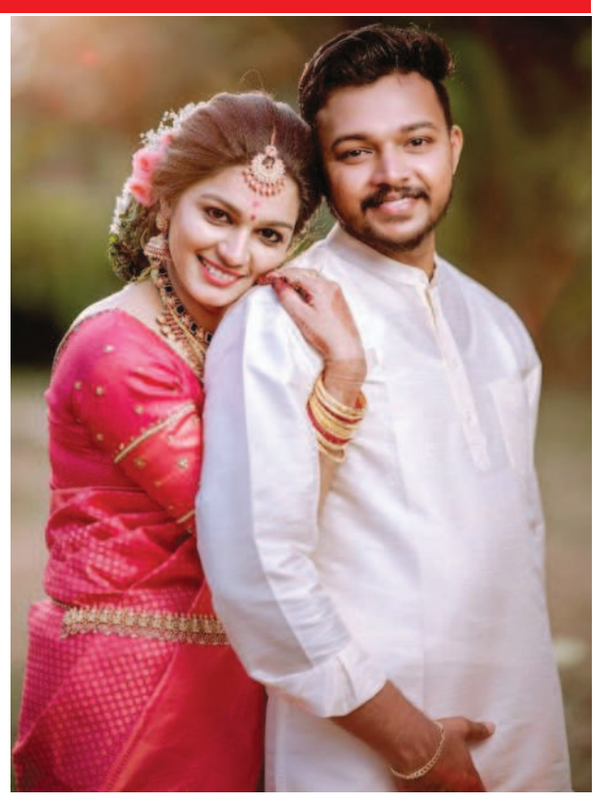

दो देशों का राष्ट्रगान लिखने वाले प्रतिभाशाली रबींद्रनाथ टैगोर

देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता एवं एकमात्र कवि, जिनकी दो रचनाओं को दो देशों का राष्ट्रगान- भारत का 'जन गण मन' और बंगलादेश का 'आमार सोनार बांगला' बनने का सौभाग्य मिला, वह थे रबीन्द्रनाथ टैगोर। 'गुरुदेव के नाम से प्रसिद्ध इस महानुभाव ने अपनी साहित्य कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति और सभ्यता को पश्चिमी देशों में फैलाया। 7 मई, 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में पिता देवेंद्रनाथ टैगोर और माता शारदा देवी की 13वीं संतान रूप में जन्मे रबींद्रनाथ टैगोर ने 1 हजार कविताएं, 8 उपन्यास, 8 कहानी संग्रह और विभिन्न विषयों पर अनेक लेख लिखे। इतना ही नहीं, वह संगीत प्रेमी भी थे और इन्होंने अपने जीवन में 2000 से अधिक गीतों की रचना की। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई निबंध, लघु कथाएं, यात्रावृतांत, नाटक भी लिखे।

टैगोर ने इतिहास, भाषाविज्ञान और आध्यात्मिकता से जुड़ी पुस्तकें भी लिखीं। अल्बर्ट आइंस्टीन के साथ उनकी संक्षिप्त बातचीत को 'वास्तविकता की प्रकृति' के नाम से जाना जाता है। उनकी कुछ सबसे प्रसिद्ध कहानियां हैं 'काबुलीवाला', 'खुदिता पासन', 'हेमंती' आदि।

रबींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल विभाजन के बाद बंगाल की जनता को एकजुट करने के लिए 'बांग्लार माटी बांग्लार जोल' गीत लिखा था। इसके अतिरिक्त उन्होंने जातिवाद के खिलाफ 'राखी उत्सव' प्रारंभ किया। उनसे प्रेरित होकर हिंदू और मुस्लिम समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे की कलाई पर रंग-बिरंगे धागे बांधे।

1910 में बंगाली भाषा में सर्वश्रेष्ठ और सर्वप्रसिद्ध गीत संग्रह 'गीतांजलि' प्रकाशित हुआ। इसमें प्रकृति, आध्यात्मिकता और जटिल मानवीय भावनाओं पर आधारित 157 गीत शामिल थे। जीवन के 51 वर्षों तक उनकी सारी उपलब्धियां और सफलताएं केवल कोलकाता और उसके आसपास के क्षेत्र तक ही सीमित रहीं।

फिर सितम्बर 1912 में 'गीतांजलि' के अंग्रेजी अनुवाद की सीमित प्रतियां इंडिया सोसायटी के सहयोग से प्रकाशित की गईं। लंदन के साहित्यिक गलियारों में इसकी खूब सराहना हुई। जल्द ही 'गीतांजलि' के माधुर्य ने संपूर्ण विश्व को सम्मोहित कर लिया जिसके लिए 1913 में इन्हें साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला। इससे वह विश्वभर में मशहूर हो गए। इन्हें जॉर्ज पंचम ने 'नाइटहुड' की पदवी से सम्मानित किया जिसे 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में इन्होंने लौटा दिया था।

इन्होंने ही शांतिनिकेतन आश्रम की स्थापना की थी। जीवन के अंतिम 4 वर्ष बीमारी से पीड़ित रहने के बाद 7 अगस्त, 1941 को कोलकात्ता में जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में इनका निधन हो गया।

वैलेंटाइन वीक पर लाल गुलाब से करें ये उपाय

अगर आप किसी से बेपनाह मोहब्बत करते हैं और आप अपनी मोहब्बत का इजहार करना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। दरअसल 7 फरवरी से वैलेंटाइन वीक शुरू हो गया है और इस दौरान प्रेमी और प्रेमिका अपने प्यार का इजहार करते हैं। वैलेंटाइन वीक के पहले दिन रोज डे मनाया जाता है। जिसमें प्रेमी और प्रेमिका एक दूसरे को लाल गुलाब देते हैं। आज हम आपको लाल गुलाब से जुड़े कुछ ऐसे उपाय बताएंगे जिसको करने के बाद अगर आपके लव मैरिज में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

शास्त्रों के अनुसार शाम को गुलाब के फूल पर कपूर रखकर जलाना चाहिए और इस कपूर को मां दुर्गा के सामने अपनी मनोकामना मांगते हुए प्रार्थना करनी चाहिए। ऐसा करने से मनपसंद जीवनसाथी पाने में अगर कोई बाधा है तो वह समाप्त होगी। पंडित कल्कि राम

बताते हैं कि भगवान भोलेनाथ काफी दयालु हैं। ऐसे में लाल गुलाब के साथ अपनी प्रार्थना लेकर सीधे महादेव के चरणों में नतमस्तक हो जाएं।आपको प्यार का साथ जरूर मिलेगा। यह उपाय हालांकि सोमवार और प्रदोष व्रत के दिन करना होगा। शिवलिंग पर लाल गुलाब अर्पित करने विवाह में आ रही सभी दिक्कतें दूर हो जाती हैं।

शिवलिंग पर गुलाब का फूल करें अर्पित पंडित कल्कि राम बताते हैं कि अगर आप लव मैरिज करना चाहते हैं और कई तरह की रुकावटें आ रही है तो इसको दूर करने के लिए जातक शिवलिंग पर गुलाब का फूल अर्पित करें और फिर इसे सदा अपने साथ रखें। इस उपाय जल्द ही सच्चा प्यार मिलने के आसार बढ़ जाते हैं।मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन पवन पुत्र बजरंगबली को 11 गुलाब का फूल अर्पित कर और अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

वास्तु के अनुसार इस दिशा में रखें फ्रिज

वास्तु के अनुसार घर की सभी चीजें सही ढंग से रखी जाएं तो पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है। जिससे वातावरण को शांत रखने में मदद मिलती है। किचन के वास्तु में फ्रिज का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है और इसको रखने के लिए सही जगह का चुनाव और भी महत्वपूर्ण है। तो आइए जानते हैं कि किस दिशा में फ्रिज रखने से घर को वास्तु दोष से मुक्त किया जा सकता है।

दीवार से हटाकर रखें फ्रिजः वास्तु के अनुसार रेफ्रिजरेटर को कभी भी ईशान कोण की ओर मुंह करके नहीं रखना चाहिए। फ्रिज किचन के आग्नेय, पश्चिम या उत्तर दिशा में होना चाहिए। नैऋत्य कोण से बचना चाहिए क्योंकि इससे परेशानी हो सकती है। फ्रिज की सेटिंग करते समय ध्यान रखें कि फ्रिज दीवार से थोड़ा दूर होना चाहिए। अगर दीवार और फ्रिज एक साथ रखे होंगे तो घर के सदस्य बीमारियों से घिरे रह सकते हैं।

फ्रिज पर न पड़े धूपः कई बार घर में जगह न होने की वजह से कुछ लोग फ्रिज को ऐसी जगह रख देते हैं, जहां धूप पड़ती हो लेकिन वास्तु के अनुसार इस जगह को शुभ नहीं माना गया है। अगर फ्रिज रसोई घर के अंदर है तो उसे माइक्रोवेव से दूर रखना चाहिए। माइक्रोवेव से निकलने वाली हीट हानिकारक होती है।

किसी दरवाजे के सामने न रखें फ्रिजः कभी भी फ्रिज को किसी दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से आने वाली सकारात्मक ऊर्जा में रुकावट पैदा होती है। अगर आपके पास पर्याप्त जगह है तो आपको अपने फ्रिज को किचन में रखना चाहिए। रसोई फ्रिज के धात्विक निर्माण से जुड़ी ऊर्जा को सीमित करता है।

फ्रिज को हमेशा रखें साफः गंदगी हमेशा नकारात्मक ऊर्जा को अपने पास बुलाती है इसीलिए फ्रिज को रोज साफ़ करना चाहिए। फ्रिज को अंदर और बाहर दोनों तरफ से एकदम साफ और स्वच्छ रखना चाहिए। बहुत दिनों से रखा हुआ बासी भोजन भी तुरंत फ्रिज से निकाल देना चाहिए। ये बैक्टीरिया को बढ़ावा देने के साथ वास्तु के हिसाब से भी गलत माना गया है।

कान्हा की नगरी में इमली को दिया था राधा ने श्राप

आज भी नहीं पकते इसके फल

मथुरा वृंदावन में हर साल लाखों भक्त भगवान कृष्ण के भव्य मंदिरों के दर्शन के लिए आते हैं। वो उन जगहों पर भी जाते हैं जहां भगवान कृष्ण ने राधा के साथ कोई ना कोई लीला की हो। यहां आज भी कई ऐसे स्थल और मंदिर हैं, जहां कान्हा की लीलाओं के साक्षात प्रमाण मौजूद हैं। ऐसा ही एक स्थान है इमली ताला मंदिर।

इमली ने बिगाड़ राधा रानी का श्रृंगार

इमली ताला मंदिर वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर जुगल घाट के पास स्थित है। मंदिर सेवायत गोपाल कृष्ण दास इस मंदिर के बारे में कहानी सुनाते हैं। वो कहते हैं यह स्थान 5500 साल से भी ज्यादा पुराना है। मंदिर के अंदर एक इमली का पेड़ है। इससे कई मान्यताएं जुड़ी हैं। कहते हैं द्वापर युग में यह पेड़ इमली से भरा रहता था। एक बार राधारानी यमुना स्नान और श्रृंगार करने के बाद सेवाकुंज की तरफ इस पेड़ के नीचे से जा रही थीं। पेड़ से गिरी एक पकी इमली पर उनका पैर पड़ा और वो फिसल कर गिर पड़ीं। इससे उनका श्रृंगार खराब हो गया।

पेड़ को दिया श्राप

इस वजह से राधा रानी इतने गुस्से से भर गयीं कि उन्होंने इमली के पेड़ को श्राप दे दिया। श्राप ये था कि आज के बाद ब्रज क्षेत्र में इमली के किसी भी पेड़ पर कोई इमली नहीं पकेगी। बस तब से लेकर आज तक ब्रज चौरासी क्षेत्र में किसी भी पेड़ पर इमली नहीं पकती।

शाहिद की फिल्म सेंसर बोर्ड के निशाने पर, 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के सीन पर चली कैंची

शाहिद कपूर और कृति सेनन अपनी आने फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। आज से इस फिल्म की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। ऐसे में शाहिद की इस फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जो उनके फैंस को निराश कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के दृश्यों पर सेंसर बोर्ड की कैंची चली है।

रोमांटिक दृश्य पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' एक रोमांटिक प्रेम कहानी है। इस फिल्म को लेकर जितने उत्साहित शाहिद और कृति हैं, उतने ही उत्साहित दोनों के फैंस भी हैं। दर्शक पर्दे पर अपने इन दोनों चहेते सितारों को एक साथ रोमांस करते देखने के लिए बेकरार हैं। अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सेंसर बोर्ड ने फिल्म के एक रोमांटिक दृश्य को हटा दिया है। फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' से लगभग दस सेकंड के दृश्य पर सेंसर ने अपनी कैंची चलाई है।

शाहिद और सेंसर बोर्ड का पुराना रिश्ता

बॉलीवुड में शाहिद कपूर अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। चाहे शाहिद की फिल्म 'कबीर सिंह' हो या 'उड़ता पंजाब' उनकी फिल्मों से कोई न कोई विवाद जरूर जुड़ता ही रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'उड़ता पंजाब' के 40 दृश्यों को सेंसर बोर्ड ने फिल्म से हटा दिया था। वहीं, उनकी फिल्म 'पद्मावत' के भी कई दृश्यों को लेकर सेंसर बोर्ड ने अपनी आपत्ति जाहिर की थी।

'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' की रिलीज वेलेंटाइन सप्ताह में

शाहिद कपूर और कृति सेनन की रोमांटिक फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में कृति एक रोबोट की भूमिका में नजर आएंगी वहीं, शाहिद साइंटिस्ट के किरदार में दिखाई देंगे। इंसान और रोबोट के खूबसूरत रिश्ते वाली इस फिल्म का निर्देशन अमित जोशी और आराधना साह ने किया है। शाहिद कपूर की यह फिल्म वेलेंटाइन सप्ताह में यानि नौ फरवरी को रिलीज होगी।

आ गया यशराज फिल्म्स का नया सितारा

मोहित सूरी को मिली लॉन्चिंग की जिम्मेदारी

अपनी बेहतरीन प्रेम कहानियों के लिए पहचाने गए निर्देशक मोहित सूरी की यशराज फिल्म्स में एंट्री हो गई है। निर्माता आदित्य चोपड़ा ने मोहित को अपनी कंपनी की एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है और ये जिम्मेदारी है एक नए चेहरे अहान पांडे को एक रोमांटिक फिल्म में बड़े परदे पर लॉन्च करने की। अभिनेता चंकी पांडे के भतीजे अहान की पहली फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू होने की संभावना है।

बताते हैं कि अहान को लगभग पांच साल पहले वाईआरएफ टैलेंट के रूप में आदित्य चोपड़ा ने चुना। उन्होंने खुद ही अपनी देखरेख में अहान की पूरी तैयारी कराई। इस दौरान अहान के शरीर सौष्ठव, उनके उच्चारण, उनके बोलचाल के तरीके, उनके कैमरे के सामने खुद को प्रस्तुत करने की क्षमताओं के अलावा उन्हें एक अभिनेता के लिए जरूरी सारे प्रशिक्षण दिए गए हैं। अहान की लॉन्चिंग की चर्चा काफी समय से रही है और बुधवार को इस बात की जानकारी भी सामने आ गई कि अहान की डेब्यू फिल्म मोहित सूरी निर्देशित करने जा रहे हैं।

अहान को आदित्य चोपड़ा हिंदी सिनेमा का नया स्टार बनाने की योजना पर बीते पांच साल से काम करते रहे हैं। इस दौरान उनकी तस्वीरों तक को बाहर नहीं आने दिया गया ताकि अहान का सारा फोकस अपनी तैयारी पर रहे। सूत्रों की मानें तो अहान पांडे की लॉन्चिंग पिछले कुछ वर्षों में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में किसी युवा द्वारा की गई अब तक की सबसे बड़ी शुरुआत होने जा रही है।

सूत्र बताते हैं कि अहान पांडे की मोहित सूरी से मुलाकात बहुत अच्छी रही। बिना आदित्य चोपड़ा के आभामंडल में आए मोहित ने खुद अपने हिसाब से अहान का आकलन किया और तय पाया कि एक रोमांटिक कहानी के लिए वह सबसे उपयुक्त कलाकार हो सकते हैं। इसके बाद मोहित सूरी ने अहान की लंबे अरसे तक ट्रेनिंग भी की है। अब जबकि मोहित को लगता है कि अहान अपनी पहली फिल्म के लिए तैयार हैं, फिल्म के प्री प्रोडक्शन पर काम शुरू हो गया है। फिल्म में अहान की हीरोइन को यशराज फिल्म्स ने अभी सरप्राइज ही रखा है।

'आशिकी 2' और 'एक विलेन' जैसी सुपरहिट फिल्मों से अपना नाम एक ब्रांड में बदल चुके मोहित सूरी रोमांटिक शैली की फिल्मों के मास्टर माने जाते हैं। यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी इस फिल्म से बतौर निर्माता जुड़ेंगे। ये बतौर निर्माता उनकी पहली फिल्म होगी। जानकारी के मुताबिक फिल्म का नाम अभी तय नहीं हा है और यह फिल्म इस साल के अंत में फ्लोर पर जाएगी।

'बस बहुत हो गया', प्रियंका चोपड़ा से शादी करते वक्त इस बात से परेशान हो गए थे निक जोनस, सालों बाद हुआ पछतावा

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपने से 10 साल छोटे निक जोनस से शादी की थी। दोनों की शादी बॉलीवुड की सबसे महंगी शादियों में से एक थी। कपल ने हिंदू ही नहीं बल्कि ईसाई रीति-रिवाज से भी शादी की थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, इस जोड़े ने भारत में अपनी शादी में 3.5 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा की शादी को अब पूरे 6 साल हो चुके हैं।

दोनों की एक बेटी भी है जिसका नाम मालती है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बेटी के साथ फोटो शेयर करती रहती हैं। इसी बीच निक जोनस ने प्रियंका संग अपनी शादी को लेकर खुलकर बात की है। निक ने क्या कुछ कहा आइए आपको बताते हैं।

प्रियंका चोपड़ा से शादी के वक्त इस बात से परेशान हुए थे निक

दरअस हाल ही में जोनस ब्रदर्स यानी निक, जो और केविन का एक चैट शो से वीडियो सामने आया है। जिसमें उन्हें कुछ सवालों का जवाब देना है और उनके पास झूठ पकड़ने वाली मशीन है जिसमें पता चल जाएगा कि वे जवाब सही दे रहे हैं या नहीं। जिसमें पता चल जाएगा कि वह सच बोल रहे हैं या नहीं।

निक से पूछा गया कि इतने सारे शादी के फंक्शन के दौरान आपको कभी लगा था कि बस हो गया और अब नहीं। इस पर निक ने कहा हां। निक का जवाब सही होता है। इसके बाद निक इसके पीछे की वजह बताते हुए कहते हैं कि 'शादी तो पूरी कर ली थी लेकिन आज जब भी शादी के बिल को देखता हूं तो मुझे अफसोस होता है। निक का कहना है कि, शादी करने के लिए काफी ज्यादा पैसा खर्च कर दिया था जबकि इसकी खास जरूरत नहीं थी।'

रणबीर एक बार फिर निगेटिव किरदार में दिखेंगे : संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में निभाएंगे ग्रे रोल

संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल नजर आएंगे। खबरों की मानें तो फिल्म में रणबीर एक ग्रे यानी कि निगेटिव किरदार निभाते दिखेंगे।

फिल्म में लव ट्राएंगल दिखाई देगा

जब से संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' की अनाउंसमेंट हुई है, तब से फिल्म सुर्खियों में है। 'लव एंड वॉर' एक एक्शन लव स्टोरी होगी, जिसमें रणबीर कपूर टेढ़ा-मेढ़ा ग्रे किरदार निभाते दिखेंगे। फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया है कि फिल्म मेकर संजय लीला भंसाली के पास कुछ समय से इस तरह की फिल्म बनाने का विचार था। हालांकि उन्होंने आलिया और विक्की कौशल को फिल्म के लिए पहले से ही सोच लिया था। लेकिन सालों से वे उस चेहरे की तलाश में थे, जो अब रणबीर कपूर फिल्म में निभाते दिखाई देंगे। ये एक ऐसा रोल होगा जो फिल्म में कभी इधर तो कभी उधर, पेंडुलम की तरह डोलता नजर आएगा। 'लव एंड वॉर' एक लव ट्राएंगल होगी, जिसके बैकग्राउंड में वॉर का भी अहम योगदान होगा।

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' में रणबीर की परफॉर्मेंस संजय लीला भंसाली को बहुत अच्छी लगी। इसलिए फिल्म मेकर ने रणबीर कपूर को इस रोल के लिए कास्ट किया है। सूत्र बताते हैं कि ये भंसाली की फिल्मों में दिखाए गए अब तक का सबसे कॉम्प्लेक्स किरदार होगा। इस रोल के लिए एक ऐसे कलाकार की जरूरत थी, जो ना सिर्फ टैलेंटेड एक्टर हो, बल्कि एक सुपरस्टार भी हो। ये किरदार बहुत पावरफुल होगा।

संजय लीला भंसाली और रणबीर 17 सालों बाद एक बार फिर साथ काम करेंगे

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'सावरियां' से रणबीर कपूर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली थे। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास

कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन रणबीर कपूर की परफॉर्मेंस के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू' का अवॉर्ड दिया गया था। अब एक बार फिर संजय लीला भंसाली और रणबीर फिल्म 'लव एंड वॉर' में काम करते दिखाई देंगे।

'एनिमल' की सफलता के बाद रणबीर ने अपनी फीस डबल की

'एनिमल' की सफलता को देखते हुए रणबीर ने अपनी फीस 30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर सीधा 65 करोड़ रुपए कर ली। यहां तक कि रणबीर से जुड़े एक करीबी की मानें तो उनकी वाइफ आलिया और उनकी मां नीतू कपूर को भी नहीं पता कि 'एनिमल' के बाद रणबीर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए कितनी फीस ले रहे हैं।

वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस 'हनुमान' की गदा की कमाई पहुंची 300 करोड़ पार!

प्रशांत वर्मा निर्देशित और तेजा सज्जा अभिनीत फिल्म 'हनुमान' बॉक्स ऑफिस पर बवाल काट रही है। 12 जनवरी को रिलीज हुई ये कम बजट की फिल्म दर्शकों से भरपूर प्यार पा रही है। 'मेरी क्रिसमस', 'गुंटूर कारम' और 'फाइटर' जैसी फिल्मों के सामने इस फिल्म का जादू कम नहीं हुआ। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी इस फिल्म को खूब दर्शक मिल रहे हैं और यही वजह है कि फिल्म के खाते में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। वर्ल्डवाइड कमाई के मामले में 'हनुमान' 300 करोड़ क्लब में शामिल हो गई है। इस बात की जानकारी खुद तेजा सज्जा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर साझा कर बताया कि महज 25 दिनों के अंदर 'हनुमान' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 300 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने खास

कैप्शन लिखते हुए दर्शकों का आभार जताया है। तेजा सज्जा ने लिखा है, 'हम 300 करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं, लेकिन मैं आप सभी 3000 लोगों को प्यार करता हूं। आप सभी की बदौलत ये सपना सच हो सका है।' तेजा सज्जा के इस पोस्ट पर यूजर्स की खुशी भी देखने वाली है। फिल्म की इस सफलता पर हर कोई अभिनेता को बधाई दे रहा है। घरेलू बॉक्स ऑफिस की बात करें तो आकंड़ों के मुताबिक अब तक ये फिल्म 191.43 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है।

'एनिमल' की सफलता के बाद 4 से 4.5 करोड़ रुपये फीस बढ़ाने की खबरों पर बोलीं रश्मिका

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' की दमदार सफलता का जश्न मना रही हैं। फिल्म में वे बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और बॉबी देओल के साथ नजर आई थीं। 'गीतांजलि' के रूप में रश्मिका के अभिनय को भी खूब सराहा गया था। हालांकि, हाल ही में ऐसी खबरें आईं कि 'एनिमल' की सफलता के बाद रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। अब इन खबरों पर रश्मिका ने चुप्पी तोड़ी है और फीस को लेकर सच्चाई का खुलासा किया।

अभिनेत्री को संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म में उनके प्रदर्शन के लिए दर्शकों और फिल्म समीक्षकों से मिश्रित समीक्षा मिली है। यह भी खबर आई थी कि रश्मिका ने अपनी फीस बढ़ा दी है और कहा गया था कि वे प्रति फिल्म चार से 4.5 करोड़ रुपये चार्ज क रें गी । हालांकि, आज मंगलवार, छह फरवरी को अभिनेत्री ने एक्स पर एक फिल्म पोर्टल की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि ये खबरें सच नहीं हैं।

इन अफवाहों पर पलटवार करते हुए रश्मिका ने लिखा, 'मुझे आश्चर्य है कि ये सब कौन कहता है। ये सब देखने के बाद मुझे लगता है कि मुझे वास्तव में इस पर विचार करना चाहिए और अगर मेरे निर्माता पूछते हैं कि क्यों तो मैं बस यही कहूंगी कि मीडिया ऐसा कह रहा है और मुझे लगता है कि मुझे उनकी बातों पर खरा उतरना चाहिए, मैं क्या करूं?'

इससे पहले रश्मिका ने 'एनिमल' में निभाए अपने गीतांजलि की भूमिका का समर्थन किया था। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने दर्शकों के प्यार के लिए उनका आभार व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा था कि फिल्म में मेरा किरदार इसी तरह से लिखा गया था। मैं निर्देशक की कल्पना को जीवंत करने वाली अभिनेत्री हूं। मैं उस किरदार को कई बार निभा सकती हूं।

वहीं बात करें रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वे साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की पैन इंडिया फिल्म 'पुष्पाः द रूल' के लिए 'श्रीवल्ली' की भूमिका फिर से निभाएंगी। इसके साथ ही रश्मिका 'रेनबो' और 'द गर्लफ्रेंड' नाम की तेलुगु फिल्मों की भी शूटिंग कर रही हैं। इसके अलावा वे विक्की कौशल के साथ हिंदी फिल्म 'छावा' में नजर आएंगी।

ईशा देओल पति भरत तख्तानी से अलग हुईं

शादी के 12 साल बाद लिया डिवोर्स, कपल ने जॉइन्ट स्टेटमेंट में अलग होने की बात कही

तलाक की अफवाहों के बीच ईशा देओल और भरत तख्तानी ने कंफर्म कर दिया है कि दोनों एक-दूसरे से अलग हो गए हैं। दिल्ली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने एक जॉइन्ट स्टेटमेंट जारी किया है। स्टेटमेंट में लिखा- हम दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। हालांकि अब हम साथ नहीं हैं, लेकिन हमारे लिए हमारे दोनों बच्चों का भविष्य सबसे अहम है और हमेशा रहेगा। उम्मीद करते हैं कि आप लोग हमारी प्राइवसी की रिस्पेक्ट करें।

ईशा देओल और भरत तख्तानी के अलग होने की खबरें पिछले कुछ समय से सुर्खियों में थीं। दरअसल ईशा देओल अक्सर अपने सोशल मीडिया पर पति के साथ फोटोज पोस्ट किया करती थीं। लेकिन पिछले कुछ समय से उन्होंने ऐसा करना बंद कर दिया था। ऐसे में लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया था कि शायद कपल के बीच सब ठीक नहीं है। यहां तक कि ज्यादातर पार्टीज और फंक्शंस में भी वे अपनी मां हेमा मालिनी के साथ नजर आने लगी थीं। हेमा मालिनी के जन्मदिन के अवसर पर जहां पूरा परिवार मौजूद था, वहीं भरत तख्तानी शामिल नहीं हुए थे।

ईशा देओल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी डेब्यू फिल्म 'कोई मेरे दिल से पूछे' की एक वीडियो क्लिप शेयर की थी। उन्होंने कैप्शन लिखा- कभी कभी आपको चीजों को बस छोड़ देना होता है और अपने दिल की धड़कन पर डांस करना होता है। ईशा ने आगे लिखा- मेरी पहली फिल्म का थ्रोबैक जब मैं 18 साल की थी। ये मेरी पहली फिल्म थी और इसलिए हमेशा खास रहेगी।

ईशा और भरत ने साल 2012 में शादी की

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने 29 जून 2012 को मुंबई में शादी की। दोनों मुंबई के जुहू में स्थित इस्कॉन मंदिर में शादी के बंधन में बंधे थे। ईशा और भरत बचपन के दोस्त थे। शुरुआत से ही भरत को ईशा पसंद थीं और उनको ईशा पर क्रश भी था। दोनों की ये दोस्ती वक्त के साथ प्यार में बदल गई और उन्होंने शादी करने का फैसला कर लिया था। ईशा ने शादी के पांच सालों बाद 2017 में बेटी राध्या को जन्म दिया। वहीं साल 2019 में ईशा ने अपनी दूसरी बेटी मिराया को जन्म दिया।

'बिग बॉस 17' ग्रैंड फिनाले के बाद मीडिया को इग्नोर करने पर अंकिता लोखंडे ने दी सफाई

अंकिता लोखंडे 'बिग बॉस 17' में टॉप 4 में जाकर बाहर हो गईं। टॉप 3 में मुनव्वर फारूकी, मन्नारा चोपड़ा और अभिषेक कुमार पहुंचे। जिस वक्त इस बात का ऐलान हुआ कि अंकिता एविक्ट हो गई हैं, उनका चेहरा काफी उतर गया था। इसके बाद जब फिनाले खत्म हुआ तो बाहर आते ही उन्हें मीडिया ने घेर लिया। लेकिन अंकिता कोई इंटरव्यू देने को तैयार नहीं थीं। उनका वीडियो वायरल हुआ, जिसमें अंकिता मीडिया को इग्नोर करते हुए अपनी गाड़ी में बैठ गईं। इसके लिए उन्हें खूब ट्रोल किया गया। आखिरकार अंकिता ने इसपर सफाई दी है। अंकिता ने बताया कि ऐसा नहीं है कि वो उदास थीं या शो न जीतने से दुखी थीं। वह बीमार महसूस कर रही थीं और बस अपने घर जाकर आराम करना चाहती थीं। इस बर्ताव के लिए माफी मांगते हुए अंकिता ने कहा कि वह अब भी ठीक नहीं हो पाई हैं, लेकिन इंटरव्यू दे रही हैं।

मन्नारा चोपड़ा संग विकी के बॉन्ड पर दिया ये बयान

अंकिता लोखंडे को शो में मन्नारा का उनके पति विकी से बात करना पसंद नहीं आता था। लेकिन शो से बाहर आते ही अंकिता का नजरिया एकदम बदल गया है। मन्नारा और विकी की दोस्ती पर अंकिता ने कहा,"बाहर आने के बाद मैं एपिसोड देख रही थी और मैंने देखा कि शुरुआत में मैं मन्नारा से बहुत कनेक्ट कर रही थी लेकिन धीरे-धीरे उसका ट्रैक बदल गया और उसे कुछ चीजें लगने लगीं।"

"मुझे उन सब से कोई दिक्कत नहीं थी,लेकिन बाद के कुछ एपिसोड में विकी और मेरे बीच बहुत सी चीजें चल रही थी और उनकी दोस्ती मुझे ट्रिगर कर रही थी। मन्नारा और मेरे कोई इश्यू नहीं थे लेकिन जब उससे दोस्त छोड़ गए तो वो विकी के पास आ गई, मुझे लगा कि अब वो क्यों? फिर चीजें बढ़ती गईं और मेरे दिमाग में घूमती रहीं। लेकिन जब मैंने एपिसोड देखे तो मुझे लगा कि ऐसा कुछ नहीं है।' मुझे अब कहीं न कहीं इसका पछतावा है।"

अंकिता लोखंडे को शो में बॉडी शेम किया गया और उनके बोलने के तरीके का भी मजाक उड़ाया गया है। इसपर अंकिता ने कहा,"जब हम बिग बॉस में जा रहे थे तो हमें पता था कि ऐसा कुछ होगा। हम इसके लिए तैयार थे कि अब जो भी होगा"

अंकिता ने आगे कहा,"वो बिग बॉस का घर है, आप किसी को रोक नहीं सकते न आप ये बोल सकते कि मेरे बारे में ये मत बोलो, क्योंकि वहां सब एक प्लेटफॉर्म पर हैं,तो आपकी अपनी सोच है जो लोग बोलते हैं और जो करते हैं।" अंकिता ने खुद के बारे में कहा,"ऐसा नहीं है कि मैंने नहीं बोला है लोगों को, मैंने भी बोला है लेकिन मैंने किसी को एज शेमिंग या कभी ऐसी चीजें नहीं बोली जो बहुत हर्ट कर जाएं। लेकिन उस घर में ये सब नॉर्मल है।"

दांतों के कारण भी हो सकता सिरदर्द

आंखे कमजोर होने के कारण अक्सर सिर में दर्द रहती है। इसके अलावा ज्यादा देर तक यदि मोबाइल स्क्रीन, लैपटॉप स्क्रीन पर आंखें टिकी रहे तो भी सिर में दर्द होने लगती है लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि दांतों में दर्द के कारण भी सिरदर्द हो सकती है। यदि नहीं तो आज आपको इस आर्टिकल के जरिए यही बताएंगे कि दांत का दर्द सिरदर्द के साथ कैसे जुड़ा हुआ है। आइए जानते हैं।

ये संकेत बताते हैं कि दांतों दर्द के कारण हो रही है सिरदर्द

जबड़े के आस-पास दर्द

दांत से जुड़ी समस्याओं के कारण आपको जबड़े के आस-पास भी दर्द हो सकता है। यह दर्द टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ के कारण हो सकता है जो जबड़े की हड्डी को खोपड़ी से जोड़ता है। इसमें आपको अपना मुंह खोलते या बंद करते समय, चबाते या बोलते समय सिरदर्द होता है तो यह दांत संबंधी सिरदर्द का संकेत हो सकता है।

दांत में दर्द

दांतों में सड़न, इंफेक्शन, फ्रैक्चर जैसी परेशानियों के कारण भी सिरदर्द हो सकती है। यदि आपको गर्म या ठंडी चीजें खाने-पीने के कारण सिरदर्द होता है तो इसका अर्थ है कि यह दर्द आपको आपको दांत से जुड़ी समस्या के कारण हो सकता है।

चेहरे में दर्द या दबाव

दांत संबंधी सिरदर्द भी चेहरे के दर्द या फिर दबाव का कारण होसकती है। अगर आपको गाल, आंखों के आस-पास किसी तरह की परेशानी हो सकती है। इस दर्द के कारण आपको दांतों में संवेदनशीलता,सूजन, मसूड़ों या साइनस कंजेशन के कारण हो सकता है।

दांत पीसते या जकड़ते हुए दर्द होना

दांत पीसते या जकड़ते हुए सिरदर्द भी इसी का संकेत है। यदि आप अपने दांतों को पीसते है या फिर जकड़ते हैं तो इससे जबड़े की मांसपेशियों को तनाव होता है जिससे सिरदर्द होने लगती है।इसके अलावा यदि आप तनाव में या फिर नींद के दौरान अपने दांतों को पीसते हैं तो भी आपको सिर में दर्द हो सकता है।

किसी डैंटल प्रक्रिया के कारण

यदि आपने हाल ही में कोई दांत संबंधी इलाज प्रक्रियाएं करवाई हैं जैसे दांतों की फिलिंग, दांत निकलवाना तो भी आपको सिरदर्द हो सकती है। ऐसे में इन लक्षणों को देखते हुए एक बार डेटिंस्ट को जरुर दिखाएं।

कैसे करें अपना बचाव?

ओरल हाईजीन का ध्यान रखें

अपने दांतों की सफाई का ध्यान रखें। दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें, नियमित रुप से डेंटिस्ट के पास जाए। ओरल हाईजीन का ध्यान रखकर आपक सिरदर्द को दूर कर सकते हैं।

दांतों में नाइटगार्ड पहनें

यदि आप अपने दांतों को पीसते हैं या जकड़ते हैं तो डेंटिस्ट से पूछकर ही नाइटगॉर्ज पहनें। इससे आपके दांत सुरक्षित रहेंगे, मांसपेशियों का तनाव कम होगा और ब्रुकिसज्म के कारण होने वाला सिरदर्द भी कम होगा।

तनाव दूर रखें

तनाव दूर रखने के लिए आप गहरी सांस, व्यायाम, ध्यान या आराम जैसी गतिविधियों कर सकते हैं। तनाव कम लेने से दांत पीसने और सिरदर्द को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

डेंटिस्ट्स से करें संपर्क

इन लक्षणों को देखने के बाद यदि आपको लग रहा है कि आपको दांतों में दर्द के कारण सिरदर्द हो रहा है तो डेंटिस्ट को दिखाएं। एक्सपट्र्स की सलाह पर ही इन लक्षणों पर गौर करके समस्या का समाधान निकाल सकते हैं।

प्यार का इजहार करते समय रखें इन बातों का ध्यान, भूल से भी न करें ये गलतियां

वैलेंटाइन सप्ताह आशिकों को अपने प्यार की तरफ दो कदम बढ़ाने का आत्मविश्वास देता है। अक्सर लोग जिसे प्रेम करते हैं, उससे अपने दिल की बात नहीं बता पाते और मन ही मन उन्हें चाहते रहते हैं। हालांकि वैलेंटाइन वीक का हर दिन आशिकों को मौका देता है कि वह अपने प्रिय के साथ यह दिन सेलिब्रेट करके उनसे इजहार ए इश्क कर सकें। वैलेंटाइन वीक के पहले दिन रोज डे होता है। जिसे आप पसंद करते हैं, उन्हें अपनी भावनाओं के अनुरूप लाल, गुलाबी, नारंगी या पीला गुलाब देकर बिना शब्दों के बताएं कि वह आप उनके बारे में क्या सोचते हैं। अगले दिन यानी 8 फरवरी को प्रपोज डे मनाया जाता है। इस दिन आप हिम्मत जुटा कर क्रश से कह दें कि आप उन्हें प्यार करते हैं।

आई लव यू कहना मुश्किल नहीं होता, लेकिन प्यार के इजहार का तरीका सही होना चाहिए। अगर आप इजहार ए मोहब्बत करना चाहते हैं तो 10 बातों का विशेष ध्यान रखें। प्यार का प्रस्ताव देते समय कुछ गलतियों से बचें, ताकि आपका प्रिय प्रेम प्रस्ताव से इम्प्रेस हो जाए और झट से हां बोल दे।

अगर आप किसी लड़की से प्यार का इजहार करने जा रहे हैं तो ध्यान रखें कि वह कितनी भी मॉर्डन क्यों न हो लेकिन दिल से हिंदुस्तानी ही हैं। बेहतर होगा कि प्यार के इजहार में जल्दबाजी न करें। धैर्य से काम करें और उनके दिल की बात पहले समझें, फिर प्रेम प्रस्ताव रखें।

प्रेम प्रस्ताव प्रभावशाली तब बनेगा जब आप अपनी ड्रीम गर्ल की पसंद-नापसंद के बारे में जानते हों, ताकि प्यार का इजहार करते समय कुछ ऐसा न कहें या करें जो उन्हें पसंद न आए।

किसी से प्यार का इजहार करने से पहले ये जान लें कि कहीं वह किसी अन्य के साथ रिलेशनशिप में तो नहीं या क्या जिसे आप पसंद करते हैं, वह किसी दूसरे को पसंद तो नहीं करते।

प्यार को सिर्फ शब्दों में जताकर नहीं दिखाया जा सकता है। आप उन्हें बेइंतहा मोहब्बत करते हैं, ये अपने व्यवहार और बातों से भी समझाएं। अगर आपके व्यवहार से उन्हें पता चल गया कि आप उन्हें प्यार करते हैं तो जब आप प्रपोज करेंगे तो वह झट से हां बोल सकती है।

जिसे पसंद करते हैं और प्रपोज करने वाले हैं, उन्हें यह महसूस कराएं कि आप उनके और उनकी फैमिली के बारे में जानने के इच्छुक हैं। अपने परिवार के बारे में भी साथी को बता सकते हैं ताकि वह समझ सकें कि आप उनके लिए गंभीर हैं।

पार्टनर को यह महसूस कराएं कि वह औरों से अलग हैं और आपके लिए इतने स्पेशल क्यों हैं।

अपने प्रिय के दोस्तों से दोस्ती बढ़ाएं और साथी के बारे में अधिक से अधिक जानने की कोशिश करें।

जब तक प्रिय से दिल की बात न कह दें तब तक अपनी फीलिंग्स को पब्लिक न करें।

अगर आप प्रिय को प्रपोज करने जा रहे हैं तो किसी तीसरे को शामिल न करें। इससे आपकी इमेज साथी के सामने खराब हो सकती है।

प्रेम प्रस्ताव देना आपकी जिंदगी का सबसे खास दिन हो सकता है, इसलिए अच्छे से ड्रेस अप हों और आत्मविश्वास बनाएं रखें।

प्रपोज करने के लिए कुछ क्रिएटिव और अलग करने की कोशिश करें। पार्टनर को महसूस कराएं कि जिस तरह के आप उनसे दिल ए इजहार कर रहे हैं, वह पहले कभी किसी ने नहीं किया, ताकि वह इंप्रेस हो सकें।

सॉफ्ट और स्पंजी ढोकला

ढोकला एक गुजराती डिश है लेकिन बाकी शहरों में भी लोग इसका स्वाद लेना खूब पसंद करते हैं। कई घरों में ढोकला बनाया जाता है लेकिन बहुत सी महिलाओं की यह शिकायत होती है कि घर में बाजार जैसा सॉफ्ट और स्पंजी ढोकला नहीं बनता। ऐसे में आज आपकी परेशानी दूर करते हुए आपको ऐसी रेसिपी बताते हैं जिससे आप घर में ही स्पंजी ढोकला बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की विधि के बारे में...

सामग्री

बेसन – 1 कप
सूजी – 2 चम्मच
नींबू का रस – 2 चम्मच
इनो पाउडर – 1 चम्मच
पिसी हुई हरी मिर्च – 2 (बारीक)
पिसी हुआ अदरक – 1 चम्मच
दही – 1/4 कप
तेल – 3 चम्मच
नमक - स्वादानुसार
करी पत्ते – 8-10
राई – 1/2 चम्मच
चीनी – 1 चम्मच
हरी मिर्च – 4 (लंबी कटी हुई)
हींग – 1 चुटकी

बनाने की विधि

1. सबसे पहले एक बर्तन में 2-3 कप पानी डालें और गर्म होने के लिए रख दें।
2. अब ढोकला बनाने वाले बर्तन को 5 मिनट के लिए गर्म करें। फिर इसके बाद छोटी थालियां लें।
3. अब 1 चम्मच तेल लगाकर थाली को थोड़ा सा चिकना कर लें।
4. एक बड़े कटोरी में बेसन, सूजी, नींबू का रस, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट डालें।
5. फिर मिश्रण में दही और 3/4 पानी डालें। पानी डालने के बाद इसमें स्वादअनुसार नमक मिलाएं।
6. इस बात का ध्यान रखें कि मिश्रण में गुठली न बने।
7. इसमें ईनो डालकर तेल से ग्रीस की गई थाली में डाल दें।
8. थाली को ऊपर तक न भरें। इसके बाद कुकर की सीटी निकाल कर या बड़े बर्तन में स्टैंड लगाकर ढोकला बनाने के बर्तन में एक स्टैंड को रखें और इसके ऊपर कोई थाली रख दें।
9. अब मध्यम आंच पर 15-20 मिनट के लिए मिश्रण को भाप में पकाएं।
10. एक कढ़ाई में 2 चम्मच तेल डालकर गर्म करें। गर्म तेल में हींग, राई, करी पत्ता और लंबी हरी कटी मिर्च डालकर तड़का लगाएं।
11. मिश्रण में 1/2 कप से कम पानी और जरुरतअनुसार चीनी डालें।
12. मिश्रण को उबाल आने दें और फिर एक मिनट तक इसे पकाएं।
13. अब ढोकले को टुकड़ों में काट कर पानी को ढोकले पर धीरे-धीरे से डालें।
14. ढोकले के ऊपर बारीक कटा हरा धनिया डालें और घर वालों को सर्व करें।

बुखार के दौरान स्किन पर लाल दाने देते हैं इस बीमारी का संकेत

बुखार के दौरान स्किन में कई बार लाल दाने होने लगते हैं। एक्सपट्र्स की मानें तो बुखार के दौरान त्वचा में लाल दाने आने के कई कारण हो सकते हैं जैसे चिकनपॉक्स, रोसेओला नाम की बीमारियां। इन बीमारियों के कारण त्वचा में रेड दाने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा बुखार में लाल दाने क्यों होते हैं और आप इन्हें कैसे ठीक कर सकते हैं आज इस आर्टिकल के जरिए आपको बताएंगे। आइए जानते हैं।

बुखार में लाल दाने आने के कारण

. यदि आपको बुखार के साथ लाल दाने नजर आते हैं तो आपको चिकनपॉक्स हो सकता है।

. कमजोर इम्यूनिटी के कारण भी बुखार के दौरान लाल दाने हो सकते हैं। यदि आपको कमजोरी या फटीग की समस्या है तो लाल दाने हो सकते हैं।

. मौसम में बदलाव के कारण यदि आपको वायरल फीवर है तो भी स्किन पर लाल दाने की समस्या हो सकती है।

. बुखार के साथ लाल दाने की समस्या फिफ्थ डिसीज की ओर भी संकेत करती है जिसे हम बी19 वायरस के नाम से भी जानते हैं।

. रोसेओला बीमारी के कारण बुखार के साथ लाल दाने की समस्या हो सकती है।

चिकनपॉक्स के कारण

बुखार के दौरान यदि आपको हल्की खांसी, भूख में कमी, सिर में दर्द, थकान जैसे लक्षण दिखते हैं और पेट, पीठ या फिर चेहरे पर लाल खुजलीदार फुंसी होती है तो यह भी चिकनपॉक्स का लक्षण हो सकता है। ऐसी स्थिति में आप सीधे डॉक्टर के साथ संपर्क करें। इस बात का ध्यान रखें कि आप किसी गंदी जगह को न छूएं और ज्यादा से ज्यादा आराम करें। इसके अलावा फुंसी वाले दानों को भी न फोड़ें।

इसलिए भी हो सकते हैं लाल दाने

यदि आपकी स्किन पर बुखार के दौरान लाल दाने नजर आते हैं तो ये लक्षण किसी एक बीमारी को ओर संकेत भी कर सकता है। हो सकता है कि बुखार के दौरान इम्यूनिटी कमजोर हो गई हो जिसके कारण स्किन में लाल दाने की समस्या हो।

ऐसे दूर करें लाल दाने

एलोवेरा लगाएं

इन लाल दानों को दूर करने के लिए आप एलोवेरा जेल इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे इंफेक्शन की समस्या दूर होती है। आप लाल दानों पर एलोवेरा लगाएं इससे भी स्किन इंफेक्शन दूर होगी।

नीम का पेस्ट

लाल दानों पर आप नीम के पेस्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे त्वचा को किसी भी तरह का नुकसान नहीं होगा। आप नीम का पेस्ट दानों पर लगाएं और 15 मिनट बाद त्वचा को धो लें।

हल्दी

इन दानों को दूर करने के लिए आप हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। कच्ची हल्दी को पीसकर दूध में मिलाकर आप त्वचा पर एप्लाई करें। इससे स्किन इंफेक्शन की समस्या दूर होगी।

डिनर में बनाएं काजू पनीर की सब्जी

अगर आप नॉर्मल पनीर की सब्जी खाकर बोर हो गए हैं तो आज रात डिनर में कुछ स्पेशल बनाएं। काजू पनीर बेस्ट ऑप्शन है। यकीन मानिए इस रेसिपी को एक बार खाने के बाद आपके घरवाले आपकी कुकिंग के दिवाने हो जाएंगे। यहां पर जानिए काजू पनीर की रेसिपी..

काजू पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर- 200 ग्राम
काजू का पेस्ट- आधी छोटी कटोरी
प्याज (मोटे कटे हुए)- 2
अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
लहसुन का पेस्ट- 1/2 छोटा चम्मच
टोमैटो प्यूरी- 1 बड़ा चम्मच
हल्दी- 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
क्रीम- 1 बड़ा चम्मच
जीरा- 1 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1 छोटा चम्मच
नमक स्वादानुसार
हरा धनिया- 1 छोटा चम्मच
फ्राइड काजू 5-6

काजू पनीर की रेसिपी

1. काजू पनीर बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को छोटे छोटे टुकड़ो में काट लें।
2. मीडियम आंच पर एक कड़ाही में तेल गरम करें. तेल के गर्म होते ही प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें।
3. जब प्याज भुन जाए तब आंच बंद कर प्याज को एक प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें।
4. प्याज को ठंडा कर इसे ब्लैंडर में डालकर पेस्ट बना लें।
5. अब कड़ाही में जीरा, प्याज का पेस्ट, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें।
6. इनके अच्छे से भुनते ही टोमैटो प्यूरी डालकर भूनें। जब टोमैटो प्यूरी पूरी तरह से पक जाए तो हल्दी, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं।
7. मसालों के अच्छी तरह से भुनते ही क्रीम, काजू का पेस्ट और नमक डालकर 2 से 3 मिनट तक चलाएं।
8. तय समय बाद जरा सा पानी डालकर ग्रेवी को उबालें।
9. ग्रेवी में उबाल आते ही पनीर डालकर 2 से 3 मिनट पकाएं और आंच बंद कर दें।आंच बंद करने से बिल्कुल पहले गरम मसाला मिलाएं।
10. तैयार है काजू पनीर। हरे धनिये और फ्राइड काजू से गार्निश कर सर्व करें।

खास दिन जा रही हैं पार्टनर से मिलने तो पहनें इस तरह की गुलाबी ड्रेस, होगी तारीफ

जनवरी के महीने के बाद फरवरी का महीना आता है, जिसका लोग बड़ी ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। दरअसल, ये महीना प्यार का होता है, क्योंकि इसी महीने वैलेंटाइन वीक आता है। वैलेंटाइन वीक का इंतजार प्रेमी जोड़े सालभर करते हैं।

वैलेंटाइन वीक में लोग अपने-अपने प्यार को इंप्रेस करने के लिए जी-तोड़ कोशिश करते हैं। वैलेंटाइन वीक का पहला दिन सात फरवरी को होता है, और इस दिन रोज डे मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने प्यार को गुलाब का फूल देकर अपने प्यार का इजहार करते हैं।

अगर आप इस दिन अपने पार्टनर को इंप्रेस करने का सोच रही हैं, तो हम आपको इसका एक तरीका बताने जा रहे हैं। आप रोज डे के दिन गुलाबी ड्रेस पहनकर अपने पार्टनर के साथ डेट पर जा सकती हैं।

गुलाबी ड्रेस के कुछ विकल्प हम आपको बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी रोज डे के दिन अपना जलवा दिखा सकें।

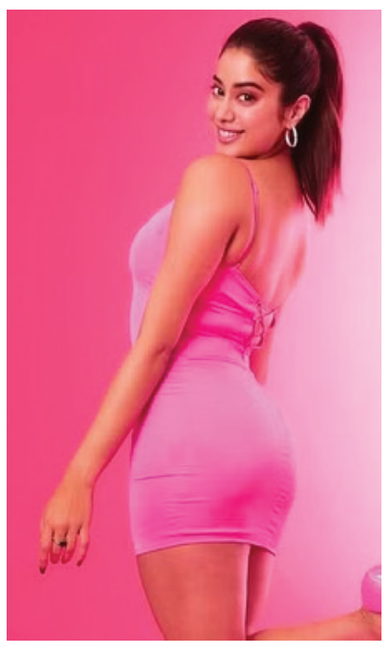

शॉर्ट ड्रेस

ग्लैमरस लुक के लिए आप इस तरह की गुलाबी रंग की शॉर्ट ड्रेस कैरी कर सकती हैं। इसके साथ पैरों में हाई हील्स जरूर पहनें। आपका लुक उसी से पूरा होगा।

गाउन

अगर आप डेट नाइट पर जा रही हैं, तो इस तरह का गुलाबी रंग का गाउन आपके लिए बेहतर विकल्प है। इस लुक को पूरा करने के लिए अपने बालों को हल्का कर्ल जरूर करें।

को-ऑर्ड सेट

अगर आपको बॉस लेडी लुक कैरी करना पसंद है, तो इस तरह का गुलाबी रंग का को-ऑर्ड सेट आप पहनकर अपने पार्टनर के सामने जा सकती हैं।

बॉडीकॉन ड्रेस

आपको इस तरह की बॉडीकॉन ड्रेस बाजार में आसानी से मिल जाएगी। इसे पहनकर आप दिन और रात दोनों समय घूमने जा सकती हैं।

मिडी

अगर आप आरामदायक कपड़ों को प्राथमिकता देती हैं, तो करीना कपूर की तरह से ड्रेस आप कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो इसके साथ जूते भी पहन सकती हैं।

जमसूट

अगर आपको जमसूट पहनने में परेशानी नहीं होती तो इसे पहनकर आप अपना बॉस लेडी अवतार दिखा सकती हैं। इसके साथ बालों में पोनीटेल ही बनाएं।

वित्त मामलों की स्थायी समिति ने बीमा उत्पादों पर जीएसटी दर कम करने की सिफारिश की, संसद में रिपोर्ट पेश

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मामलों की स्थायी समिति ने बीमा उत्पादों, विशेष रूप से स्वास्थ्य और सावधि बीमा पर जीएसटी दर को कम करने की सिफारिश की है।, यह वर्तमान में 18 प्रतिशत है। जयंत सिन्हा की अध्यक्षता वाली समिति ने मंगलवार को संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि समिति के अनुसार जीएसटी की ऊंची दर से प्रीमियम का बोझ बढ़ता है, जिससे बीमा पॉलिसी लेने में बाधा आती है।

बीमा को और अधिक किफायती बनाने के लिए समिति ने सिफारिश की है कि स्वास्थ्य बीमा उत्पादों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए खुदरा बीमा और सूक्ष्म बीमा पॉलिसियों (जैसे पीएमजेएवाई के तहत निर्धारित सीमा तक, वर्तमान में 5 लाख रुपये) और टर्म पॉलिसियों पर लागू जीएसटी दरों को कम किया जा सकता है। समिति के अनुसार भारत में बीमा उद्योग ने हाल के वर्षों में गतिशील वृद्धि

दिखाई है, वर्तमान सरकार की ओर से किए गए सुधारों के बाद कुल बीमा प्रीमियम में वृद्धि हुई पर भारतीय बीमा उत्पादों की पैठ और घनत्व अभी भी कम है।

2020 में वैश्विक बीमा बाजार में भारत का हिस्सा लगभग 2 प्रतिशत था ऐसे में भारतीय बीमा क्षेत्र को उन्नत देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीमा क्षेत्रों के समकक्ष आने के लिए अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। स्विस री के आंकड़ों के अनुसार, भारत 2021 में 1.85 प्रतिशत (2020 में 1.78 प्रतिशत) की बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक बीमा कारोबार में दसवें स्थान पर है। 2021 में भारत में कुल बीमा प्रीमियम में 13.46 प्रतिशत (7.8 प्रतिशत, मुद्रास्फीति-समायोजित वास्तविक वृद्धि) की वृद्धि हुई, जबकि वैश्विक कुल बीमा प्रीमियम में वर्ष के दौरान 9.04 प्रतिशत (3.4 प्रतिशत, मुद्रास्फीति-समायोजित वास्तविक वृद्धि) की वृद्धि हुई। जीवन बीमा व्यवसाय में, भारत 2021 में दुनिया में नौवें स्थान पर रहा। गैर-जीवन बीमा व्यवसाय में, भारत दुनिया में चौदहवें स्थान पर है।

बीमा पैठ और घनत्व दो ऐसे मीट्रिक हैं, जिनका किसी देश में बीमा क्षेत्र के विकास के स्तर का आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है। समिति के अनुसार, ₹विभिन्न बीमा उत्पादों को लोगों के लिए लाभकारी बनाने की आवश्यकता है, न कि केवल जीवन बीमा को।₹ कमिटी ने सुझाव दिया कि उपभोक्ताओं को विभिन्न प्रकार के बीमा उत्पादों, देश में कोविड परिवारों के दौरान भुगतान किए गए दावों, बाढ़ के दौरान बीमा दावों और विभिन्न घटनाक्रम से जुड़े दावों के बारे जागरूक करने के लिए एक अभियान शुरू किया जाना चाहिए। यह जागरूकता अभियान बीमा कंपनियों और आईआरडीएआई द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया जाना चाहिए और इसमें जीवन, स्वास्थ्य और सामान्य बीमा उत्पाद शामिल होने चाहिए।

मोदी सरकार से नहीं मिलेगी पेटीएम को मदद! वित्त मंत्री से मिले विजय शेखर शर्मा, हाथ लगी निराशा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पेटीएम के फाउंडर और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने मंगलवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ हुई मीटिंग के बाद विजय शेखर शर्मा, वित्त मंत्री से मिले। एक रिपोर्ट के मुताबिक, निर्मला सीतारमण और विजय शेखर शर्मा के बीच करीब 10 मिनट तक यह बैठक चली। रिपोर्ट में बताया गया कि पेटीएम के विजय शेखर शर्मा को यह बताया गया कि उन्हें नियमों से जुड़े इस मसले को आरबीआई के साथ सुलझाने की जरूरत है। इसके अलावा उन्हें यह भी जानकारी दी गई है कि पेटीएम पर मंडरा रहे इस संकट में नरेंद्र मोदी सरकार की कोई भूमिका नहीं है।

29 फरवरी के बाद बंद हो जाएगा पेटीएम पेमेंट्स बैंक!

गौर करने वाली बात है कि पेटीएम अपने सबसे बुरे हालातों का सामना कर रहा है। केंद्रीय बैंक ने ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म के पेटीएंम पेमेंट बैंक पर 29 फरवरी के बाद बैन लगाने का आदेश दिया है। विजय शेखर शर्मा आरबीआई अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करके इस संकट को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा पेटीएम पेमेंट बैंक के वॉलेट बिजनेस के बिकने को लेकर भी काफी खबरें सामने आ रही हैं।

बता दें कि मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल ने पेटीएम वॉलेट बिजनेस के लिए किसी तरह की बातचीत होने से इनकार कर दिया है। वहीं एचडीएफसी बैंक ने मंगलवार को पुष्टि कर दी कि पेटीएम के साथ 'बातचीत' हो रही है। एचडीएफसी बैंक की पेमेंट विंग के प्रमुख पराग राव का कहना कि वह फिलहाल 'वेट एंड वॉच' मोड में हैं। हालांकि, उन्होंने पेटीएम वॉलेट बिजनेस को लेकर डील से जुड़ा कोई कमेंट नहीं किया।

बता दें कि पीटीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया कि ईडी और एफआईयू ने औपचारिक तौर पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के बारे में लेटेस्ट रिपोर्ट मुहैया कराने को कहा है ताकि वह जरूरी कदम ले सकें।

सरकार ने फिनटेक कंपनी भारतपे को भेजा नोटिस फाउंडर अशनीर ग्रोवर के बारे में मांगी जानकारी

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय ने फिनटेक कंपनी भारतपे को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस कंपनीज एक्ट की धारा 206 के तहत जारी किया गया है, जिसमें सरकार ने कंपनी से इसके संस्थापक रहे अशनीर ग्रोवर के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी है।

सरकार ने मांगी ये जानकारी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कोरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी से उन सबूतों के बारे में जानकारी मांगी है, जो कंपनी ने अशनीर ग्रोवर के खिलाफ दर्ज कराए आपराधिक मामले में अदालत में जमा किए हैं। फिनटेक कंपनी साल 2022 में उस वक्त विवादों में आ गई थी, जब कंपनी के फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने कोटक ग्रुप के कर्मचारी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया था और उसे धमकी दी थी। दरअसल कोटक ग्रुप का कर्मचारी Nykaa कंपनी के आईपीओ के दौरान एलॉटमेंट को सिक्योर नहीं कर सका था। विवाद के बाद अशनीर ग्रोवर ने भारतपे के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया था और कंपनी ने अपने वित्तीय खातों का ऑडिट कराने का फैसला किया था।

कंपनी ने लगाए थे आरोप

ऑडिट के बाद भारतपे ने अशनीर ग्रोवर, उनकी पत्नी और उनके भाई पर धन के दुरुपयोग और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कंपनी ने दावा किया था कि अशनीर और उनकी पत्नी की वजह से कंपनी को 88.67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी ने नुकसान की भरपाई के लिए मामला दर्ज कराया था। हालांकि अशनीर और अपने और अपनी पत्नी के ऊपर लगे आरोपों को नकार दिया था। कंपनी ने ये भी आरोप लगाया था कि भारतपे टेक्नोलॉजी में अशनीर ग्रोवर का कोई योगदान नहीं है। फिनटेक दिग्गज कंपनी पेटीएम भी इन दिनों सरकार के रडार पर है। रिजर्व बैंक ने केवाईसी में गड़बड़ी के आरोप में पेटीएम पेमेंट बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। 29 फरवरी के बाद पेटीएम पेमेंट बैंक की सेवाएं नहीं मिल सकेंगी।

सेंसेक्स 34 अंक गिरकर 72,152 पर बंद, आईटी और पावर शेयर्स टूटे

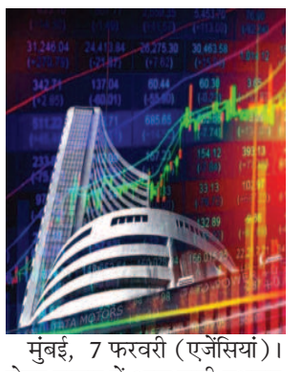

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (7 जनवरी) को फ्लैट कारोबार देखने को मिला। सेंसेक्स 34 अंक की गिरावट के साथ 72,152 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 1 अंक की बढ़त रही, ये 21,930 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट रही। IT और पावर शेयर्स में ज्यादा फिसले हैं।

पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मीटिंग की खबरों के बाद आज पेटीएम के शेयर में 10% की तेजी रही। ये 45.10 रुपए बढ़कर 496.25 रुपए पर बंद हुआ। पेटीएम के शेयर में तेजी का यह लगातार दूसरा दिन है।

आज ओपन हुए 3 आईपीओ

आज से 3 आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग ओपन हो गए हैं। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक , राशि पेरिफेरल्स लिमिटेड और कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक अपना आईपीओ लेकर आई हैं। रिटेल निवेशक इन तीनों आईपीओ में 9 फरवरी तक बिडिंग कर सकते हैं। तीनों कंपनी के शेयर 14 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

पेटीएम संकट के बीच 11 लाख खुदरा निवेशकों का पैसा फंसा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की सख्ती के बाद पेटीएम के शेयर तीन कारोबारी सत्रों में 42 फीसदी टूट चुके हैं। हालांकि, मंगलवार को कंपनी के शेयर में पांच फीसदी तक उछाल देखने को मिला। इस तेजी के बावजूद कंपनी और उसके निवेशकों पर संकट बना हुआ है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक के कामकाज में अनियमितताएं दुरुस्त करने की आरबीआई की चेतावनी की लगातार अनदेखी करने वाली पेटीएम के शेयरों में 11 लाख खुदरा और 514 विदेशी निवेशकों का पैसा फंसा हुआ है। इसके अलावा, म्यूचुअल फंड की 97 योजनाओं के जरिये भी निवेशकों की गाढ़ी कमाई फंसी हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पेटीएम में म्यूचुअल फंडों की हिस्सेदारी बढ़कर 4.99 फीसदी पहुंच गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों का हिस्सा 2.80 फीसदी बढ़कर 63.27 फीसदी पहुंच गया। खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी 4.57 फीसदी बढ़कर 12.85 फीसदी पहुंच गई। खुदरा निवेशक, जिनका किसी कंपनी में दो लाख रुपये तक निवेश होता है।

बीएनपी पारिबा आर्बिट्रेज और कनाडा पेंशन का भी निवेश

शीर्ष विदेशी संस्थागत निवेशकों बीएनपी पारिबा आर्बिट्रेज व कनाडा पेंशन प्लान का पेटीएम में एक-एक फीसदी हिस्सा है। म्यूचुअल फंड की छह योजनाओं में प्रत्येक का 100 करोड़ से ज्यादा निवेश है। 40 योजनाओं में से प्रत्येक का निवेश 10 करोड़ रुपये से कम है।

ईडी ने आरबीआई से मांगी रिपोर्ट

प्रवर्तन निदेशालय और वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने आरबीआई से पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर की गई सख्ती के मामले में रिपोर्ट मांगी है।

एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि पेटीएम में मनी लॉन्ड्रिंग नियमों का उल्लंघन हुआ है या नहीं। एजेंसियां पेटीएम के अलावा अन्य पेमेंट गेटवे कंपनियों की भी जांच कर रही हैं, जिनमें चीन के नियंत्रण वाली कंपनियों की हिस्सेदारी है।

853 करोड़ बढ़ा पेटीएम का बाजार पूंजीकरण

पिछले तीन कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद पेटीएम के शेयर

मंगलवार को तेजी में बंद हुए। बीएसई पर दिन के कारोबार में कंपनी का शेयर 7.79 फीसदी तक चढ़ने के बाद अंत में 3.02 फीसदी बढ़त के साथ 451.60 रुपये पर बंद हुआ। इससे कंपनी की बाजार पूंजी 852.78 करोड़ बढ़कर 28,680.23 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

आरबीआई अधिकारियों से मिले सीईओ

पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा ने आरबीआई के अधिकारियों से मुलाकात की है। इस मुलाकात में नियामक की चिंताओं को दूर करने पर चर्चा हुई। सूत्रों ने कहा, पेटीएम ने प्रतिबंध की 29 फरवरी की समय सीमा आगे बढ़ाने की मांग की है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद पहली डॉलर बॉन्ड सेल लाएगा अडाणी-ग्रुप

अडाणी ग्रीन एनर्जी की विदेशी बैंकों के साथ बातचीत जारी, 4,153 करोड़ जुटाने की तैयारी

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप डॉलर बॉन्ड के जरिए 50 करोड़ डॉलर यानी करीब 4,153 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विदेश में बॉन्ड जारी करने के लिए अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड संबंधित पक्षों से बातचीत कर रही है। पिछले साल अडाणी ग्रुप के शेयरों को लेकर अमेरिकी एजेंसी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद कारोबारी ग्रुप का यह पहला विदेशी बॉन्ड होगा।

डील को लेकर विदेशी बैंकों के साथ बातचीत कर रही ग्रीन एनर्जी

मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी इस डील को लेकर कई विदेशी बैंकों के साथ बातचीत कर रही है, जिनमें एक अमेरिकी फर्म भी शामिल है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में 6 फरवरी को कंपनी का शेयर 3.18% की बढ़त के साथ 1,721.65 रुपए पर बंद हुआ।

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बॉन्ड की बिक्री इसी साल होगी

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बॉन्ड की बिक्री इसी साल होगी। हालांकि, इसको लेकर समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है और शर्तों में अब भी बदलाव हो सकता है। अडाणी ग्रुप के स्पोक्सपर्सन ने इस मामले में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

हिंडनर्ग रिसर्च ने ग्रुप पर स्टॉक में गड़बड़ी का आरोप लगाया था

हिंडनर्ग रिसर्च के अडाणी ग्रुप पर फर्जीवाड़ा और स्टॉक में गड़बड़ी का आरोप लगाने के बाद ग्रुप के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

जनवरी 2023 में ग्रुप को लेकर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड और एसीसी लिमिटेड की खरीद के लिए कर्ज की रिफाइनेंसिंग के लिए हो रही बातचीत अटक गई थी। हालांकि, बाद में अडाणी ग्रुप ने 3.5 बिलियन डॉलर के फंडिंग पैकेज को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। पोर्ट से पावर तक में एक्टिव इस बिजनेस ग्रुप ने पिछले एक साल में अपना कर्ज कम करने के साथ-साथ कई अहम प्रोजेक्ट्स को भी पूरा किया है। जिससे निवेशकों और लेंडर्स का भरोसा बहाल करने में कंपनी को सफलता मिली है। इस दौरान ग्रुप के स्टॉक और बॉन्ड ने भी काफी हद तक भरपाई की है।

लगातार तीसरे दिन सस्ती हुई चांदी, सोना हुआ महंगा

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 07 फरवरी 2024 की सुबह भी सोना महंगा हुआ है, जबकि चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है. अभी भी सोना 62 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 69 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. बता दें कि चांदी की कीमतों में आज लगातार तीसरे दिन गिरावट देखने को मिली है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 62636 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 69749 रुपये है.इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 62479 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (बुधवार) सुबह महंगा होकर 62636 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना महंगा और चांदी सस्ती हुई है.आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, आज 995 शुद्धता वाले सोने की कीमत 62385 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 916 (22 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड प्राइस 57375 रुपये प्रति 10 ग्राम है. 750 (18 कैरेट) प्योरिटी वाले गोल्ड का रेट 46977 रुपये प्रति 10 ग्राम है. वहीं, 585 (14 कैरेट) प्योरिटी वाले सोने का भाव 36642 रुपये प्रति 10 ग्राम है.

यूपीआई भुगतान में दिक्कत से यूजर हलकान, एनपीसीआई ने बताया परेशानी का कारण; कई बैंकों के सिस्टम में खामी उजागर

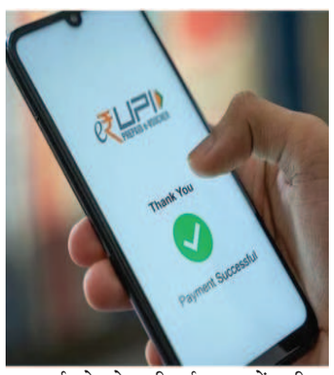

मुंबई, 7 फरवरी (एजेंसियां)। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले पेमेंट एप के जरिये पैसों का भुगतान करने में मंगलवार शाम को यूजर्स को दिक्कत का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर फोन पे, गूगल पे, पेटीएम समेत अन्य पेमेंट एप पर यूपीआई भुगतान में परेशानी की शिकायत की। यूपीआई भुगतान में दिक्कत की शिकायत करने वालों में अलग-अलग बैंकों के ग्राहक शामिल रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटक महिंद्रा बैंक समेत कुछ अन्य बैंकों के ग्राहकों के साथ यह समस्या हुई।

हालांकि, कुछ समय के लिए ही यूजर्स को परेशानी हुई। बाद में यूपीआई ने कहा कि सिस्टम में सुधार के बाद भुगतान में होने वाली दिक्कतें दूर हो चुकी हैं। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने कहा कि कुछ बैंकों के सिस्टम में गड़बड़ी के कारण यूपीआई भुगतान मंगलवार शाम को प्रभावित रहा। ग्राहकों ने इस दौरान फंड ट्रांसफर करने में परेशानी की शिकायत की।

एनपीसीआई ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा, यूपीआई कनेक्टिविटी पर असुविधा के लिए खेद है। कुछ बैंकों के सिस्टम में आंतरिक तकनीकी समस्याएं हैं। हालांकि, एनपीसीआई ने उन बैंकों का नाम नहीं बताया, जिनके ग्राहक प्रभावित हुए हैं। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने स्वीकार किया कि प्रभावित होने वालों में उसके ग्राहक भी शामिल हैं। वहीं, सेवा मामलों की निगरानी करने वाली एक वेबसाइट ने कहा कि यूपीआई के साथ एसबीआई, कोटक महिंद्रा समेत अन्य बैंक भी प्रभावित हुए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर में	मकर..	05-17 बजे
चंद्र-	धनु में	कुंभ...	07-08 बजे
मंगल	मकर में	मीन ..	08-45 बजे
बुध-	मकर में	मेष...	10-21 बजे
गुरु-	मेष में	वृष...	12-06 बजे
शुक्र-	धनु में	मिथुन..	14-06 बजे
शनि-	कुंभ में	कर्क...	16-19 बजे
राहु-	मीन में	सिंह...	18-30 बजे
केतु-	कन्या में	कन्या..	20-37 बजे
		तुला....	22-42 बजे
		वृश्चिक	23-53 बजे
		धनु.....	03-14 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-50 सूर्यास्त. -18-10
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 11 -17 - तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - माघ कृष्ण पक्ष , गुरुवार 08 February
नक्षत्र - उत्तराषाढा - 02 - 14 - तक उपरान्त श्रवण
योग - सिद्ध - 23 - 09 - तक उप व्यतिपात
करण- वणिज - 11 - 17 - तक उप- विष्टि
विशेष:- मास शिवरात्रि,मेरु त्रयोदशी
व्रत -त्योहार - भद्रा काल-11-18 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:56 से 15:22 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:50 - 08:13 शुभ	अमृत.	18:10 - 19:48 शुभ
रोग	08:13 - 09:39 अशुभ	चंचल.	19:48 - 21:22 शुभ
उत्पात	09:39 - 11:05 अशुभ	रोग	21:22 - 22:56 अशुभ
चंचल	11:05 - 12:30 शुभ	काल	22:56 - 24:30 अशुभ
लाभ	12:30 - 13:56 शुभ	लाभ	24:30 - 02:04 शुभ
अमृत	13:56 - 15:22 शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39 अशुभ
काल.	15:22 - 16:48 अशुभ	शुभ	03:39 - 05:13 शुभ
शुभ.	16:48 - 18:10 शुभ	अमृत	05:13 - 06:50 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी ।आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज अपना और आपनी सेहत् का ध्यान रखना ना भूलें ।आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें ।आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं ।लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नहीं होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आप किसी बड़े सम्मेलन या सेमिनार की मेजबानी कर सकते हैं लेकिन आपके मनचाहे समय पर स्थान की उपलब्धता के कारण हुई हल्की सी ग़लतफ़हमी से आपको शर्मिंदगी महसूस होगी और आपको कार्यक्रम रद्द करना पड़ सकता है । आपको ऐसे समय में शांति बनाये रखनी होगी और सकारात्मक कोशिशें करते रहनी होंगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

संबंधों में उलझन ,दोहरे अर्थों वाली बातचीत तथा गलतफहमियां आज पूरे दिन आप पर हावी रहेंगी । लेकिन इससे किसी नुक्सान की बजाय मनोरंजन की उम्मीद ज्यादा है । इसीलिए इनके बारे में चिंता करने की बजाय अपने मूड को हल्का फुल्का रखें और हो रही घटनायों का आनंद उठायें ।यदि आप ऐसा करेंगे तो दिन बहुत खुशगवार गुजरेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

हरदा की पटाखा फैक्ट्री में 11 मौतों की पडताल

लाइसेंस 15 किलो का, ट्रकों से आता था बारूद, 10 साल की जेल, डेढ़ महीने में जमानत

हरदा, 7 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। हरदा की शहरी सीमा में चल रही पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट से 11 मौतों के लिए फैक्ट्री मालिक के साथ ही सरकारी सिस्टम भी जिम्मेदार है। 2015 में पहली बार इस फैक्ट्री में धमाका हुआ था, जिसमें 2 लोगों की मौत हुई थी। इस मामले में जुलाई 2021 में कोर्ट ने फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल और जमीन के मालिक दिनेश शर्मा को 10 साल की सजा सुनाई थी। डेढ़ महीने बाद ही जेल से छूटने पर राजेश अग्रवाल ने फिर पटाखे बनाने का काम शुरू कर दिया था। प्रशासन हर बार यहां जांच करता तो गड़बड़ी मिलती। लाइसेंस भी सस्पेंड किया, लेकिन फैक्ट्री का काम नहीं रुका।

सरकारी अफसर अग्रवाल बंधुओं के पटाखे के इस अवैध कारोबार को खुली आंखों से देखते रहे, लेकिन किसी की इतनी हिम्मत नहीं हुई कि फैक्ट्री सील कर सके। सवाल पूछने पर अफसर सिर्फ यही जवाब देते हैं कि हमने रिपोर्ट दे दी थी। उनके कारोबार का ईकोसिस्टम ऐसा था कि न सिर्फ सरकारी सिस्टम बल्कि आसपास के लोग भी उसके अवैध कारोबार के हिस्सेदार हो गए थे। जितने पटाखे उसकी फैक्ट्री में बनते थे, उससे ज्यादा फैक्ट्री के आसपास रह रहे लोग पेटी कॉन्ट्रैक्ट पर बनाकर देते थे। यहां आसपास के कमोबेश हर घर में बारूद का ढेर था। यही वजह थी कि जब फैक्ट्री में आग लगी तो उसकी चिंगारियों से आसपास के घरों में भी विस्फोट शुरू हो गए।

2021 में 10 साल की सजा मिली थी

पड़ताल में 2021 में आया कोर्ट का फैसला मिला। 2015 में इस फैक्ट्री में आग लगने से राकेश और इकबाल नाम के मजदूरों की मौत हो गई थी। कोर्ट में याचिका दायर की गई। कोर्ट ने 2021 में फैसला सुनाते हुए फैक्ट्री मालिक राजेश अग्रवाल और फैक्ट्री के लिए लीज पर जमीन देने वाले दिनेश शर्मा को बराबर दोषी मानते हुए 10-10 साल की सजा सुनाई थी।

परमिशन से कई गुना ज्यादा बारूद

जुलाई 2021 के कोर्ट के फैसले में जिक्र है कि आरोपी राजेश अग्रवाल को सिर्फ 15 किलो पाउडर की अधिकतम क्षमता स्टोरेज का लाइसेंस मिला था, लेकिन उसके गोदाम और फैक्ट्री में इससे कई गुना ज्यादा बारूद था। आसपास के लोग बताते हैं कि इसकी फैक्ट्री में ट्रकों से बारूद आता था। यानी साफ है कि महज 15 किलो के विस्फोटक का लाइसेंस लेकर अग्रवाल पूरे सरकारी सिस्टम को अपने इशारे पर चलाता रहा। इस फैसले के बाद भी कई दफा कलेक्टर, एडीएम और एसडीएम ने इस फैक्ट्री की जांच की, तब भी यहां क्षमता से ज्यादा बारूद का स्टॉक मिला। कुछ दिन के लिए सरकारी कागजों पर लाइसेंस सस्पेंड हुआ, लेकिन काम यहां बराबर चलता रहा। हरदा के राजस्व अमले के

अधिकारी भी मानते हैं कि इस फैक्ट्री में जब भी रेड हुई, यहां गड़बड़ मिली। कागजों पर कार्रवाई भी हुई, लेकिन फैक्ट्री में कभी काम बंद नहीं हुआ।

इस फैसले में कोर्ट ने लिखा है कि ये सही है कि राजेश अग्रवाल को विस्फोटक सामग्री का लाइसेंस दिया गया था, लेकिन जिस मात्रा में पटाखे निर्माण का लाइसेंस था, उससे कई गुना ज्यादा उनके पास स्टॉक न सिर्फ फैक्ट्री में मिला, बल्कि गोदाम में भी भारी मात्रा में स्टॉक मिला।

इस केस में सरकार की तरफ से वकील प्रवीण सोनी ने कहा कि 7 जुलाई 2021 को कोर्ट ने आरोपियों को अवैध बारूद रखने के संबंध में दोषी पाया था और उन्हें 10 साल की सजा और 10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी। कोर्ट के आदेश के बाद अग्रवाल को जेल भेजा गया। वह डेढ़ महीने तक जेल में रहा। इसके बाद जमानत पर बाहर आ गया। उसने इस सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। अभी ये मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। सोनी ने बताया कि इसके बाद सोमेश अग्रवाल के नाम से लाइसेंस लिया और फिर पटाखों का काम शुरू कर दिया। इसके बाद उसका काम कभी बंद नहीं हुआ। वे बताते हैं कि यहां 2015 के बाद 2017 और 2022 में भी हादसे हुए थे। अब तक 10-12 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद भी प्रशासन नहीं चेता।

संभागीय कमिश्नर पवन शर्मा से जवाब मिला कि इनके पास 4 लाइसेंस थे। 2 लाइसेंस मैन्यूफैक्चरिंग के केंद्र सरकार के विस्फोटक नियंत्रक से मिले थे। इसके तहत इन्हें सीमित मात्रा में मैन्यूफैक्चरिंग की अनुमति दी। दूसरा- पटाखों के स्टोरेज के 2 लाइसेंस राज्य सरकार से मिले थे। इन्हें कलेक्टर जारी करते हैं।

दो में से एक लाइसेंस पहले ही सस्पेंड हो चुका था। दूसरा लाइसेंस भी अक्टूबर 2023 में सस्पेंड किया जा चुका था। हालांकि, शर्मा इस बात का जवाब नहीं दे पाए कि बिना लाइसेंस के इस फैक्ट्री में इतना बड़ा कारोबार कैसे चल रहा था।

एडीएम डॉ. नागार्जुन गौड़ा ने बताया कि जिस बिल्डिंग में पटाखा फैक्ट्री चल रही थी, इसमें ग्राउंड के अलावा दो फ्लोर थे। इसे पहले भी सील किया गया था। 2023 में यहां जीएसटी ने भी छापेमारी की थी। हालांकि, वे भी इस बात का जवाब नहीं दे पाए कि हर स्तर पर गड़बड़ी के बावजूद इस फैक्ट्री में काम कैसे हो रहा था।

2009 तक पटाखे की छोटी सी दुकान चलाने वाले राजेश अग्रवाल ने धीरे-धीरे पटाखों की मैन्यूफैक्चरिंग का काम शुरू कर दिया था। एक के बाद एक 5 फैक्ट्रियां खड़ी कर ली थीं। ये फैक्ट्रियां हरदा के आसपास के इलाके में बनी थीं। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ, वह अजनाल नदी किनारे बैरागढ़ बस्ती में है।

सरकारी वकील प्रवीण सोनी कहते हैं कि फैक्ट्री में आग लगने पर सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं हैं। मानकों के मुताबिक जिस तरह से बारूद को सुरक्षित रखा जाता है, उसका भी यहां ध्यान नहीं रखा जाता। यहां न आग बुझाने के लिए पानी का इंतजाम था न ही रेत। इतना ही नहीं लाइसेंस की शर्तों के मुताबिक पटाखे बनाने के बाद इन्हें आग के अवरोधी डिब्बों में पैक करना जरूरी होता है। लेकिन ऐसा भी नहीं किया गया था। 18 साल से कम उम्र के बच्चों को पटाखा निर्माण के काम में नहीं लगाया जा सकता, लेकिन यहां इसका भी उल्लंघन हो रहा था।

राजेश अग्रवाल और सोमेश अग्रवाल का हरदा में पुरानी सब्जी मंडी के पास मकान है। यहीं उनकी पटाखे की फुटकर दुकान भी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके के बाद राजेश अग्रवाल और सोमेश अग्रवाल परिवार सहित फरार हैं। हालांकि, आरोपियों को रात में राजगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी दिल्ली भागने की फिराक में थे। नाकाबंदी की गई। लोकेशन ट्रेस कर उन्हें राजगढ़ से गिरफ्तार किया गया।

मैं एक योद्धा की जीवनसाथी, हमेशा उनकी ताकत बनी रहूंगी

शादी की सालगिरह पर हेमंत सोरेन की पत्नी

रांची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पीछे ईडी पड़ी हुई है और प्रदेश में सियासी उथल पुथल है। इसी राजनीतिक हलचल के बीच, पूर्व सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने बुधवार को अपनी शादी की 18वीं सालगिरह के मौके पर अपने पति को एक योद्धा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह एक योद्धा की जीवनसाथी हैं और हमेशा उनकी ताकत बनी रहेंगी।

सिर झुकाना स्वीकार नहीं

कल्पना ने कहा कि भले ही शादी की सालगिरह पर उनके पति परिवार के साथ न हो, लेकिन वह भावुक नहीं होंगी क्योंकि हेमंत साजिश से बाहर निकलेंगे और एक विजेता के रूप में उभरेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हेमंत जी ने झारखंड की पहचान और अस्तित्व की रक्षा के लिए सिर झुकाना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने खुद को समर्पित कर साजिश का मुकाबला करने का विकल्प चुना।

शादी की 18वीं सालगिरह

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'आज हमारी शादी की 18वीं सालगिरह है, लेकिन हेमंत

जी परिवार और बच्चों के साथ नहीं हैं। हमें विश्वास है कि वह इस साजिश से बाहर निकलेंगे और विजेता के रूप में उभरकर जल्द ही हमारे पास होंगे। मैं झारखंड के बहादुर योद्धा की जीवनसाथी हूं। मैं आज भावुक नहीं होऊंगी। हेमंत जी की तरह मैं भी मुश्किल परिस्थितियों में मुस्कुराऊंगी और उनके साहस व संघर्ष में शक्ति बनूंगी।'

लड़ाई जारी रहेगी

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) गठबंधन के पांच जनवरी को बहुमत साबित करने और हेमंत सोरेन के झारखंड विधानसभा में जबरदस्त भाषण देने के बाद कल्पना ने एलान किया कि अन्याय के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

पूर्व में मुख्यमंत्री पद की प्रबल दावेदार मानी जा रही कल्पना सोरेन को शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन से विरोध का सामना करना पड़ा था। कल्पना ने कहा, 'मैंने लड़ाई लड़ी और मैं लड़ाई जारी रखूंगी। हम जीत गए और हम जीतेंगे।'

कल्पना ने पोस्ट में कहा, 'जब तक झारखंड के योद्धा (हेमंत सोरेन) केंद्र और भाजपा की साजिश को हराकर हमारे पास नहीं आते तब तक मैं उनकी जिम्मेदारी संभालूंगी। हमारे बहादुर योद्धाओं ने अन्याय और दबाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और अब फिर से समय आ गया है। आपका प्यार और आशीर्वाद बना रहना चाहिए।'

गौरतलब है, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो नीत गठबंधन सरकार ने सोमवार को 81 सदस्यीय विधानसभा में विश्वास मत में आसान जीत हासिल की थी। विश्वास मत में चंपाई सरकार के पक्ष में 47 विधायकों ने और 29 विधायकों ने विरोध में मतदान किया था। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के विश्वास मत में जीत हासिल करने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कल्पना सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की थी। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी कल्पना सोरेन के साथ राहुल की एक तस्वीर साझा की थी।

अबुआ आवास योजना की सूची में गड़बड़ी को जल्द किया जाएगा दूर : मुख्यमंत्री

चक्रधरपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि अबुआ आवास योजना की सूची में गड़बड़ी जल्द दूर की जाएगी। पदाधिकारियों को आदेश दिया जाएगा कि जहां-जहां विसंगतियां हैं, उसमें सुधार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अबुआ आवास योजना की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना नहीं दी जा रही थी। कई बार केंद्र सरकार से पत्राचार किया गया, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। मुख्यमंत्री मंगलवार को चक्रधरपुर विधायक सुखराम उरांव के पुत्र सन्नी उरांव के विवाह समारोह में सम्मिलित होने के बाद पत्रकारों से बातें कर रहे थे। रांची । राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राजीव रंजन को राज्य के महाधिवक्ता पद पर पुनः नियुक्ति करने पर अपनी स्वीकृति दे दी है। इसके बाद मंगलवार शाम में अधिसूचना जारी की दी गई। मालूम हो कि राजीव रंजन पूर्व में भी राज्य के महाधिवक्ता रह चुके हैं। दूसरी ओर, राज्यपाल ने पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी से राजभवन में मुलाकात की।

वे बहुत बुरी और डेंजरस हैं

टीचर के टॉर्चर से परेशान छठी की छात्रा ने दी जान, सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

अंबिकापुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर में एक छात्रा ने मंगलवार की रात कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह रिंग रोड नमनाकला स्थित एक नामचीन मिशन स्कूल में कक्षा छह में पढ़ती थी। आत्महत्या से पहले अंग्रेजी में एक सुसाइड नोट भी लिखा। इसमें स्कूल की दो शिक्षिकाओं पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा कि 'मर्सी सिस्टर काफी बुरी और डेंजरस हैं और वह टॉर्चर करती है। मेरे पास मरने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।' वहीं, घटना से आक्रोशित भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने स्कूल कैंपस के बाहर टायर जलाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कूल की प्रिंसिपल व शिक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। वहीं, अभिभावक संघ भी काफी आक्रोशित नजर आए और अध्यक्ष निलेश सिंह की अगवानी में उन्होंने एसपी ऑफिस पहुंचकर दोषी शिक्षिकाओं की तत्काल गिरफ्तारी एवं एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। नवनियुक्त एसपी विजय अग्रवाल एसपी कार्यालय पहुंचे और अभिभावक संघ की बात सुनाने लगे। अभिभावक संघ ने विस्तृत रूप से पूरी घटना बताई और छात्रा के सुसाइड नोट के अनुसार प्रताड़ित करने वाली दोनों शिक्षिकाओं के ऊपर तत्काल एफआईआर कर गिरफ्तारी की मांग की। एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि मामले में अभी मुकदमा दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद एवं छात्रा के सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग मिलाने के बाद मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, शहर के दर्रीपारा निवासी इंजीनियर आलोक कुमार सिन्हा की 12 वर्षीय इकलौती बेटी अर्चिशा सिन्हा शहर के कार्मेल स्कूल में कक्षा छह की छात्रा थी। उसने मंगलवार की रात करीब 11 बजे अपने कमरे में पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने स्कूल की शिक्षिका पर कई दिनों से प्रताड़ित व कक्षा में दोस्तों के सामने अपमानित करने का आरोप लगाया है। आत्महत्या करने से पहले छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा कि 'मर्सी सिस्टर ने उसका आईकार्ड छीना। वह बहुत ज्यादा पनिशमेंट देती हैं। अब मेरे पास मरने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। मैं सिस्टर से बदला लूंगी, वह बहुत बुरी और डेंजरस हैं। प्लीज मेरे जितने भी दोस्त हैं, उन्हें पनिशमेंट न दें।

सिस्टर मर्सी व सिस्टर जीवा पढ़ाती भी हैं और टॉर्चर भी करती हैं। परिजनों के अनुसार, छात्रा अर्चिशा पढ़ाई में काफी होनहार थी। वह कक्षा में टॉप 5 में अपना स्थान बना चुकी थी। वह अपने माता-पिता की एकलौती संतान थी। बुधवार की सुबह जब माता-पिता उठे और बेटी के कमरे में जाकर देखा तो उसका शव पंखे से लटका मिला।

सूचना पर एएसपी पुपलेश कुमार, कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। छात्रा की मौत से उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

हिंदू संगम कार्यक्रम के दौरान खूनी झड़प

चाकूबाजी में दो युवक घायल, तीन हिरासत में

कबीरधाम, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के बोड़ला नगर पंचायत में 5 से 9 फरवरी तक हिंदू संगम का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार 6 फरवरी को शाम 7.30 बजे मंच पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। अचानक चाकूबाजी हुई। इसमें दो युवकों पर चाकू से हमला किया गया। कबीरधाम एसपी डॉक्टर अभिषेक पल्लव ने बताया कि हिंदू संगम में दो पक्षों में विवाद हुआ जिसमे एक पक्ष के बहन के साथ छेड़खानी करने की बात को लेकर दूसरे पक्ष योगेश यादव पिता दिनेश यादव, निवासी बांधाटोला (बोड़ला) उसके साथी परदेशी ध्रुवे पिता कुमार ध्रुवे 19 वर्ष बांधाटोला (बोड़ला) के साथ मारपीट हुई। विवाद- मारपीट के दौरान युवक योगेश यादव को सिर में चोट लगी है। डॉक्टर द्वारा धारदार चाकू की चोट बताई गई है।

युवक को सात टांके लगे हैं। उसे जिला अस्पताल कवर्धा रेफर किया गया है। देर रात तक इस मामले में तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस घटना के बाद रात के समय कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया। मौके पर पुलिस बल तैनात हैं।

जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंसा

ग्रामीणों में मचा हड़कंप दहशत में जी रहे लोग

कोरबा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा जिले के पसान क्षेत्र में एक बार फिर से जमीन धंसने की घटना सामने आई है। इस क्षेत्र में इस तरह की यह तीसरी घटना है। कोरबी-चोटिया इलाके में संचालित होने वाली एसईसीएल की विजय वेस्ट भूमिगत कोयला खदान के कारण यह घटना घटी है। पसान क्षेत्र के ग्राम जलके-तनेरा सर्किल के आसपास हुई घटना से करीब तीन फीट चौड़ी और सौ फीट गहरी दरार पड़ गई है, जिसके कारण लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भी आक्रोश का माहौल देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह के समय ग्रामीण मवेशी चराने गए थे। इस दौरान उनकी नजर पड़ी। ग्रामीणों ने गांव पहुंचकर इसकी जानकारी दी। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। कुछ ग्रामीणों ने जाकर देखा तो बड़ा हिस्सा धंसा हुआ था।

हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई पर विपक्ष का हंगामा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में जमकर नारेबाजी, कोल परिवहन पास की प्रक्रिया ऑनलाइन करने का ऐलान

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में हसदेव के जंगलों में पेड़ों की कटाई के मुद्दे पर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने सदन में स्थगन प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग की थी, जिसे स्पीकर ने अस्वीकार कर दिया। इसके बाद विपक्षी विधायकों ने गर्भगृह में जमकर नारेबाजी की। जिसके बाद नारेबाजी करने वाले विधायक निलंबित हो गए। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। मामले में विपक्ष ने दोबारा चर्चा की मांग की। इस पर बीजेपी विधायक सुशांत शुक्ला ने पुरानी सरकार से कुछ सवाल किया तो पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजेपी सदस्य चाहते हैं तो इस पर चर्चा होनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- आसंदी की व्यवस्था आने के बाद भी विपक्ष की मांग उचित नहीं है। सदन में चर्चा के पर्याप्त मौके मिलेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने कहा- हसदेव क्षेत्र में सभी कोल

ब्लॉक रद्द करने को लेकर इस सदन में ही 26 जुलाई 2022 को संकल्प पारित किया गया। केंद्र सरकार को पत्र भेजा गया था, इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। सरकार बनने और मुख्यमंत्री बनने से पहले ही वन विभाग ने हसदेव में 15 हजार 307 पेड़ काटने की अनुमति दे दी। विधानसभा ने अशासकीय संकल्प पारित कर दिया था। इसके बाद भी इस तरह का आदेश जारी करना दुखद है। ये गंभीर समस्या है। हसदेव के खत्म होने से बांगो बांध का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- इसी सदन में सर्व सम्मति से अशासकीय संकल्प पारित किया गया था। इसके बाद भी कटाई की अनुमति दे दी गई। ये कौन सी अदृश्य शक्ति है जिसने पेड़ों की कटाई की अनुमति दे दी गई। इससे वन्य जीव प्रभावित होंगे। स्थानीय आदिवासी प्रभावित होंगे। बांगो बांध प्रभावित होने की वजह से कई जिलों में सिंचाई पर असर होगा। कांग्रेस विधायक कुंवर निषाद और विक्रम मंडावी ने कहा- जंगल खत्म होने से जन जीवन प्रभावित होगा। हसदेव में हाथी मानव द्वन्द चल रहा है। क्षेत्र के आदिवासी अपनी बात नहीं रख पा रहे हैं। आदिवासियों के जल जंगल और जमीन पर खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस विधायक अनिला भेंडिया ने कहा- उद्योगपतियों के लिए जंगल काटा जा रहा है। केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार है। हसदेव को बचाने और आदिवासियों के संरक्षण के लिए काम करना चाहिए। विधायक अंबिका मरकाम ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री आदिवासी हैं। हसदेव में आदिवासियों का सबसे बड़ा नुकसान हो रहा है। हम मानते हैं कि आदिवासी मुख्यमंत्री होने का लाभ मिलना चाहिए था।

सीएम साय के सलाहकार बने पंकज झा

राज्य सरकार ने मीडिया सलाकार किया नियुक्त, विशेष सचिव स्तर की दी जाएंगी सुविधाएं

रायपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मीडिया सलाहकार मिल गए हैं।

भाजपा नेता पंकज झा को मुख्यमंत्री का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री की टीम में ये पहली सियासी नियुक्ति है। इसे लेकर सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। झा को विशेष सचिव स्तर की सुविधाएं दी जाएंगी। झा भाजपा के मुखपत्र दीपकमल का प्रकाशन देखा करते थे।

इसके अलावा रमन सिंह सरकार के वक्त उन्हें मुख्यमंत्री के प्रचार अभियान, राष्ट्रीय नेताओं के लिए राजनीति कंटेंट तैयार करने। माना जा रहा है कि भाजपा के कुछ अन्य चेहरों को भी मुख्यमंत्री का अन्य फील्ड जैसे कृषि, संस्कृति, राजनीतिक मामलों में सलाहकार नियुक्त किया जा सकता है।

नक्सलियों का प्रचार-प्रसार करने वाले छह लोग गिरफ्तार

पुलिस ने बरामद किए पोस्टर और बैनर

कांकेर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नक्सलियों के प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर बांटने आए छह लोगों को कांकेर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अंतागढ़ थाना क्षेत्र के नवागांव में पुलिस ने चेक पोस्ट के पास नक्सलियों का प्रचार-प्रसार कर रहे सदस्य को गिरफ्तार किया है। इनके पास से नक्सली बैनर, पोस्टर बरामद किया गया है। वहीं, तीन मोटरसाइकिल को जब्त किया गया है। कांकेर पुलिस ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बड़ेधौसा के जंगल से अंतागढ़ शहर की ओर नक्सलियों का बैनर-पोस्टर लगाने और नक्सली संगठन का प्रचार-प्रसार करने के लिए नक्सल सदस्य आने वाले हैं। सूचना पर थाना प्रभारी अंतागढ़ के नेतृत्व में पुलिस टीम रवाना हुई थी। नवागांव नदी पुलिया के पास सड़क पर पुलिस ने मोबाइल चेक पोस्ट लगाया था। इस दौरान आमागांव तरफ से अंतागढ़ आ रहे तीन बाइक पर कुल छह नक्सल प्रचार-प्रसार सदस्यों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

पूछताछ करने पर अपना नाम लखन लाल नुरूटी, शैलेंद्र कुपाल, सुकरेन ध्रुव, हेमराज मंडावी, हरिश कुमार बघेल, सुनतेर गावड़े ग्राम बड़ेधौसा के नक्सल प्रचार-प्रसार सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि प्रचार-प्रसार सदस्य के रूप में काम करना कबूल किया तथा अपने साथ रखे माओवादियों के तीन लाल कलर के बैनर, 50 पंपलेट को अंतागढ़ शराब भट्ठी के पास लगाने वाले थे।

कम नहीं हो रहीं हेमंत सोरेन की मुश्किलें

ईडी हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ाई गई

रांची, 7 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। रांची की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने बुधवार को हेमंत सोरेन की हिरासत पांच और दिन के लिए बढ़ा दी। सोरेन की पिछली पेशी के दौरान कोर्ट ने उन्हें पांच दिन की प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले ईडी ने पिछले बुधवार यानी 31 जनवरी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सात घंटे की पूछताछ के बाद झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले सोरेन को ईडी की हिरासत में राज्यपाल से मिलकर सीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इससे पहले हेमंत सोरेन की तरफ से प्रवर्तन निदेशालय के अफसरों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट में दर्ज एफआईआर को लेकर एजेंसी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। ईडी ने सोरेन के केस दर्ज कराने के फैसले को चुनौती दी है। बताया गया है कि एजेंसी ने इस मामले में झारखंड हाईकोर्ट में तीन फरवरी को याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि हाल ही में ईडी की टीमों ने हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इसी के बाद सोरेन ने रांची पुलिस से ईडी अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की और एफआईआर दर्ज कराई गई। बता दें कि सोरेन के दिल्ली आवास में छापेमारी के बाद ईडी ने भारी मात्रा में बंगले से नकदी बरामद की थी। ईडी के अधिकारियों ने बताया था कि हेमंत सोरेन के बंगले से 36 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, साथ ही दो लग्जरी कार भी जब्त की गईं।

सांसदी के लिए बीजेपी में 50 से ज्यादा दावेदार

बिलासपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के सामने एक अनार सौ बीमार वाली स्थिति है। हालत ये है कि सांसदी के टिकट के लिए दावेदारों की संख्या 50 तक पहुंच गई है।

विधानसभा चुनाव में ऐसी ही पसोपेश में कांग्रेस फंसी थी, जिसके सामने बेलतरा सीट के लिए 110 दावेदार आए थे। मंगलवार को लोकसभा के बीजेपी पर्यवेक्षक रायशुमारी करने बिलासपुर पहुंचे तो दावेदारों की कतार लग गई। इस दौरान पर्यवेक्षकों ने वन टू वन चर्चा की और दावेदारी का आधार पूछा। ज्यादातर नेताओं ने अपनी उपलब्धि और क्षमता बताने की बजाए, यही कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी के टक्कर में कोई नहीं है। लिहाजा, बिलासपुर सीट पर भी बीजेपी की जीत तय है। बीजेपी प्रदेश संगठन ने सभी 11 लोकसभा क्षेत्रों में प्रत्याशी तय करने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

वरुण घोष ने रचा इतिहास

भारतीय मूल के पहले ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर बने, पहली बार भागवत गीता की शपथ

मेलबर्न, 7 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय मूल के अधिवक्ता वरुण घोष ने मंगलवार को इतिहास रच दिया। वह पहले ऐसे ऑस्ट्रेलियाई सांसद बन गए हैं जिनका जन्म भारत में हुआ है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के वरुण घोष को सबसे नया सीनेटर नियुक्त किया गया है। इससे पहले विधानसभा और विधान परिषद ने उन्हें संघीय संसद सीनेट में ऑस्ट्रेलियाई राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। वरुण घोष का स्वागत करते हुए ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि आपको लेबर पार्टी की सीनेट टीम में देखकर बहुत खुशी हुई। वरुण पहले ऐसे ऑस्ट्रेलियाई सांसद हैं जिन्होंने भागवत गीता की शपथ ली है। इसकी काफी चर्चा हो रही है।

पेनी वोंग ने एक्स पर लिखा कहा, 'पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से हमारे सबसे नए सीनेटर वरुण घोष आपका स्वागत है। सीनेटर घोष पहले ऐसे ऑस्ट्रेलियाई सीनेटर हैं जिन्होंने भागवत गीता की शपथ ली है। मैंने अक्सर कहा है कि जब आप किसी चीज में सबसे पहले होते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होता है कि आप आखिरी नहीं है।' उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि सीनेटर घोष अपने समुदाय और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लोगों के लिए आवाज बनेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज ने वरुण घोष को बधाई दी है।

लेबर पार्टी से की है राजनीतिक करियर की शुरुआत

वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की विधानसभा ने अपने बयान में कहा कि विधानसभा और विधान परिषद ने सीनेटर वरुण घोष को संघीय संसद में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना है। वरुण पेशे से एक वकील हैं और पर्थ शहर में रहते हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से आर्ट्स और लॉ की पढ़ाई की है। वह पहले न्यूयॉर्क में फाइनेंस अटार्नी और वॉशिंगटन में विश्वबैंक में सलाहकार रह चुके हैं। वरुण घोष ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत पर्थ में लेबर पार्टी से की थी।

वरुण जब मात्र 17 साल के थे तब उनका परिवार 1980 के दशक में भारत से ऑस्ट्रेलिया लौट आया था। वरुण ने अपने एक बयान में कहा, 'मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे अच्छी शिक्षा मिली और मैं अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा में भरोसा करता हूं। साथ ही मानता हूं कि हर व्यक्ति के लिए ट्रेनिंग का मौका उपलब्ध रहना चाहिए।' पिछले कुछ सालों से वरुण पर्थ में वकालत कर रहे हैं और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में कानूनी मामलों को देख रहे हैं।

चुनाव से एक दिन पहले पाकिस्तान में धमाका

निर्दलीय उम्मीदवार के कार्यालय के बाहर विस्फोट, 25 की मौत, 40 घायल

इस्लामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आम चुनाव से एक दिन पहले बुधवार को अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक निर्दलीय उम्मीदवार के चुनाव कार्यालय के बाहर भीषण बम विस्फोट हुआ। इस दौरान 25 लोग मारे गए और 40 से ज्यादा घायल हो गए हैं। विस्फोट बलूचिस्तान के पिशिन जिले में खानोजई क्षेत्र स्थित निर्दलीय उम्मीदवार असफंदयार खान काकड़ के कार्यालय के बाहर हुआ। पांगुर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अब्दुल्ला जेहरी ने कहा, ''निर्दलीय उम्मीदवार असफंदयार खान काकड़ के कार्यालय के बाहर भीषण बम विस्फोट हुआ। इस घटना में कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।'' पुलिस ने बताया कि बम उम्मीदवार के चुनाव कार्यालय के बाहर एक बैग में रखा गया था जिसमें 'टाइमर' लगा था।

म्यांमार में सेना और विद्रोहियों ने बांग्लादेश की सीमा में बरसाए गोले

ढाका, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने म्यांमार बॉर्डर पर गोलीबारी की घटना को लेकर अपनी नाराजगी का इजहार किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को सीमा पार से हुई गोलाबारी पर स्पष्टीकरण देने के लिए म्यांमार के राजदूत को तलब किया। सोमवार को बंदरबन में बॉर्डर पर हुई फायरिंग में बांग्लादेश के दो लोगों की मौत हो गई थी। बांग्लादेशी अधिकारियों के अनुसार, म्यांमार के साथ मंत्रालय के संबंधों के प्रमुख मियां मोहम्मद मैनुल कबीर ने रखाइन की ओर से गोलाबारी पर ढाका में जुंटा शासन के राजदूत आंग क्याव मो को विरोध पत्र सौंपा। उन्होंने बांग्लादेश में रिहाइशी इलाकों में मोर्टार गिरने पर सख्त एतराज जताते हुए ऐसी घटनाएं रोकने के लिए कहा।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बताया कि करीब 30 मोर्टार गोले बांग्लादेश के अंदर गिरे, जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई। बंदरबन जिले के प्रमुख शाह मुजाहिद ने कहा कि सीमा पर भारी लड़ाई शुरू होने और बांग्लादेश के अंदर मोर्टार गिरने के बाद से अधिकारियों ने लगभग 180 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है। फिलहाल इलाके में शांति है और हालात पर रक्षाबल नजर रख रहे हैं।

म्यांमार छोड़कर भाग रहे जुंटा सैनिक

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) का कहना है कि म्यामांर में विद्रोही गुटों के सामने हथियार डालने को मजबूर जुंटा सैनिक लगातार बांग्लादेश में आने की कोशिश कर रहे हैं। बीजीबी चीफ मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज्जमां सिद्दीकी ने कहा कि मंगलवार को 158 जुंटा सैनिकों ने सीमा पार की। सैनिकों के हथियार लेते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि म्यांमार के रखाइन से रविवार से अब तक सीमा रक्षकों और आव्रजन कर्मचारियों सहित 264 शासन कर्मी बांग्लादेश में प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि 65 रोहिंग्याओं ने भी नाव से सीमा पार करने की कोशिश की, जिन्हें हिरासत में ले लिया गया।

बांग्लादेश के कानून मंत्री अनीसुल हक ने बताया है कि प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रखाइन राज्य में म्यांमार के शासन और अराकान सेना के बीच संघर्ष के दौरान सशस्त्र बलों और बीजीबी को धैर्य दिखाने का निर्देश दिया। हक ने कहा कि हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। रोहिंग्या को वापस भेजने के लिए म्यांमार के शासकों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इसके लिए म्यांमार के रक्षा अताशे से भी बात की गई है।

राजनीतिक दल महिलाओं को 5% सीटें आवंटित करने में भी नाकाम

इस्लामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आम चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। तमाम राजनीति दलों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है। आम चुनाव के लिए मतदान में महज एक दिन ही बचा है। पाकिस्तान के राजनीतिक दलों के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच, पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग ने सामान्य सीटों पर महिलाओं के लिए अपनी पार्टी के कम से कम पांच प्रतिशत उम्मीदवारों को आवंटित करने में राजनीतिक दलों की विफलता पर निराशा जताई है। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग(एचआरसीपी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए आम चुनाव के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व की आवश्यकता की वकालत की। उन्होंने कहा कि कम से कम एक तिहाई उम्मीदवार महिलाएं हों। गौरतलब है कि एचआरपीसी एक स्वतंत्र अधिकार निकाय है, जो आम चुनाव में महिलाओं की भागीदारी पर जोर देता है। एचआरसीपी ने इस मुद्दे के संबंध में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) से स्पष्टीकरण का अनुरोध करने के इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। इससे चुनाव में महिलाओं उम्मीदवारों की भागीदारी को बल मिलेगा। राजनीतिक दलों द्वारा उम्मीदवारों की अंतिम सूची के प्रकाशन में देरी के बारे में गंभीर चिंता साझा करते हुए संगठन ने कहा कि चुनावी प्रतीकों के आवंटन के लिए उनकी पात्रता के लिए अनुच्छेद 206 का अनुपालन एक कानूनी दायित्व था। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ईसीपी द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए, फाउंडेशन ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आयोग महिलाओं को पार्टी के 5 प्रतिशत टिकटों का आवंटन सुनिश्चित करेगा। इससे पहले, पाकिस्तान चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से आगामी आम चुनावों के लिए सामान्य सीटों पर महिलाओं का पांच प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया था।

पाकिस्तान 5 साल में बनेगा सुपर पावर

दिल्ली करेंगे फतह, 'लाल टोपी' जैद हामिद की गीदड़भभकी, अपनों ने उड़ाया मजाक

इस्लामाबाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के धुर दक्षिणपंथी राजनीतिक कमेंटेटर जैद हामिद का अपना ही देश में मजाक उड़ रहा है। लाल टोपी के नाम से मशहूर कट्टरपंथी हामिद भारत पर कब्जा करने और दुनिया में पाकिस्तान के सुपर पावर बनने जैसे दावे करते रहे हैं, इन्हीं बयानों को लेकर अब लाल टोपी जैद घिरे हैं। इस्लामाबाद की पत्रकार आरजू काजमी ने अपने यूट्यूब पर जैद हामिद का 6 साल पुराना एक बयान चलाया। इसमें जैद हामिद कह रहे हैं कि पाकिस्तान आने वाले पांच साल में सुपरपावर बन जाएगा और पूरी दुनिया के फैसले पाकिस्तान से हो रहे होंगे। मैं शर्त लगा सकता हूं कि आने वाले पांच साल में हम चांद पर बैठे होंगे। आरजू काजमी ने जैद का मजाक उड़ाते हुए कहा कि आज के समय में भी लोग इनको सीरियस लेते हैं। ये छह साल पहले जो शर्त लगा रहे थे, उसका टाइम पूरा हो गया है। ऐसे में अब तक पाकिस्तान को सुपरपावर बन जाना चाहिए था और चांद पर भी चले जाना चाहिए था। हम तो चांद के आसपास भी नहीं लेकिन भारत जरूर चांद पर चला गया है। आरजू ने कहा कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) को निजी हाथों में देने की तैयारी हो रही है, इसके लिए आईएमएफ से इजाजत मिल गई है। पीआईए मंदी की मार झेल रहा है, सरकार के पास पीआईए चलाने के लिए पैसा नहीं है। देश में महंगाई और दूसरी चीजें भी छुपी नहीं हैं तो जैद बताएंगे सुपरपावर बनने का क्या हुआ है।

पाकिस्तानी पत्रकार आरजू और जैद हामिद

'भारत पर करेंगे कब्जा'

आरजू ने जैद के एक और पुराने बयान पर भी खूब मजे लिए हैं। इस बयान में जैद ने कहा था जल्दी ही गजवा-ए-हिन्द होगा यानी युद्ध करके भारत को जीत लिया जाएगा। हम दिल्ली को फतह करेंगे और बड़ा दिल दिखाते हुए भारतीयों को माफ कर देंगे। आरजू ने ये बयान दिखाते हुए कहा ये दिल्ली फतह करने की बात करते हैं, इनसे अपने देश में टीटीपी से नहीं निपटा जा रहा है। रोज धमाके हो रहे हैं। जिस तरह की देश की सुरक्षा की और अर्थव्यवस्था की हालत है, उससे ही अपनी जान बचा लीजिए।

आर्थिक संकट के बावजूद विकास की उम्मीद

श्रीलंकाई संसद के सत्र में बोले राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

कोलंबो, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नकदी संकट से जूझ रही श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव के संकेत राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने दिए हैं। बुधवार को राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि पिछली साल नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने 2023 की तीसरी तिमाही में 1.6 प्रतिशत की विकास दर के साथ वापसी की है। गौरतलब है कि 1977 के बाद पहली बार 2023 के अंत तक अधिशेष भी हासिल किया है। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे श्रीलंकाई संसद के पांचवें सत्र के पहले दिन सरकारी नीतियों पर भाषण दे रहे थे। संसद में अपने भाषण के दौरान राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि 2022 में 7.8 फीसदी जीडीपी संकुचन और लगातार छह तिमाहियों से नकारात्मक वृद्धि के बावजूद देश ने 2023 की तीसरी तिमाही में देश ने वापसी की है। इसके साथ ही विक्रमसिंघे ने आगे देश के आर्थिक परिदृश्य में एक जरूरी बदलाव की घोषणा भी की है। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए यह घोषणा की है कि सरकार को उम्मीद है कि आर्थिक सुधारों को लागू करना जारी रखकर देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर करते हुए लोगों पर कर का बोझ कम किया जाएगा। राष्ट्रपति ने पांचवें सत्र के उद्घाटन को एक औपचारिक समारोह के रूप में आयोजित करने का निर्देश दिया था। इससे पूर्व जनवरी माह में अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका और भारत के जमीन संपर्क को बेहद अहम करार दिया है। उन्होंने युद्धग्रस्त क्षेत्र के विकास पर चर्चा के लिए जाफना का दौरा किया था। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पूर्वोत्तर मन्नार और दक्षिण भारत के बीच पुल बनाने के विचार पर चर्चा की है। विक्रमसिंघे ने कहा, दिवालिया हो चुकी श्रीलंकाई अर्थव्यवस्था को दोबारा मजबूत बनाने के लिए वह ऐसे फैसले लेने को भी तैयार हैं, जो जनता की नजर में अलोकप्रिय हो सकते हैं। उन्होंने उत्तरी क्षेत्र जाफना की अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने के तरीकों पर काम करने का वादा भी किया था।

चीनी जासूसी जहाजों के सामने कहीं नहीं टिकता भारत

मालदीव तक लगा रहे गश्त, आईएनएस 'संधायक' से होगा बेड़ा पार?

माले, 7 फरवरी (एजेंसियां)। चीन के जासूसी जहाज दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर को छान डालने में जुट गए हैं। चीन के एक के बाद एक कई जासूसी जहाज अब हिंद महासागर में पहुंच रहे हैं। ताजा मामला मालदीव का है। श्रीलंका के मना करने के बाद अब चीन का जासूसी जहाज मालदीव पहुंच रहा है जहां ड्रैगन की गोद में जा चुके राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू उसका स्वागत करने जा रहे हैं। मुइज्जू भारत विरोध में लगातार कई जहरीले बयान दे रहे हैं और नई दिल्ली के विरोध के बाद भी चीनी जासूसी जहाज को अनुमति देना भी इसी को दर्शाता है। चीनी जहाजों के बढ़ते खतरों के बीच अब भारतीय नौसेना ने भी आईएनएस संधायक को अपने बेड़े में शामिल किया है। यह भारत का पहला सर्वे करने वाला शिप है। अगर भारत और चीन की तुलना करें तो चीन के पास जहां 64 जासूसी जहाज हैं, वहीं भारत के पास सिर्फ 1 है। संधायक का मतलब है कि एक ऐसा जहाज जो विशेष सर्च करता है। गत 3 फरवरी को भारतीय नौसेना ने पहले स्वदेशी सर्वे जहाज आईएनएस संधायक को शामिल किया है। भारत कुल 4 सर्वे जहाज बना रहा है। इसमें संधायक पहला है। अगर चीन की बात करें तो उसके पास 64 पंजीकृत सर्वे जहाज हैं और बहुत तेजी से हिंद महासागर इलाके में की मैपिंग कर रहा है। इससे आने वाले समय में चीन आसानी से अपनी पनडुब्बियों को हिंद महासागर में भेज पाएगा। अब भारत ने चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए आईएनएस संधायक को शामिल किया है जो समुद्र के अंदर हाइड्रोग्राफिक सर्वे करेगा। आईएनएस संधायक में 80 फीसदी स्वदेशी उपकरण लगे हुए हैं। इससे पहले साल 2021 में भारतीय नौसेना के अकेले हाइड्रोग्राफिक सर्वे जहाज को रिटायर कर दिया गया था। अब उसकी जगह पर संधायक को शामिल किया गया है। साल 2021 से 2024 के बीच कोई भी सर्वे जहाज भारत के पास नहीं था। वह भी तब जब चीन बहुत आक्रामक तरीके से अपने जासूसी करने में सक्षम जासूसी जहाजों को भेज रहा है। सर्वे जहाज समुद्र के अंदर मौजूद ढांचों की जांच करने के लिए बनाए गए हैं। ये साउंड वेब को समुद्र के अंदर भेजते हैं और पानी के अंदर नमूने इकट्ठा करते हैं। यूरोएशियन टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इंटरनैशनल मेरिटाइम ऑर्गनाइजेशन के पास दर्ज आंकड़ों के अनुसार चीन के पास 64 पंजीकृत सर्वे जहाज हैं। चीन ने 1990 के बाद इन जहाजों का निर्माण शुरू किया है।

म्यांमार में रहने वाले भारतीयों को एडवाइजरी

विदेश मंत्रालय ने कहा– रखाइन प्रांत न जाएं, वहां रह रहे भारतीय फौरन निकलें

म्यांमार, 7 फरवरी (एजेंसियां)। म्यांमार में हिंसा और तनाव के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय वहां रहने वाले भारतीयों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीय नागरिकों को वहां के रखाइन प्रांत की यात्रा नहीं करने के लिए कहा गया है। मंत्रालय की ओर से यह भी कहा गया कि रखाइन प्रांत में रह रहे भारतीय फौरन किसी सुरक्षित जगह चले जाएं। विदेश मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा- बिगड़ती सुरक्षा स्थिति, लैंडलाइन समेत कम्युनिकेशन के अन्य साधनों की स्थिति बिगड़ रही है। जरूरी सामान की कमी भी हो रही है। इसे देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे म्यांमार के रखाइन प्रांत की यात्रा न करें। जो भारतीय नागरिक पहले से ही रखाइन में हैं, उन्हें तुरंत यहां से बाहर निकलने की सलाह दी जाती है। दरअसल, फरवरी 2021 में म्यांमार में सेना ने लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर सस्ता पर कब्जा कर लिया। वहां की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी। इसके बाद से म्यांमार में गृह युद्ध चल रहा है। 1 फरवरी को विदेश मंत्रालय के स्पोक्सपर्सन रणधीर जैसवाल ने कहा था- हम म्यांमार में बिगड़ती स्थिति से चिंतित हैं, जिसका सीधा असर हम पर पड़ रहा है। एक पड़ोसी देश और म्यांमार के मित्र के रूप में भारत लंबे समय से हिंसा के खात्मे और समावेशी संघीय लोकतंत्र की वकालत करता रहा है।

म्यांमार के साथ भारत की खुली सीमा है। ये चार राज्यों से लगती है। दोनों देशों के बीच 1600 किलोमीटर का बॉर्डर है। भारत-म्यांमार के बीच फ्री मूवमेंट का एग्रीमेंट 1970 में हुआ था।

सऊदी बोला- इजराइल के साथ डिप्लोमैटिक रिश्ते नहीं बनाएंगे

रियाद, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सऊदी अरब का कहना है कि जब तक फिलिस्तीन स्वतंत्र राज्य नहीं बन जाता, तब तक सऊदी और इजराइल के बीच कोई राजनयिक संबंध नहीं होंगे। सऊदी अरब ने यह बात अमेरिका से कही है। दरअसल, अमेरिका इजराइल-सऊदी रिलेशन शुरू कराने को लेकर तमाम कोशिशें कर रहा है। हालांकि, बुधवार को सऊदी ने साफ कर दिया कि जब तक फिलिस्तीनियों को उनके अधिकार नहीं मिल जाते वो इजराइल के साथ संबंध नहीं रखेगा। सऊदी विदेश मंत्रालय ने कहा- हमने अमेरिका को बता दिया है कि हम इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तक तक नहीं शुरू करेंगे जब तक वो गाजा में हो रहे हमले रोक नहीं देता। एक दिन पहले यानी 6 फरवरी को ही अमेरिका ने कहा था कि इजराइल और सऊदी के बीच राजनयिक संबंध बनाने को लेकर बातचीत करने के लिए राजी हैं।

भारत आ रहे अमेरिकी जहाज पर हमला

ब्रिटिश शिप पर भी ड्रोन अटैक, 3 दिन पहले यूएस-यूके ने हूती ठिकानों को निशाना बनाया था

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने दो जहाजों पर हमला किया। ये जहाज अमेरिका और ब्रिटेन के थे। इनमें से एक जहाज अमेरिका से भारत आ रहा था। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) के मुताबिक मंगलवार गेर रात लाल सागर में आगे बढ़ रहे अमेरिकी जहाज स्टार नासिया के नजदीक हूतियों की बोट देखी गई थी। वहीं, ब्रिटेन के जहाज मॉर्निंग टाइड पर मंगलवार सुबह हमला हुआ। दोनों जहाजों पर कितने क्रू मेंबर सवार थे इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अमेरिका और ब्रिटेन की सेना ने साथ मिलकर शनिवार 3 फरवरी देर रात यमन पर हमला किया। बीबीसी के मुताबिक, सैनिकों ने हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके पर हमला किया। अमेरिकी एयरफोर्स के हवाले से बताया गया कि हमले 36 ठिकानों पर किए गए। इनमें हथियार रखने की जगह, मिसाइल, एयर डिफेंस सिस्टम और रडार से जुड़ी साइट्स शामिल थे। दरअसल, हूती विद्रोही लगातार लाल सागर में जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इसके खिलाफ अमेरिका और ब्रिटेन कार्रवाई कर रहे हैं। दोनों देशों का यह तीसरा जॉइंट ऑपरेशन है। इसके पहले अमेरिका और ब्रिटेन ने 28 जनवरी और 11 जनवरी को यमन पर हमला किया था। वहीं, 11 जनवरी से अब तक अमेरिका 10 बार यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बना चुका है।

अमेरिका और ब्रिटेन ने बयान जारी कर कहा- हूती विद्रोहियों के हमलों के चलते लाल सागर से गुजरने वाले 2 हजार जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ा। इस समुद्री रास्ते से जहाज दुनियाभर में इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट करते हैं। इसी रास्ते पर दुनिया का करीब 15% शिपिंग ट्रैफिक होता है। हूती विद्रोहियों के हमलों से यूरोप और एशिया के बीच मुख्य मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

कैलिफोर्निया की सरकार ने माना हिंदू धर्म का हिस्सा नहीं जातीय भेदभाव

हिंदू संगठन बोले– ये बड़ी जीत

वॉशिंगटन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में हिंदू धर्म को बदनाम करने की साजिश विफल हो गई है। दरअसल कैलिफोर्निया सरकार के एक सरकारी विभाग 'नागरिक अधिकार विभाग' ने कहा है कि जाति आधारित भेदभाव हिंदू धर्म का जरूरी हिस्सा नहीं है। इसके साथ ही विभाग ने साल 2020 में दर्ज हुई शिकायत में संशोधन कर दिया है।

बता दें कि कैलिफोर्निया के नागरिक अधिकार विभाग ने बीते साल ही इस मामले में स्वैच्छिक रूप से अपने आप को अलग कर लिया था। अमेरिका में हिंदुओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने बयान जारी कर बताया कि 'अमेरिका के नागरिक अधिकार विभाग ने दिसंबर के पहले हफ्ते में सिस्को सिस्टम्स के खिलाफ दर्ज शिकायत में संशोधन कर लिया था, जिसमें कंपनी के भीतर जाति आधारित भेदभाव के आरोप लगाए गए थे।' संगठन ने कहा कि 'यह हिंदू अमेरिकियों के लिए बड़ी जीत है। शिकायत में गलत और असंवैधानिक बात को हटा दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि 'जाति आधारित भेदभाव हिंदू धर्म और उसकी शिक्षाओं का अनिवार्य हिस्सा है।'

करप्शन मामले में श्रीलंकाई मंत्री गिरफ्तार

कोलंबो, 7 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीलंका के कैबिनेट मिनिस्टर केहेलिया रामबुकावेला को करप्शन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। प्रेसिडेंट रानिल विक्रमसिंघे के कहने पर उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। रामबुकावेला पर आरोप है कि उन्होंने हेल्थ मिनिस्टर रहते हुए कैंसर की नकली दवाइयां खरीद को मंजूरी दी, जबकि वो इस मामले की तमाम हकीकत को जानते थे।

श्रीलंकाई मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक- रामबुकावेला ने यह जानलेवा करप्शन उस दौर में किया, जब श्रीलंका दिवालिया हो चुका था और देश में एक बार फिर सिविल वॉर के हालात नजर आ रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- रामबुकावेला को पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे का दायां हाथ माना जाता है। यही वजह है कि उनके खिलाफ एक्शन लेने से सरकार कतरा रही थी। हालांकि, इस स्कैंडल के उजागर होने के बाद लोगों में काफी गुस्सा था और इसी वजह से न सिर्फ रामबुकावेला को गिरफ्तार किया गया बल्कि प्रेसिडेंट ने उनसे इस्तीफा भी ले लिया। रामबुकावेला फिलहाल एनर्वायर्नमेंट मिनिस्ट्री संभाल रहे थे। वो कैबिनेट मिनिस्टर थे। रामबुकावेला को लेकर सरकार इतनी हिचकिचा रही थी कि उनकी गिरफ्तारी पिछले हफ्ते शुक्रवार को हुई, लेकिन इसकी जानकारी मंगलवार शाम तब दी गई जब उनके इस्तीफे की खबर कन्फर्म हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक- रामबुकावेला ने हेल्थ मिनिस्टर रहते हुए कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली नकली दवाइयों की खरीद को मंजूरी दी। उस वक्त श्रीलंका ने खुद को दिवालिया घोषित कर दिया था और सिर्फ जरूरी चीजों के इम्पोर्ट की मंजूरी दी गई थी। इस मामले की जांच चल रही है और माना जा रहा है कि 15 फरवरी तक यह पूरी हो जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद न सिर्फ विपक्ष बल्कि सामाजिक कार्यकर्ता और आम लोग भी सड़कों पर आ गए थे।

भजन लाल सरकार के मंत्रियों को नहीं मिल रहे सरकारी बंगले, सामने आ रही ये बड़ी वजह

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मंत्रियों का बंगलों से मोह नहीं छूट रहा है। बड़ी बात यह है कि इनमें कई मंत्री तो विधानसभा चुनाव भी हार चुके हैं। नियमों के मुताबिक विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पूर्व मंत्रियों को दो माह में बंगला छोड़ना होता है।

राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मंत्रियों का बंगलों से मोह नहीं छूट रहा है। बड़ी बात यह है कि इनमें कई मंत्री तो विधानसभा चुनाव भी हार चुके हैं। नियमों के मुताबिक विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद पूर्व मंत्रियों को दो माह में बंगला छोड़ना होता है। 3 फरवरी को यह अवधि पूरी हो चुकी है। मंत्रियों के बंगले खाली नहीं करने से नए मंत्री बंगलों में शिफ्ट नहीं हो पा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी अभी ओटीएस स्थित

आवास में अस्थाई रूप से रह रहे हैं।

कांग्रेस की गहलोत सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे सी.पी. जोशी, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, रघु शर्मा, शांति धारीवाल और भाजपा की वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे नरपत सिंह राजवी सहित अन्य कई मंत्रियों व दिग्गज नेताओं ने बंगले खाली नहीं किए हैं। इनमें जोशी, खाचरियावास, रघु शर्मा और राजवी तो विधानसभा चुनाव भी हार चुके हैं।

लगेगा 10 हजार रुपए रोजाना जुर्माना

राज्य सरकार में नियम है कि पद पर नहीं रहने पर विधायक, मंत्री या मुख्यमंत्री को दो माह में बंगले खाली करने होते हैं। राजस्थान में तीन दिसंबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे आए थे।

ऐसे में यह दो माह की अवधि भी 3 फरवरी को पूरी हो चुकी है। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय राजस्थान विधानसभा में बिल भी पारित किया गया था, जिसमें सरकारी बंगले खाली नहीं करने पर 10 हजार रुपए प्रतिदिन जुर्माने का प्रावधान किया गया था।

पीडब्ल्यूडी ने लिया कई बंगलों का कब्जा

पूर्व मंत्रियों के जो बंगले खाली हो चुके हैं। उनका सार्वजनिक निर्माण विभाग ने कब्जा ले लिया है। कुछ की कब्जा लेने की प्रक्रिया चलना बताया जा रहा है। खाली हुए बंगलों को नए मंत्रियों को आवंटित करने को लेकर रिनोवेशन का काम शुरू कर दिया है।

भाजपा ने किया लोकसभा चुनाव की तैयारियों का शंखनाद, कार्यकर्ता रहे मौजूद

भीलवाड़ा, 7 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विश्वगुरु बनाने की कल्पना के साथ कहा है कि 2024 का चुनाव आने वाले एक हजार वर्षों के लिए मजबूत नींव रखने वाला साबित होगा। अपने जिले में भी लोकसभा चुनाव की इस प्रकार तैयारी करनी है कि भीलवाड़ा देश में सर्वाधिक मतों से जीत वाली लोकसभा सीट बन जाए।

प्रदेश में लोकसभा कार्यालय खोलने में भी भीलवाड़ा प्रथम जिला रहा है, इसी प्रकार प्रदेश द्वारा निर्देशित श्री राम मंदिर दर्शनाथ कार्यक्रम अभियान, नव मतदाता अभियान, शक्ति वंदन अभियान, दीवार लेखन अभियान, लाभार्थी संपर्क अभियान, पार्टी

ज्वाइनिंग अभियान में भी जिले को प्रथम स्थान पर लाना है। हम सभी को सबका साथ सबका विकास के संकल्प के साथ राष्ट्र निर्माण के इस अभियान में सहभागी बनना है।

भीलवाड़ा में होगी एतिहासिक जीत

बैठक के प्रारंभ में जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में भीलवाड़ा को कांग्रेस मुक्त जिला बनाया है। उसी प्रकार लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को भीलवाड़ा में ऐतिहासिक जीत दिलानी है। जिला प्रभारी रतनलाल गाडरी ने कहा कि जिले के कमजोर बूथों पर विशेष ध्यान देते हुए जिला स्तर से लेकर पन्ना प्रमुख, पेज समिति प्रमुखों तक सभी को मजबूत करना है। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी ने किया। अंत में आभार जिला महामंत्री भगवती प्रसाद जोशी ने व्यक्त किया।

राजस्थान में रचने जा रहा इतिहास : विधानसभा में आज पहली बार महिला वित्त मंत्री दिया कुमारी करेगी लेखानुदान पेश

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पार्टी की सरकार आने से कार्यकर्ता अहम नहीं पाले, लोगों का काम करें : दीया कुमारी,राजस्थान में पार्टी की सरकार आने से कार्यकर्ता अहम नहीं पाले, लोगों का काम करें : दीया कुमारी,राजस्थान में पार्टी की सरकार आने से कार्यकर्ता अहम नहीं पाले, लोगों का काम करें : दीया कुमारी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में कल लेखानुदान सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। जिसे पारित भी करवाया जाएगा। हालांकि यह बजट पूर्णकालिक नहीं होकर लेखानुदान होगा। प्रदेश में पहली

बार ऐसा होने जा रहा है कि कोई महिला स्वतंत्र रूप से वित्तमंत्री के रूप में बजट पेश करेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ही बजट पेश करते थे। वर्ष 2003 से 2023 तक दो बार मुख्यमंत्री के रूप में वसुंधरा राजे और दो बार ही अशोक गहलोत ने वित्त मंत्री के तौर पर बजट पेश किया। कल पहली बार स्वतंत्र रूप से वित्तमंत्री का जिम्मा संभाल रहीं दिया कुमारी लेखानुदान पेश करेगी। हालांकि, यह बजट पूर्णकालिक नहीं होकर लेखानुदान होगा। जिसमें सरकार 3 महीने के लिए अपना लेखानुदान सदन में पेश कर उसे बहुमत के साथ पारित करवाएगी। बता दें कि कोई भी नई सरकार बनती है तो उसे अपना बजट पेश करना होता है। राजस्थान में हमेशा सरकार का गठन दिसम्बर माह में ही होता है। जबकि 1 अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष शुरू होता है। ऐसे में कुछ महीनो के लिए सरकारी कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और अन्य सरकारी कार्यों के लिए राजकोष की जरूरत होती है। ऐसे में प्रावधान के अनुसार सरकार 3 महीने के लिए लेखानुदान प्रस्तुत करती है। जिसे विधानसभा से मंजूरी लेनी होती है।

माना जा रहा है कि बजट लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ही पेश किया जाएगा। लेखानुदान में पूर्णकालिक बजट की छाया दिखाई दे सकती है। महिलाओं के लिए खजाना खुल सकता है। जबकि युवाओं के लिए नौकरियों की घोषणाएं हो सकती है। इसके साथ चुनाव के बीच आम और ख़ास को देखते हुए पेट्रोल-डीजल पर लगाने वाले वेट को लेकर घोषणा हो सकती है।

कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने लोकसभा चुनाव का लिया फीडबैक, धौलपुर से 15 दावेदारों ने पेश की दावेदारी

धौलपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। बैठक में मौजूद राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा ने प्रदेश की सरकार को पर्ची वाली सरकार बताते हुए कहा कि वर्तमान सरकार गहलोत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद करने में लगी है। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी की यात्रा 10 मार्च को धौलपुर पहुंचेगी। जिसकी तैयारी को लेकर बैठक में चर्चा की गई। लोकसभा चुनाव का फीडबैक लेने पहुंचे पर्यवेक्षकों ने बताया कि धौलपुर करौली विधानसभा से करीब 35 दावेदारों ने अपनी दावेदारी दी है। पहले धौलपुर जिला कांग्रेस के पास 27 दावेदारों की सूची थी।

पर्यवेक्षकों ने बताया कि

आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस मोदी की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उन्होंने बताया कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस मजबूती से अपना प्रदर्शन करेगी। जिसको लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दी गई हैं।

जिला मुख्यालय पर हुई बैठक के दौरान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा, धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाहा, बसेड़ी विधायक संजय जाटव, राजाखेड़ा विधायक रोहित बोहरा और बाड़ी से कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत परमार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेपर लीक पर केंद्र सरकार ने बनाया कड़ा कानून तो पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कह दी बड़ी बात

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को समन्वय स्थापित कर पेपर लीक के विरुद्ध कानून को सख्ती से लागू करना चाहिए जिससे युवाओं के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि उनकी पेपर लीक पर सख्त कानून बनाने की लंबे समय से मांग के बाद अब केन्द्र सरकार इस पर दस साल की सजा और एक करोड़ रुपए जुर्माने का कानून बना रही है।

राजस्थान में है ये कानून

उन्होंने कहा हमारी लंबे समय से मांग थी कि भारत सरकार पेपर

लीक पर सख्त कानून बनाए जिस पर अब संसद में बिल पेश हुआ है। देश में सबसे पहले हमने राजस्थान में पेपर लीक पर उम्रकैद और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का कानून बनाया था। अब भारत सरकार 10 साल की सजा और एक करोड़ रुपए जुर्माने का कानून बना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को समन्वय स्थापित कर पेपर लीक के विरुद्ध कानून को सख्ती से लागू करना चाहिए जिससे युवाओं के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके।

मोदी सरकार को घेरा

इससे पहले उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के माध्यम से समाज के हर पिछड़े तबके को उनका हक दिलवाना आवश्यक है। मोदी सरकार 2021 की समय-सीमा पूरे होने के तीन साल बाद भी सामान्य जनगणना तक नहीं कर सकी है। इसके पीछे की वजह केन्द्र सरकार को बतानी चाहिए। गहलोत ने कहा कि हर तबके के साथ न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान में हमारी सरकार ने सामाजिक, आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण का फैसला किया था। देशभर में सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाना कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं इंडिया गठबंधन का कमिटमेंट है।

राजनीतिक नियुक्तियों का दौर शुरू

ओंकार सिंह को धरोहर प्राधिकरण का बनाया गया अध्यक्ष

जयपुर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर कला साहित्य संस्कृति एवं पुरातन विभाग के अंतर्गत राजस्थान धरोहर प्राधिकरण जयपुर के अध्यक्ष के रूप में ओंकार सिंह लखावत को पहली राजनीतिक नियुक्ति दे दी गई है।

ओंकार सिंह लखावत भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में आते हैं और वे राज्यसभा के सांसद भी रह चुके हैं। इसके साथ ही वे भारतीय जनता पार्टी के अनुशासन समिति के संयोजक के पद पर कार्यरत हैं। ओंकार सिंह लखावत की चुनाव के दौरान एक

अहम भूमिका भी देखने को मिली थी, जिसमें ओंकार सिंह लखावत द्वारा भाजपा द्वारा निकाली गई परिवर्तन संकल्प यात्रा में भी ओंकार सिंह की एक अहम भूमिका आ रही थी।

सरकार का अंग बनाया जाएगा

ओंकार सिंह लखावत की नियुक्ति के बाद से अब प्रदेश में उन हजारों उम्मीदवारों की उम्मीदों को नए पंख लगे हैं जो किसी भी कारण से विधानसभा चुनाव में टिकट पाने में सफल नहीं हो पाए थे, उन्हें उम्मीद थी कि सरकार आने के बाद कहीं ना कहीं किसी न किसी रूप में उन्हें भी सरकार का अंग बनाया जाएगा।

राजनीतिक नियुक्तियों का दौरा पूरा कर सकती

ओंकार सिंह लखावत की नियुक्ति के बाद से अब वह सब सरकार की तरफ आप भरी नजरों से देख रहे हैं कि राजनीतिक नीतियों में जल्दी ही उनका भी नंबर आ जाए, ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में जाने से पहले राजनीतिक नियुक्तियों का दौरा पूरा कर सकती है।

आरक्षण संघर्ष समिति और सरकारी कमेटी के बीच बात संपन्न

केंद्र से बात करेगी राज्य सरकार

भरतपुर

जयपुर के विद्युत भवन में राज्य सरकार की कमेटी और भरतपुर धौलपुर आरक्षण संघर्ष समिति ने मिलकर संयुक्त पत्रकार वार्ता की। राज्य सरकार की कमेटी ने कहा कि आने वाले तीन दिनों के भीतर राज्य सरकार केंद्र सरकार से इस संबंध में बात करेगी। राज्य सरकार द्वारा जाटों को केंद्र की ओबीसी में आरक्षण देने के संबंध में रुकावट के बारे में जांच की जाकर सरकार द्वारा भेजी गई तथ्यात्मक रिपोर्ट में यदि कोई संशोधन करना होगा तो वह हम करेंगे।

भरतपुर-धौलपुर आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक नेमसिंह फौजदार ने कहा कि जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा तब तक हमारा महापड़ाव जारी रहेगा और 7 मार्च को चक्काजाम किया जाएगा। राज्य सरकार ने हमें वार्ता के लिए बुलाया था।

सरकार द्वारा गठित कमेटी के सदस्यों ने लिखित में आश्वासन दिया है कि तीन दिन के भीतर केंद्र सरकार से वार्ता कर आरक्षण में आ रही रुकावट पर काम किया जाएगा। साथ ही यदि कुछ संशोधन किया जाना है तो वह भी किया जाएगा। जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा तब तक हमारा महापड़ाव जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य के साथ मिलकर वैधानिक और तकनीकी तथ्यों पर काम किया जाएगा, जिसकी वजह से यह आरक्षण रुका हुआ है। यदि सरकार आरक्षण देने की प्रक्रिया तेज कर देती है तो ठीक है अन्यथा हम सिर्फ आश्वासन में नहीं रहेंगे।

सरकार के साथ हुई वार्ता के बारे में सारी जानकारी से समाज के लोगों को अवगत करा दिया गया है। साथ ही तहसीलदार ने महापड़ाव स्थल पर पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठे लोगों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया।

महिला ने एसआई और कांस्टेबल को हनी ट्रैप में फंसाया

1 करोड़ की वसूली के बाद हुई गिरफ्तार

अलवर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अरावली विहार थाना पुलिस ने डीग थाने के एसएचओ महेन्द्र और जयपुर ग्रामीण के जोबनेर थाने के कांस्टेबल रोहिताश को हनी ट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने के मामले में 3 युवतियों सहित 4 जनों को गिरफ्तार किया है। एसएचओ और कांस्टेबल ने जाल में फंसने के बाद आरोपियों को करीब एक करोड़ रुपए दिए थे। इसके बाद भी आरोपियों की डिमांड कम नहीं हुई। आरोप है कि आरोपी महिला ने नशीला पदार्थ पिलाकर अश्लील फोटो और वीडियो बनाए। इसके बाद ब्लैकमेल किया। महिला के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज ब्लैकमेलिंग सहित अन्य 6 मामलों की सूची भी पुलिस को सौंपी गई है।

आरोपी महिला काफी समय से पुलिस इंस्पेक्टर महेन्द्र और कांस्टेबल रोहिताश को ब्लैकमेल कर रुपए की मांग कर थी। वह पुलिस इंस्पेक्टर से करीब 90 लाख रुपए और कांस्टेबल से 11 लाख रुपए वसूल चुकी थी। यह राशि आरोपी महिला के बैंक खातों में डलवाई गई थी। पीड़ितों की ओर से इसकी डिटेल भी उपलब्ध कराई गई है। 8 जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। इसमें से पुलिस ने 3 महिलाओं और एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पूर्व में अलवर एएसआइ भी फंसे

आरोपी महिला ने अरावली विहार थाने के एएसआई रामजीत गुर्जर के खिलाफ भी वर्ष 2021 में बलात्कार का मामला दर्ज कराया था। कोर्ट ने एएसआइ रामजीत के निलंबन के बाद 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई थी। इसके अलावा महिला ने 5 अन्य मामले भी दर्ज करा रखे हैं।

ससुराल में कदम रखने से पहले दुल्हन की मौत

लाश की हालत देखकर हर किसी का कांपा कलेजा

सीकर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। नई दुल्हन के स्वागत के लिए ससुराल में मंगल गीत गाए जा रहे थे, सजावट की जा रही थी और पूजा पाठ की तैयारी कर की जा रही थी। शुभ घड़ी में नई बहू पहली बार ससुराल में कदम रखती उसे यादगार बनाए जाने के लिए हर तैयारी की गई, लेकिन दुल्हन ससुराल में पहला कदम नहीं रख सकी। ससुराल से कुछ दूर पहले उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसे के बाद दुल्हन की कार चकनाचूर हो गई। लाश की हालत देखकर कलेजा मुंह को आ गया। दूल्हा गंभीर रूप से घायल है। वर और वधु पक्ष के लोग अस्पताल में मौजूद हैं। सीकर में आज तड़के बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे के बाद हडकंप मचा हुआ है। सीकर जिले के फतेहपुर इलाके में यह सड़क दुर्घटना हुई है।

पुलिस के अनुसार हादसा सीकर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58 पर फतेहपुर इलाके में सुबह करीब आठ बजे हुआ। सीकर जिले के ही लक्ष्मणगढ़ इलाके के बाटड़ानाऊ गांव से एक बारात हरियाणा गई थी। शादी होने के बाद दूल्हा और दुल्हन बाटड़ानाऊ गांव लौट रहे थे। उसी दौरान दूल्हे के गांव से कुछ ही किलोमीटर पहले ही दूल्हा और दुल्हन की कार एक डंपर से टकरा गई।

हादसा इतना जबर्दस्त था कि दुल्हन खुशबू की मौके पर ही मौत हो गई और दूल्हा गंभीर रूप से घायल हो गय। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां दुल्हन को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूल्हे को सीकर के कल्याण अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही दूल्हा और दुल्हन के घरों में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि दूल्हा रघुवीर जाट बाटड़ानाऊ का रहने वाला है। जबकि दुल्हन खुशबू उर्फ रेखा हरियाणा के सिरसा के ताजिया खेड़ा गांव की रहने वाली थी।

उल्लेखनीय है हाल ही सीकर जिले के लोसल इलाके में एक शादी से पहले दुल्हन के सगे भाई समेत उसके तीन जवान भाइयों की सड़क हादसे मौत हो गई थी। इनमें दो युवक लड़की की बुआ और मामा के बेटे थे। इस हादसे के बाद वहां शादी टाल दी गई और पूरा परिवार तथा गांव गम में डूब गया था।

कांग्रेस सरकार सभी लंबित परियोजनाओं को पूरा करेगी : शब्बीर अली

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार (एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक) के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार उन सभी परियोजनाओं और पहलों को पूरा करेगी जो पिछली बीआरएस शासन द्वारा लंबित रखी गई थीं। तेलंगाना में एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यकों का तेजी से विकास तेजी से सुनिश्चित किया जा सके। बुधवार को हज हाउस, नामपल्ली में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड और हज समिति के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि 'गार्डन व्यू वक्फ मॉल', जो लंबित है। पिछले 1% वर्षों से चल रहा काम जल्द ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि 2005 में डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी सरकार में तत्कालीन अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री के रूप में, उन्होंने 22 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके हज हाउस के दोनों ओर दो भूमि पार्सल खरीदने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 'गार्डन व्यू वक्फ मॉल' की नींव 22 फरवरी 2009 को रखी गई और निर्माण शुरू किया गया। सात मंजिल और दो तहखानों का निर्माण कांग्रेस शासनकाल में पूरा हुआ। हालाँकि, शब्बीर अली ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने लगभग 10 वर्षों तक इस परियोजना को नहीं छुआ। नतीजतन, इतने निवेश के बावजूद निर्माणाधीन इमारत बेकार पड़ी हुई है। शब्बीर अली ने अधिकारियों को परियोजना को पूरा करने के लिए नए सिरे से निविदाएं आमंत्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 'गार्डन व्यू वक्फ मॉल' में एक रेस्तरां और अन्य कार्यालय होंगे। इसका उपयोग हर साल एक महीने के लिए हज यात्रियों को ठहराने के लिए किया जाएगा। शेष 11 महीनों में, भवन का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाएगा, जिसमें उन छात्रों को बोर्डिंग सुविधाएं प्रदान करना शामिल है, जो दूर-दूर से सिविल सेवा और अन्य परीक्षाओं के लिए अध्ययन करने आते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना राज्य भर में 13,735 इमामों और मुअज्जिनों के मानदेय के लिए 7.35 करोड़ रुपये का बकाया जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि एक माह का बकाया बकाया है और वह भी जल्द जारी कर दिया जाएगा। शब्बीर अली ने कहा कि हज सीजन 2024 के लिए विस्तृत व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के लोगों सहित लगभग 10,000 हज यात्री हैदराबाद एम्बार्केशन प्वाइंट से पवित्र यात्रा के लिए रवाना होंगे।

निलोफर अस्पताल में लगी आग

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी निलोफर अस्पताल की पहली मंजिल पर बुधवार शाम को आग लग गई, जहां जैव रसायन प्रयोगशाला विंग स्थित है। पुलिस ने बताया कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। संदेह है कि स्विच बोर्ड पैनल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी।

पहली मंजिल से धुएं का भारी गुबार निकला और उसने मरीज वार्डों और अस्पताल के अन्य हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अस्पताल में इलाज करा रही महिला मरीजों और शिशुओं को तुरंत परिसर खाली करना पड़ा।

सूचना मिलने पर, विधानसभा फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी के साथ अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और तुरंत आग पर काबू पा लिया। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि घटना के आसपास मौजूद अधिकांश मरीजों को सही समय पर निकाल लिया गया था।

पादुका दर्शन समारोह 12 को

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। स्व-स्वरूप संप्रदाय- जिला सेवा समिति हैदराबाद के तत्वावधान में 12 फरवरी को अंबरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन पैलेस में जगद्गुरू स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज का पादुका दर्शन समारोह आयोजित किया गया है।

प्रेस विज्ञप्ती के अनुसार, जगद्गुरू रामानंदाचार्य दक्षिण पीठ, नाणीजधाम(महाराष्ट्र) के जगद्गुरू नरेंद्राचार्य महाराज का पादुका दर्शन समारोह उत्तराधिकारी कानिफनाथ महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है, भक्तों ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लेक दर्शन का लाभ लेने का आव्हान किया गया है।

राज्य पुरस्कार के लिए महिलाएं आवेदन करें : सावित्री

आसिफाबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कल्याण विभाग अधिकारी सावित्री ने एक बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रतिभाशाली महिलाओं, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में असाधारण परिस्थितियों में असाधारण सेवाएं प्रदान करने वाली महिलाओं को राज्य पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार समारोह 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित किया जाएगा और पात्र उम्मीदवारों से आवेदन इस महीने की 20 तारीख तक प्राप्त किए जाएंगे।

चिटफंड धोखाधड़ी मामले में तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वारू)। माधापुर पुलिस ने माधापुर पुलिस सीमा के तहत चिट फंड रैकेट मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने छह महीने पहले "समतामूर्ति चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड" के नाम और शैली के तहत एक चिट फंड कंपनी खोली और व्यवसाय चलाने के लिए कुछ कर्मचारियों को नियुक्त किया और व्यापक प्रचार किया और माधापुर, एलबी नगर और कुकटपल्ली में तीन शाखाएं खोलीं। आरोपी चिटफंड कंपनी से आकर्षित होकर भोली-भाली जनता पूरे तेलंगाना राज्य में विभिन्न चिटफंड में शामिल हो गई। बाद में आरोपियों ने भोले-भाले लोगों को रकम हड़पने की योजना बनाई और गुपचुप तरीके से अपना कारोबार बंद कर दिया और बड़ी रकम लेकर फरार हो गए। आरोपियों ने उक्त रकम को अपनी जरूरतों के लिए दिल खोलकर इस्तेमाल किया। आरोपी 5 लाख रुपये, 10 लाख रुपये, 25 लाख रुपये, 50 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये की कीमत की चिटें चला रहे थे। समथमूर्ति चिट फंड के पास संबंधित अधिकारियों से कोई लाइसेंस नहीं था। अब तक, धोखाधड़ी की राशि लगभग 2 करोड़ रुपये है, पीड़ितों के प्रवाह के आधार पर इसे बढ़ाया जा सकता है।

टीएस प्रोटेक्शन ऑफ डिपॉजिटर्स ऑफ फाइनेंशियल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट- 1999 के अनुसार, पुलिस कानून के अनुसार आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने जा रही है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने 120 पीड़ितों की पहचान की है। मामले में शामिल रकम 5 करोड़ रुपये या उससे ज्यादा है। पुलिस ने मंचिर्याल जिले के मंदमरी मंडल के रामकृष्णपुर गांव में रहने वाले समथमूर्ति चिट फंड के निदेशक मुख्य आरोपी एल्पुला श्रीनिवास, एल्पुला राकेश वर्मा, गणेश को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने दो सैमसंग सेल फोन और एक आई फोन जब्त किया। सीपी, साइबराबाद, डीसीपी, माधापुर जोन, साइबराबाद की देखरेख में इंस्पेक्टर, माधापुर पीएस और उनकी टीम द्वारा किए गए अच्छे काम की काफी सराहना की गई।

उन्हें उचित पुरस्कार दिया जा रहा है। पुलिस ने लोगों को यह जांचने की सलाह दी कि चिट फन पंजीकृत है या नहीं है।

राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती में सफलता का परचम लहराएं : विधायक नैनी राजेंद्र रेड्डी

हनमाकोंडा में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिताएं शुरू

वारंगल, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल पश्चिम विधायक नैनी राजेंदर रेड्डी ने कहा कि कुश्ती खेल में तेलंगाना की प्रतिष्ठा राष्ट्रीय स्तर पर लाई जानी चाहिए, जो भारत की संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। तेलंगाना एमेच्योर कुश्ती संघ के तत्वावधान में बुधवार को हनमाकोंडा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में राज्य स्तरीय अंडर-15, अंडर-20 कुश्ती चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि खेल आपसी भाईचारे और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि खेलों में भाग लेने वाले युवाओं को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। लड़कियों को बचपन से ही उस खेल का प्रशिक्षण देना चाहिए जिसमें उनकी रुचि हो।

तेलंगाना कुश्ती संघ के अध्यक्ष हफीज खान ने बताया कि यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एडहॉक कमेटी और भारतीय कुश्ती महासंघ के आदेश पर आयोजित की जा रही है। खिलाड़ियों को मुफ्त भोजन और आवास की सुविधा प्रदान करने के अलावा, ये प्रतियोगिताएं किसी भी प्रकार के प्रवेश शुल्क के बिना आयोजित की जा रही हैं। संयुक्त वारंगल जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मोहम्मद अजीज खान ने कहा कि पिछले एक साल से मुश्किलों का सामना कर रहे पहलवानों के लिए यह सराहनीय है कि नई प्रदेश कार्यकारिणी के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वह कुश्ती के विकास में पूरा सहयोग करेंगे। तेलंगाना कुश्ती संघ के महासचिव मोहम्मद करीम ने कहा कि इस चैंपियनशिप में तेलंगाना के 33 जिलों के लगभग 600 एथलीटों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता के विजेताओं का चयन इसी महीने की 11 तारीख से मध्य प्रदेश राज्य के ग्वालियर में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

सैट के पर्यवेक्षक, डीवाईएसओ जी. अशोक कुमार, तेलंगाना एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वरदा राजेश्वर राव, महासचिव सारंगपानी, हैंडबॉल सचिव श्यामला पवन, तेलंगाना योग संघ के कोषाध्यक्ष एन. सिद्दा रेड्डी, वारंगल जिला ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव बी. कैलासम यादव, प्रभारी विभिन्न जिला कुश्ती संघों के एस. राज कुमार, जयपाल, शेख रियाज, काशी हुसैन, बी. सैलु, टी. श्रीनिवास, रविलू ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जागरूकता सम्मेलन

वारंगल, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। शहर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जागरूकता सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य अरुणा डीएच राव ने की और मुख्य अतिथि के. विजय कुमार सहायक पुलिस आयुक्त हनमकोंडा थे। इस कार्यक्रम के लिए रविकुमार पुलिस निरीक्षक, एन वेंकटेश्वरलु पुलिस निरीक्षक, वाइस प्रिंसिपल डॉ. के. राजेंदर रेड्डी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए राघवेंद्र रेड्डी हिंगे, राजेश्वर राव, उम्मागोनी श्रीनिवास, एनएसएस छात्र रविकुमार, श्रीराम, पाशा और विद्यार्थी छात्रों ने भाग लिया।

मारवाडी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा अनाथालय को बिस्तर भेंट

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा बिस्तर भेंट दिए गए।

शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रकल्प जन सेवा के तहत शाखा की सदस्या वंदना दुगड एवं अशोक दुगड के 25वीं सालगिरह के उपलक्ष में मुंडा मार्केट स्थित आश्रिता अनाथ आश्रम के सभी बच्चों को आरामदायक सोने हेतु बिस्तर दिए गए। गत दिनों मंच को पता चला वहा पर बच्चों को सोने के लिए बिस्तर सही नहीं है, इस पर शाखा द्वारा तुरंत निर्णय लेते हुए लाभार्थी परिवार के सहयोग से सभी बच्चों के लिए बिस्तर कि व्यवस्था की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, मीना दुगड, वंदना दुगड, सुनीता डूंगरवाल, सोनल जैन, संतोष गुजरानी, अनीता सुराणा, का सराहनीय योगदान रहा। शाखा के सह जन सेवा संयोजिका कविता मांडण ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आज संयुक्त जिला बैठक जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि इस महीने की 8 तारीख को निर्मल जिले में एकीकृत जिला कार्यालयों के भवन परिसर में कोमरमभीम के लिए मतदाता सूची जांचकर्ताओं के रूप में नियुक्त सरकारी संस्थानों और विभागों की विशेष सचिव बी भारती लकपति नाइक द्वारा एक बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में कोमरमभीम आसिफाबाद, मंचिरयाला, निर्मल के चुनाव अधिकारी, सहायक चुनाव अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, बूथ स्तर के अधिकारी भाग लेंगे। आदिलाबाद जिले और जिला विभाग के संबंधित अधिकारी अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट के साथ समय पर उपस्थित होंगे।

विशेष स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया जाए : दीपक तिवारी

आसिफाबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने कहा कि इस माह की 7 तारीख से 14 तारीख तक होने वाले विशेष स्वच्छता कार्यक्रम को जिले में आयोजित किया जाये। बुधवार को उन्होंने जिले के रेबेना मंडल गोलेटी में एक विशेष स्वच्छता कार्यक्रम शुरू किया और कई वार्डों का दौरा किया। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि गांवों के विकास के तहत विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है तथा पंचायत सचिवों के समन्वय से विशेष अधिकारियों की देखरेख में विशेष स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जायेगा। अधिकारियों को गांवों में सड़कों और नालों की सफाई करने, घास-फूस हटाने, प्रतिदिन कूड़ा एकत्र कर डंपिंग यार्ड में ले जाने, टैक्स वसूलने और ग्राम पंचायत क्षेत्र में अन्य विकास कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए। इस कार्यक्रम में मंडल परिषद विकास अधिकारी श्रीनिवास, पंचायत सचिव जालंधर, जेडपीटीसी वेमुरला संतोष, एमपीपी सौंदर्य आनंद, एमपीटीसी सदस्य सागरम्मा, श्रीवानी रविंदर और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

कलेक्टर ने किया मिशन भागीरथी शुद्ध जल केंद्र का निरीक्षण

निर्मल, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने बुधवार को दिलावरपुर मंडल के माडेगांव में मिशन भागीरथी वॉटर ग्रिड, न्यू लोलम में सेग्रीगेशन शेड, एवेन्यू प्लांटेशन, नर्सरी, सीवर और ओवरहेड वॉटर टैंक का निरीक्षण किया।

विशेष स्वच्छता अभियान के तहत 7 से 14 फरवरी के बीच चलने वाले कार्यक्रम में कलेक्टर ने माडेगांव में जल ग्रिड को दौरा किया और जल उपचार प्रक्रिया, पंपिंग क्षमता जैसे और विवरणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आने वाली गर्मी को ध्यान में रखते हुए पानी की कमी को रोकने के उपाय करें और हर घर में पानी पहुंचना सुनिश्चित करें।

इसके बाद उन्होंने लोलम ग्राम पंचायत में किए गए स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। गांव में सेग्रीगेशन शेड, नर्सरी प्लांटेशन के ओवरहेड पानी के टैंकों का निरीक्षण किया और इस विशेष स्वच्छता अभियान में गांवों और पानी पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर मिशन भगीरथ ईई संदीप, विशेष अधिकारी सरिता, मंडल परिषद विकास अधिकारी मोहन, मंडल पंचायत अधिकारी अजीज खान,पंचायत एपीओ दिव्या रेड्डी, सचिव श्रवण कुमार, आईकेपी एपीएम सीए रानी, आंगनवाडी कलावती, अशा कार्यकर्ता ललिता, फील्ड सहायक गोविंदुला महेश, कस्तूरी चिन्नय्या अन्य मंडल पदाधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

अनाधिकृत निर्माणों पर पडा हथौडा

वारंगल, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडब्ल्यू एमसी आयुक्त के आदेश के अनुसार ग्रेटर वारंगल के अंतर्गत द्वितीय डिवीजन के गुंडला सिंगाराम क्षेत्र में अनाधिकृत पहली और दूसरी मंजिल कि इमारतों को बाल्दिया टाउन प्लानिंग अधिकारियों ने बुधवार को हटा दिया। उन्होंने कहा कि टीएसबी पास में अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए और संरचनाओं का निर्माण बिना किसी विचलन के स्वीकृत योजना के अनुसार किया जाना चाहिए। सिटी प्लानर वेंकन्ना ने कहा कि यदि अनधिकृत संरचनाओं और स्थानों का अवैध रूप से निर्माण किया जाता है, तो उन्हें ध्वस्त कर दिया जाएगा और नगरपालिका अधिनियम के अनुसार सख्त कारवाई की जाएगी और आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। बलदिया एसीपी खलील, टाउन प्लानिंग, पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में डीआरएफ स्टाफ और अन्य लोगों ने भाग लिया।

केंद्रीय मंत्रियों से भेंट कर भाजपा विधायकों ने रखी मांगें

निर्मल,7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के भाजपा विधायक पायल शंकर, निर्मल विधायक ए महेश्वर रेड्डी, पलवई हरीश बाबू, मुधोल विधायक पवार रामा राव पटेल, और आर्मर विधायक राकेश रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से स्थानीय मुद्दों को लेकर मुलाकात की। सभी मंत्रियों ने उनकी समस्याओं को सकारात्मक रूप से सुना और उन्हें हल करने के लिए आश्वस्त किया।

समीक्षा बैठक संपन्न

निर्मल, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने बुधवार को आईडीओसी में महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए जिला प्रशासक ने बाल कल्याण विभाग द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे मण्डलवार भोजन, पोषण वाटिका, सैम मॉम, मशीन वात्सल्य, आंगनबाडी भवन आदि की प्रगति की जानकारी ली।

बीआरएस के मुख्य कार्यकर्ताओं की बैठक

वारंगल, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक नन्नापुनेनी नरेंद्र ने 38वें डिवीजन के नगरसेवक भैरबोइना उमा दामोदर यादव के नेतृत्व में आयोजित बीआरएस पार्टी के मुख्य कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही मेरी ताकत हैं। वारंगल ईस्ट बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं की रक्षा करना मेरी जिम्मेदारी है, कार्यकर्ता पार्टी की नींव हैं । कार्यकर्ता इस बात की चिंता किए बिना बहादुरी से आगे बढ़ें कि कौन हार गया है। इस कार्यक्रम में डिवीजन कॉरपोरेटर भैरबोइना उमा दामोदर यादव, क्लर्क यूनियन अध्यक्ष यिनुला मल्लेशम, वर्कर्स यूनियन अध्यक्ष याकय्या, श्रावंती, प्रमुख नेता, महिला नेता, युवा नेता, कार्यकर्ता आदि ने भाग लिया।

मेडारम बिलों का भुगतान ऑनलाइन भी कर ना संभव

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। : धर्मस्व विभाग ने उन भक्तों के लिए एक सुविधा बनाई है जो सम्मक्का सरलम्मा को गुड़ चढ़ाने के लिए मेडारम मेले में नहीं जा सकते हैं। आपकी सेवा, डाकघर, टीईपी ने फोलियो के माध्यम से बुकिंग करना संभव बना दिया है। श्रद्धालु अपने वजन के अनुसार 60 रुपये प्रति किलोग्राम का भुगतान करके निलुवेथु बंगाराम परपनम सेवा बुक कर सकते हैं। इन सेवाओं का उद्घाटन बुधवार को मंत्री कोंडा सुरेखा ने किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि डाक विभाग मेडारम प्रसाद पाने का अवसर भी प्रदान कर रहा है।

कुंभ मेले के बाद, मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा जतारा देश में आयोजित होने वाला सबसे बड़ा मेला है। भक्तों का मानना है कि अगर वे हर दो साल में माघमास के महीने में चार दिनों के लिए आयोजित होने वाले इस आदिवासी मेले में शामिल होते हैं और प्रार्थना करते हैं, तो सभी अच्छी चीजें होंगी। एशिया के सबसे बड़े मेले के रूप में पहचाने जाने वाले इस उत्सव को न केवल दो तेलुगु राज्यों, बल्कि दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं के देखने की उम्मीद है।

इसामिया बाजार में नारायण सेवा संस्थान द्वारा महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए चलाया जा रहा सिलाई प्रशिक्षण कोर्स पूर्ण होने पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए ट्रस्टी देवेन्द्र चोबिसा, सलाहकार रिद्धीश जागीरदार, पूर्व अध्यक्ष उत्तम डामराणी, अलका चौधरी, तोरल जागीरदार, पी आर ओ राकेश शर्मा, हैदराबाद शाखा प्रबंधक महेंद्र सिंह रावत एवं अन्य।

केबीआर पार्क में गणेश पूजा अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पुष्पलता संध्या, अशोक लखोटिया, सुधाकर, लक्ष्मण रेड्डी, शंकरलाल अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, गोपाल बलदवा, प्रमोद सराईवाला, विजय कुमार थूंबी, विट्ठलदास अग्रवाल, पीसी जैन एवं अन्य।

राजस्थान पाली जिले के देवलीकलां स्थित सतीजी कुटिया आश्रम के मधु साधवी का सम्मान कर आशीर्वाद लेते हुए आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत और लीला कुमावत।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में मिधानि के कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रबंधक डॉ. बी. बालाजी ने बताया कि एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन चार सत्रों में किया गया जिनमें राजभाषा कार्यान्वयन में प्रौद्योगिकी की भूमिका, राजभाषा कार्यान्वयन के लिए आवश्यक प्रशासनिक शब्दावली व वाक्य संरचना जैसे राजभाषा संबंधी विषयों के साथ ही सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन तथा कार्य व निजी जीवन में संतुलन जैसे अन्य सामान्य विषय भी शामिल किए गए।

डॉ. रानी गीतेश काटे, श्रीहर्ष वैद्य, मु. कमालुद्दीन, डॉ. पी. वीर राजू ने व्याख्यान दिये।

कार्यशाला में विभिन्न विभागों से टीआर साईबाबा, के. सुरेखा, बी. भानु प्रकाश, एन.एस. शास्त्री, एस विनय कुमार, वी. रत्नकिशोर, मो. राजमोहम्मद, एस. नीलवेणी, डी. हीरालाल, जी. योगानंद राव, एन. शिल्पा, मिश्रा माझी, बी. कृष्णवेणी, जी. कल्पना, आर. सरिता और के. वेंकट रामराजू ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यशाला के आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी रत्नाकुमारी का सक्रिय सहयोग रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दिल्ली के कोच पोंटिंग बोले- ऋषभ पंत आईपीएल खेलेंगे

इम्पैक्ट प्लेयर बनकर बैटिंग करेंगे, पर कप्तानी और विकेटकीपिंग अभी तय नहीं

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि ऋषभ पंत आईपीएल 2024 के लिए तैयार हैं। पोंटिंग ने बताया कि पंत ने खुद कहा कि वह टीम के लिए खेलेंगे। कोच ने कहा कि पंत का विकेटकीपिंग और कप्तानी करना कन्फर्म नहीं है, लेकिन वह बैटिंग जरूर करेंगे।

ऋषभ पंत ने दिसंबर 2022 के बाद से क्रिकेट नहीं खेला है। 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुड़की जाते वक्त पंत की कार का एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें वे बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद इलाज और रिकवरी के चलते वो फील्ड से दूर रहे।

पंत से पूछूंगा तो वो बोलेंगे, हर मैच खेलूंगा और कीपिंग भी करूंगा- पोंटिंग

रिकी पोंटिंग इस वक्त मेलबर्न में हैं। उन्हें अमेरिका की मेजर लीग में वॉशिंगटन फ्रीडम टीम का हेड कोच बनाया गया है। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान IPL और पंत पर सवाल किया गया। पोंटिंग ने कहा कि पंत से पूरा टूर्नामेंट खेलने की उम्मीद करना ठीक नहीं, लेकिन वह जितना भी खेलें, टीम के लिए बोनस होगा।

पोंटिंग ने कहा, 'ऋषभ कितने मैच खेल पाएंगे, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। टूर्नामेंट शुरू होने में 6 ही सप्ताह का समय बचा है इसलिए मुझे नहीं लगता कि वह विकेटकीपिंग कर सकेंगे।'

दिल्ली के कोच ने कहा, 'एक चीज की गारंटी देता हूं, अगर मैं पंत के अभी पूछूं तो वह कहेंगे कि मैं हर मैच खेलूंगा, कीपिंग भी करूंगा और नंबर 4 पर बैटिंग भी करूंगा। पंत इसी तरह सोचते हैं और हम उन्हें जल्द से जल्द पूरी तरह फिट देखना चाहते हैं।'

पंत की गैरमौजूदगी में 14 में से सिर्फ 5 मैच जीती थी दिल्ली

पोंटिंग बोले, 'पंत शानदार खिलाड़ी हैं। वह हमारे कप्तान हैं और पिछले साल हमने उन्हें बहुत मिस किया। वह एक्सीडेंट के बाद 12-13 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। मैं तो यही कहूंगा कि इस तरह के एक्सीडेंट से बच जाना ही चमत्कार है, वह तो अब क्रिकेट खेलने के लिए भी तैयार हैं।'

पोंटिंग ने कहा, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि पंत जल्दी फिट हो जाएं। अगर वह पूरा टूर्नामेंट नहीं भी खेल सके तो 14 में से 10 मुकाबले तो जरूर ही खेलेंगे। फील्डिंग नहीं कर सके तो इम्पैक्ट प्लेयर बनकर बैटिंग करेंगे।'

पोंटिंग ने कन्फर्म किया कि अगर पंत कप्तानी नहीं कर सके तो डेविड वॉर्नर ही टीम की कमान संभालेंगे। वॉर्नर ने पिछले सीजन दिल्ली की कप्तानी की थी, लेकिन टीम 14 मैचों में महज 5 जीत के साथ 9वें नंबर पर रही थी।

बांग्लादेश के खिलाफ खेला था आखिरी मैच

ऋषभ पंत ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर के मैदान पर आखिरी क्रिकेट मैच खेला था। यह एक टेस्ट मैच था। इस मुकाबले के 5 दिन बाद 30 दिसंबर को पंत कार एक्सीडेंट में घायल हो गए। तब से वह रिकवरी कर रहे हैं और उनके मार्च 2024 तक पूरी तरह फिट होने की संभावनाएं हैं।

टी20 विश्व कप के बाद भारत का जिम्बाब्वे का दौरा

6 जुलाई से 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी दोनों टीमें

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद भारतीय टीम जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट और बीसीसीआई ने इसकी जानकारी दी। यह श्रृंखला 6 से 14 जुलाई के बीच हरारे में खेली जाएगी। बता दें टी20 विश्व कप 1 से 29 जून के बीच होगा।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने अपने बयान में कहा कि सीरीज का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साथ ही दोनों क्रिकेट बोर्डों के बीच सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। जेडसी के अध्यक्ष तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा, 'हम जुलाई में टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की मेजबानी करने के लिए रोमांचित हैं। इस साल घरेलू मैदान पर हमारा सबसे बड़े इंटरनेशनल आकर्षण होगा।'

तवेंगवा मुकुहलानी ने कहा कि भारत के प्रभाव और खेल के प्रति समर्पण से क्रिकेट को हमेशा फायदा हुआ है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने खेल में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। इस समय जिम्बाब्वे क्रिकेट को हमारे समर्थन की जरूरत है।

चौथी बार जिम्बाब्व करेगा मेजबानी

यह चौथी बार है जब जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2010, 2015 और 2016 में सीरीज खेली गई थी। दोनों टीमों के बीच आखिरी टी20 भिड़ंत 2022 में टी20 विश्व कप में हुई थी। जिसमें टीम इंडिया ने 71 रनों से जीत हासिल की थी। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंदों में 61* रन बनाए थे।

जिम्बाब्वे बनाम भारत टी20 सीरीज 2024 का शेड्यूल

पहला टी20 मैच- 6 जुलाई, दूसरा टी20 मैच- 7 जुलाई, तीसरा टी20 मैच- 10 जुलाई, चौथा टी20 मैच- 13 जुलाई, पांचवां टी20 मैच- 14 जुलाई

मयंक अग्रवाल की रणजी में वापसी

तमिलनाडु के खिलाफ करेंगे टीम की कप्तानी

बेंगलुरू, 7 फरवरी (एजेंसियां)। विमान में संदिग्ध पेय पीने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए अनुभवी सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और शुक्रवार से चेन्नई में तमिलनाडु के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में कर्नाटक की अगुआई करेंगे. अग्रवाल ने पिछले महीने त्रिपुरा के खिलाफ मुकाबले के बाद सूरत रवाना होने के दौरान विमान में तरल पदार्थ पी लिया था जिसके बाद इस 32 वर्षीय बल्लेबाज को मुंह और गले में जलन के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

अग्रवाल ने कथित धोखेबाजी का आरोप लगाकर एफआईआर भी दर्ज कराई थी। वह खराब स्वास्थ्य के कारण रेलवे के खिलाफ कर्नाटक के पिछले मैच

में नहीं खेल पाए. यहां चिकित्सा निरीक्षण बाद उनकी टीम में वापसी का रास्ता साफ हुआ।

अग्रवाल की गैरमौजूदगी में रेलवे के खिलाफ निकिन जोस ने कर्नाटक की अगुआई की और पूर्व चैंपियन टीम ने अनुभवी मनीष पांडे के नाबाद अर्धशतक की मदद से सूरत में एक विकेट से जीत दर्ज की. अभी तमिलनाडु ग्रुप सी में 21 अंक लेकर शीर्ष पर चल रहा है, कर्नाटक के भी इतने ही अंक हैं लेकिन तमिलनाडु बेहतर नेट रन रेट के कारण उससे आगे है.

मयंक अग्रवाल ने चार मैच में बनाए हैं 310 रन

अग्रवाल की वापसी से कर्नाटक को मजबूती मिलेगी, उन्होंने अब तक चार मैच में दो शतक और एक अर्धशतक से 44 की औसत के साथ 310 रन बनाए हैं. फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल भी इस मैच में चयन के लिए उपलब्ध होंगे. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तीन मैच में दो शतक से 92.25 की औसत के साथ 369 रन बनाए हैं, वह भारत ए टीम का हिस्सा होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे.

कर्नाटक की टीम

मयंक अग्रवाल (कप्तान), निकिन जोस, देवदत्त पडिक्कल, समर्थ आर, मनीष पांडे, शरत श्रीनिवास, अनीश केवी, विशाक विजयकुमार, वासुकी कौशिक, शशिकुमार के, सुजय सातेरी, विदवथ कावेरप्पा, वेंकटेश एम, किशन एस बेदारे, रोहित कुमार एसी और हार्दिक राज।

बिम्सटेक तैराकी में सात देशों के 268 तैराक लेंगे भाग

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, 7 फरवरी (एजेंसियां)। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी तरणताल में पहली बिम्सटेक तैराकी चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। चैंपियनशिप में भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यानमार, थाईलैंड, श्रीलंका के अंडर-20 के तैराक शिरकत करेंगे। चैंपियनशिप में 268 तैराकों के भाग लेने की उम्मीद है, जिसमें 39 पदक दांव पर होंगे। नौ फरवरी तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में तैराकी, डाइविंग और वाटरपोलो के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

अनुराग ठाकुर ने इस मौके पर कहा कि दुनिया की 25 प्रतिशत आबादी दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया में बसती है। सात बिम्सटेक देशों के एक साथ आने से बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र में न सिर्फ विकास और उन्नति होगी बल्कि खेल संस्कृति गहरी होने के साथ खिलाड़ियों के बीच दोस्ती होगी।

खेल मंत्री ने कहा कि यही हमारे प्रधानमंत्री का विचार था जब उन्होंने नेपाल में हुए सम्मेलन में खेल प्रतियोगिता आयोजित कराने की घोषणा की थी। इस इवेंट को भारत में पहली बार 2021 में आयोजित करना था, लेकिन इसे कोरोना के चलते स्थगित करना पड़ा। अब इस चैंपियनशिप का आयोजन कराया जा रहा है।

पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा बदलाव

सैयद मोहसिन नकवी बने पीसीबी के नए चेयरमैन

लाहौर, 7 फरवरी (एजेंसियां)। अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में एक ओर बड़ा बदलाव हुआ है. पीसीबी ने सैयद मोहसिन नकवी को पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त किया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सर्वसम्मति से अनुभवी प्रशासक सैयद मोहसिन रजा नकवी को तीन साल के कार्यकाल के लिए अपना अध्यक्ष (चेयरमैन) नियुक्त किया. अध्यक्ष का चुनाव लाहौर में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 'बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी)' की एक विशेष बैठक में हुआ.

पीसीबी की वेबसाइट से नकवी ने कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर मैं बेहद सम्मानित और आभारी महसूस कर रहा हूं'. उन्होंने कहा, 'मुझ पर दिखाए गए भरोसे और आत्मविश्वास के लिए मैं आभारी हूं. मैं देश में खेल के स्तर को सुधारने और पाकिस्तान में क्रिकेट प्रशासन में पेशेवरपन लाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं'. पाकिस्तान के मीडिया दिग्गज 45 वर्षीय नकवी पीसीबी के 37वें पूर्णकालिक अध्यक्ष हैं. वह पंजाब राज्य के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं. इससे पहले पूर्व खिलाड़ी रमीज राजा पीसीबी के पिछले पूर्णकालिक अध्यक्ष थे. रमीज को 'राजनीतिक हस्तक्षेप' के कारण एक साल के कार्यकाल के बाद दिसंबर 2022 में बर्खास्त कर दिया गया था. इसके बाद नजम सेठी और जका अशरफ ने अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पद संभाला.

पाकिस्तान की टीम इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है. ऐसे में नकवी के सामने कई चुनौतियां हैं. भारत में हुए विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद बाबर आजम ने कप्तानी छोड़ दी थी. टीम को इसके बाद शान मसूद की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 0-3 जबकि शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी में न्यूजीलैंड में टी20 श्रृंखला में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था.

एसए 20 के फाइनल में पहुंची सनराइजर्स: सुपरजायंट्स को 51

रन से क्वालिफायर-1 हराया; ओटनियल बार्टमैन प्लेयर ऑफ द मैच

केप टाउन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। सनराइजर्स ईस्टर्न कैप ने एसए 20 सीजन-2 के फाइनल में एंट्री कर ली है। टीम ने क्वालिफायर-1 में डरबन सुपरजायंट्स को 51 रन से हराया। ओटनियल बार्टमैन और मार्को यानसन ने 4-4 विकेट लिए। बार्टमैन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 157 रन बनाए। सुपरजायंट्स की टीम 19.3 ओवर में 106 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

केप टाउन में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी सनराइजर्स को ओपनर जॉर्डन हर्मन और डेविड मलान ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने 6 ओवर में टीम का कोई विकेट नहीं गिरने दिया और स्कोर 45 रन तक पहुंचा दिया। 7वें ओवर में

हर्मन 21 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद नंबर-3 पर उतरे टॉम अबेल भी 2 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

2 विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान ऐडन मार्करम ने ओपनर मलान के साथ पारी संभाली। दोनों ने टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। मलान 63 रन बनाकर आउट हुए और दोनों के बीच 49 रन की पार्टनरशिप टूटी। मार्करम भी 30 रन बनाकर नवीन-उल-हक का शिकार हो गए। आखिर में ट्रिस्टन स्टब्स 14, पैट्रिक क्रूगर 11 और मार्को यानसन 2 रन बनाकर आउट हुए। साइमन हार्मर खाता भी नहीं खोल सके, वहीं लियम डॉसन 9 और डैनियल वौराल 1 रन बनाकर नॉटआउट रहे। टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 157 रन का स्कोर खड़ा किया।

डरबन के लिए कप्तान केशव महाराज और जूनियर डाला ने 2-2 विकेट लिए। एक-एक सफलता नवीन-उल-हक और ड्वेन प्रीटोरियस को भी मिली। जबकी 2 बैटर्स रनआउट हुए।

158 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी डरबन सुपरजायंट्स की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन के स्कोर पर ही 3 विकेट गंवा दिए। मैथ्यू ब्रीट्जकी 3 और टोनी डी जॉर्जी 2 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जेजे स्मट्स खाता भी नहीं खोल सके।

डी कॉक और मुल्डर ने संभाला

3 विकेट जल्दी गिरने के बाद सुपरजायंट्स की पारी धीरे हो गई। क्विंटन डी कॉक और वायन मुल्डर ने पारी संभाली लेकिन डी कॉक 23 बॉल में 20 रन बनाकर आउट हो गए। उनके बाद मुल्डर भी 38 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

7 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए 99 रन के स्कोर पर टीम के 5 विकेट गिरे थे। यहां से टीम ने अगले 7 रन बनाने में आखिरी 5 विकेट गंवा दिए। हेनरिक क्लासन 23, ड्वेन प्रीटोरियस 7, केशव महाराज 1, जूनियर डाला 3 और नवीन-उल-हक 2 ही रन बना सके। टीम 19.3 ओवर में 106 रन बनाकर सिमट गई। सनराइजर्स से तेज गेंदबाज ओटनियल बार्टमैन ने महज 10 रन देकर 4 विकेट झटके। मार्को यानसन को भी 4 विकेट मिले, उन्होंने 3.3 ओवर में 16 रन दिए। 2 सफलताएं लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को भी मिलीं। क्वालिफायर-1 जीतने के साथ सनराइजर्स ने 10 फरवरी को होने वाले फाइनल में जगह बना ली। मुकाबला उनके होमग्राउंड केप टाउन में ही खेला जाएगा। क्वालिफायर-1 में हारने के साथ सुपरजायंट्स ने क्वालिफायर-2 में जगह बना ली। टीम एलिमिनेटर जीतने वाले टीम से 8 फरवरी को जोहान्सबर्ग में भिड़ेगी।

फैंस तय करेंगे वनडे क्रिकेट का फ्यूचर: ग्रीम स्मिथ बोले- टेस्ट क्रिकेट को खतरा नहीं; टी-20 लीग से बेहतर हो रहा इन्फ्रास्टक्चर

केपटाउन, 7 फरवरी (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का कहना है कि टेस्ट क्रिकेट को खतरा नहीं है, लेकिन वनडे क्रिकेट का फ्यूचर फैंस को तय करना है। जहां ब्रॉडकास्टर को व्यूअरशिप मिलेगी, वहां उसी फॉर्मेट को ज्यादा खेला जाएगा।

स्मिथ ने कहा, एसए 20 लीग से हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर हो रहा है, हम बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए फिर तैयार हैं।

स्मिथ ने साथ साउथ अफ्रीका क्रिकेट और एसए 20 से जुड़ी बारे में कहा हम काफी समय तक डॉमिनेट कर रहे थे, लेकिन एक समय के बाद टीम का प्रदर्शन खराब हो गया था, उस दौरान बहुत सारी राजनीतिक और मैनेजमेंट से जुड़ी समस्याएं थीं। मुझे लगता है कि हमें इससे उबरना होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा टैलेंट पूल मजबूत हो और आगे बेहतर निर्णय लिए जा रहे हों।

ऐसा नहीं है कि साउथ अफ्रीकी टीम बुरा प्रदर्शन कर रही है। हम देख रहे हैं कि टीम समय के साथ मजबूत हो रही है। हमने पिछले साल ही वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में जगह बनाई और इसके बाद भारत के खिलाफ टेस्ट

सीरीज भी ड्रॉ की। मुझे लगता है, निश्चित रूप से हम बेहतर स्थिति में वापस आ गए हैं। एसए 20 से भी बहुत सारी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

अगले एक या दो साल में हम और बेहतर करेंगे, लीग से हम मजबूत होंगे और प्लेयर्स टॉप कॉम्पिटिशन के लिए ट्रेन हो चुके होंगे।

मुझे अभी भी लगता है कि इस साल टी-20 वर्ल्ड कप के लिए हमारे पास कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो बाकी टीमों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास अच्छा प्रदर्शन करने का सुनहरा मौका है।

मैं निश्चित रूप से ऐसा सोचता हूं कि ज्यादा टेस्ट खेलने चाहिए, क्रिकेट में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। भारत के साथ क्रिकेट, क्रिकेटर्स के रिश्ते और फैंस हमेशा जुड़े हुए रहे हैं। मुझे नहीं पता कि ये निर्णय क्यों लिए गए, लेकिन मेरा अब भी मानना है कि दोनों देशों के बीच संबंध और राइवलरी बनी हुई है।

मुझे नहीं पता, इसका जवाब आईसीसी को देना चाहिए। जाहिर तौर पर हमें 2027 वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली है। एसए 20 यह दिखा रहा है कि हम बड़े आयोजनों की मेजबानी कर सकते हैं। हम बड़े पैमाने पर आयोजन कर सकते हैं। आप देश में बीसीसीआई और क्रिकेट को जानते हैं और अब आप मुझे और मेरी टीम को जानते हैं।

आईपीएल के बाद से भारत का क्रिकेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और फैंस का मिजाज सामने आया। इससे देश को मेजबानी में मदद मिली।

न्यूजीलैंड ने 281 रन से जीता पहला टेस्ट

माउंट मॅन्गानु, 7 फरवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को पहला टेस्ट 281 रन से हरा दिया। माउंट मॅन्गानुई के बे ओवल मैदान पर साउथ अफ्रीका को 529 रन का टारगेट मिला। टीम चौथे दिन तीसरे सेशन में 247 रन ही बना सकी। डेविड बेडिंघम ने 87 रन की पारी खेली। बाकी कोई बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका।

न्यूजीलैंड से काइल जैमिसन ने 4 और मिचेल सैंटनर ने 3 विकेट लिए। दोहरा शतक लगाने वाले रचिन रवींद्र प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने पहली पारी में 2 विकेट भी लिए। टीम से केन विलियमसन ने दोनों पारियों में शतक लगाए।

न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए थे। टीम ने इसी स्कोर पर अपनी पारी घोषित की और साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 527 रन का टारगेट मिला।

विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। टीम ने 5 ही रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए। एडवर्ड मूर 0 और कप्तान नील ब्रांड 3 रन बनाकर आउट हुए।

डिजिटल कंपनी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कारवाई, सीईओ समेत तीन गिरफ्तार

अतिरिक्त कमाने के चक्कर में लोगों ने लाखों गंवाए

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक डिजिटल कंपनी के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में कारवाई की है। एक पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पीएस पंजागुट्टा में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। एक पीड़ित नागरिक की शिकायत के आधार पर आईजीएस डिजिटल सेंटर कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई। कंपनी का कार्यालय पंजागुट्टा पीएस की सीमा के अंतर्गत स्थित है।अपनी शिकायत में, शिकायतकर्ता ने कहा था कि जब उसने 3 दिसंबर 2023 को कुछ डिजिटल सेवा भुगतान गेटवे सेवाओं के लिए इंटरनेट ब्राउज़ किया था। इसके जल्द ही उसे आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड के टेली-कॉलर से एक कॉल आया, जिसमें कहा गया था कि वे 300 डिजिटल सेवाएं प्रदान करते हैं और पंजीकरण के लिए और उसके नाम पर एक आईडी बनाने के लिए 1800 रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया और उसने यूपीआई भुगतान के माध्यम से पैसे का भुगतान किया उन्होंने आईडी बनाई लेकिन उन्हें बताया कि केवाईसी सक्रियण में त्रुटि के कारण आईडी सक्रिय नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने उसे डिस्ट्रीब्यूशन आईडी लेने की सलाह दी जिसके तहत उसे कमीशन के रूप में अधिक पैसे मिलेंगे। उनकी बातों पर विश्वास कर उसने यूपीआई के माध्यम से 4040 रुपये दे दिये। इसके बाद भी कंपनी की ओर से कहा गया कि यह केवाईसी अभी भी त्रुटि दिखा रहा है। इसके अलावा, उन्होंने उसे जोनल आईडी लेने की सलाह दी, जिसके लिए उसे 30 हजार रुपए रुपये का भुगतान करना होगा। पीड़ित को उन्हें उनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ और उन्होंने ऐसा नहीं किया। वह सोशल मीडिया पर कंपनी के बारे में नागरिक समीक्षा देखने के बाद आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड, व्हाइट हाउस बिल्डिंग, 9वीं मंजिल, बेगमपेट गए और एचआर से बात की और अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन उन्होंने उल्लेख किया कि वे केवल पांच सेवाएं प्रदान करते हैं और उसके पैसे वापस नहीं करेंगे। पीड़ित ने पुलिस से कहा था कि कंपनी ने उनके जैसे कई निर्दोष नागरिकों को धोखा दिया है और कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया था। जांच के दौरान, यह पता चला कि, "आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड" नाम से कंपनी जयपुर, राजस्थान में स्थापित और संचालित की गई थी और इसकी एक शाखा व्हाइट हाउस, बेगमपेट, हैदराबाद में है। कंपनी का कॉल सेंटर उन भोले-भाले नागरिकों को लक्षित करने और लुभाने के लिए आकर्षक और भ्रामक विज्ञापन पोस्ट करता है जो अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर के लिए ऑनलाइन खोज कर रहे हैं।जांच के दौरान, यह पता चला कि, "आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड" नाम से कंपनी जयपुर, राजस्थान में स्थापित और संचालित की गई थी और इसकी एक शाखा व्हाइट हाउस, बेगमपेट, हैदराबाद में है। कंपनी का कॉल सेंटर उन भोले-भाले नागरिकों को लक्षित करने और लुभाने के लिए आकर्षक और भ्रामक विज्ञापन पोस्ट करता है जो अतिरिक्त आय अर्जित करने के अवसर के लिए ऑनलाइन खोज कर रहे हैं। कंपनी अपने विज्ञापनों और टेली-कॉल में दावा करती है कि वह कुल 300 सेवाएं प्रदान करती है, लेकिन वास्तव में वे ये सभी सेवाएँ प्रदान नहीं करते हैं। वे फेसबुक और इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर भोले-भाले ग्राहकों को लुभाते हैं और नाम, फोन नंबर, ईमेल आदि जैसे विवरण प्राप्त करते हैं, और फिर उसी विवरण को सीआरएम (ग्राहक संबंध प्रबंधन सॉफ्टवेयर) को भेज देते हैं, फिर ग्राहकों को टेली-कॉलर्स के माध्यम से कॉल करते हैं जो निर्दोष नागरिकों को लुभाने के लिए टीम लीडरों द्वारा प्रशिक्षित और निर्देशित किया जाता है और उन्हें विश्वास दिलाया जाता है कि वे ग्राहकों को लगभग 300 सेवाएं प्रदान करते हैं और यह एक केंद्र सरकार की सेवा है और ग्राहकों से खुदरा विक्रेता, वितरक या जोनल आईडी का उपयोग करने के लिए पैसे देने के लिए कहते हैं। भुगतान के बाद, वे ग्राहकों को प्ले स्टोर से ऐप डाउनलोड करने के लिए कहते हैं, और भुगतान के बाद वे ऐप को सक्रिय कर देते हैं, जिसमें केवल 4-6 सेवाएं ही काम करती हैं। ये सभी खुली डोमेन सेवाएँ हैं।

पंजीकरण करते समय, वे नागरिकों से वादा करते हैं कि, वे 30% से 35% तक कमीशन का भुगतान करते हैं, जैसा कि विज्ञापनों और ब्रोशर में दावा किया गया है, लेकिन यह सब नकली है। एक बार जब नागरिक को उनके इरादे का एहसास हो जाता है और वे अपने पैसे वापस मांगना शुरू कर देते हैं, तो वे उनकी कॉल का जवाब देना बंद कर देते हैं। वे अपने कार्यालय में आने वाले पीड़ितों से बचने के लिए अपने किसी भी ग्राहक को अपने कार्यालय का पता नहीं बताते हैं और उनका अधिकांश संचार व्हाट्सएप के माध्यम से होता है। पुलिस की माने तो आईजीएस डिजिटल सेंटर कंपनी ने पंजागुट्टा पीएस सीमा के तहत व्हाइटहाउस बिल्डिंग में संचालित अपने कॉल सेंटर में कई कंप्यूटर सिस्टम, स्टोरेज डिवाइस स्थापित किए थे और अवैध रूप से जीएसएम गेटवे/सिम बॉक्स का उपयोग कर रहे थे, जिन्हें जांच के हिस्से के रूप में जप्त कर लिया गया। इस संबंध में प्रतीक चौबे पुत्र राधेश्याम चतुर्वेदी, आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड के सीईओ और निदेशक, निवासी मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान, श्रीमती दसारी स्वर्णलता पत्नी बी प्रेम कुमार, आईजीएस डिजिटल सेंटर लिमिटेड में एचआर प्रमुख, श्रवण लाल शर्मा पुत्र सुजा लाल, निवासी फागी, जयपुर, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया।

यह पाया गया है कि ऐसे सैकड़ों पीड़ितों ने कंपनी को अपना पैसा खो दिया है और सोशल मीडिया पर ऐसी शिकायतें दर्ज कर रहे हैं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर भी 50 से अधिक ऐसी धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं।

सहायक पुलिस आयुक्त पंजागुट्टा डिवीजन, पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने कहा कि (आईजीएस डिजिटल सेंटर/आई-ग्लोब सॉल्यूशंस) के सभी पीड़ित अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए जांच अधिकारी, पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन, पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद से ईमेल आईडी: insp.panjagutta@gmail.com और फोन नंबर 8712661275 के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ने लोकसभा चुनाव को लेकर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त नितेश कुमार व्यास ने देश में जल्द ही होने वाले आगामी लोकसभा चुनावों के लिए राज्य में अपनी मशीनरी की तैयारियों का पता लगाने के लिए आज सीईओ कार्यालय में एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। राज्य विधानसभा चुनावों को सफलतापूर्वक आयोजित करने में राज्य टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को उन क्षेत्रों की पहचान करने का सुझाव दिया जहां उन्हें हाल ही में समस्याओं का सामना करना पड़ा और उन्हें दूर करने के लिए रणनीति बनाने के लिए कहा। सीईओ विकास राज ने उन्हें अब तक आयोजित प्रशिक्षण सत्रों सहित अब तक की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराया। उन्होंने अपनी टीम के साथ केंद्रीय ईसी सदस्य के साथ कई मुद्दों पर चर्चा की और कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा।

लोकेश कुमार, अतिरिक्त सीईओ, सत्यवाणी, उप सीईओ, सरफराज अहमद, संयुक्त सीईओ, संजय जै, एसपीएनओ, महेश भागवत आईपीएस, एडीजी और चुनाव व्यय के नोडल अधिकारी और अन्यअधिकारियों ने बैठक में उनकी सहायता की।

श्री व्यास ने बैठक में बताया कि ईसीआई चुनाव ड्यूटी पर नामांकन और मतदान के मुद्दे पर पालन करने के लिए अद्यतन और समेकित निर्देश लेकर आ रहा है। उन्होंने बैठक में राज्य में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए वर्दीधारी बलों की आवश्यकता और बजटीय आवश्यकताओं पर अनुमान लगाने के लिए भी कहा। उन्होंने टीएसएलए-23 का बकाया तुरंत चुकाने की भी सलाह दी।

ग्रीन फंड का पैसा पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से खर्च किया जाना चाहिए : कोंडा सुरेखा

हरितनिधि पर वानिकी, पर्यावरण मंत्री की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण के लिहाज से दुनिया भर में आ रहे बदलाव एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं और हरियाली की प्रक्रिया लगातार जारी रहनी चाहिए, ऐसा वन पर्यावरण एवं वानिकी मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा। मंत्री ने आज सचिवालय में हरितानिधि दान और व्यय पर एक विशेष समीक्षा बैठक की। हरितानिधि के तहत अब तक प्राप्त दान और व्यय का विवरण मुख्य वन संरक्षण अधिकारी (पीसीसीएफ, एचओएफएफ) आर.एम. ने डोबरियाल ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए समझाया। उन्होंने कहा कि कि 2021 में शुरू हुई हरितनिधि के जरिए अब तक 69.21 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 43 करोड़ के काम स्वीकृत हो चुके हैं, 29.39 करोड़ जारी हो चुके हैं और 18.72 करोड़ पूरे हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि बाकी काम विभिन्न चरणों में हैं। यह सुझाव दिया गया है कि संबंधित विवरण जनता को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मंत्री ने वन एवं पर्यावरण विभाग की प्रधान सचिव वाणी प्रसाद को विभिन्न जिलों में स्थापित नर्सरियों में किये जा रहे कार्यों की गुणवत्ता की जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पूर्ण किये गये कार्यों की ऑडिट रिपोर्ट की भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में कार्य स्वीकृत नहीं हुए हैं, वहां से तत्काल धनराशि वापस लेकर नए कार्यों के लिए आवंटित की जाए। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना की मिट्टी की प्रकृति के लिए उपयुक्त सड़कों के किनारे चिंता, नीम और रेला जैसे पेड़ लगाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस समीक्षा बैठक में पीसीसीएफ (हरिताहरम) सुवर्णा, अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

आरटीसी का संरक्षण सभी को करना चाहिए : पोन्नम

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आरटीसी का संरक्षण हम सभी को करना चाहिए।कोंडापुर की आठवीं बटालियन में टीएसआरटीसी कांस्टेबलों के पासिंग आउट परेड कार्यक्रम में आरटीसी एमडी मुख्य अतिथि थे। अवसर पर एमडी सज्जनार ने कहा कि आरटीसी संगठन में कार्यरत कर्मचारियों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति के तहत 800 से अधिक लोगों को नियुक्तियां दी जा रही हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि इसके तहत आज कुछ कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र दिये गये। उन्होंने कहा कि आरटीसी को तेलंगाना के लोगों के लिए नंबर 1 परिवहन कंपनी बनाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कोरोना और हड़ताल के कारण आरटीसी को काफी दिक्कत हुई थी।

उन्होंने कहा कि इन सभी को हासिल करने के लिए सरकार का सहयोग लेना होगा। महालक्ष्मी कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को नए सिरे से मुफ्त यात्रा की पेशकश की जा रही है। अब तक साढ़े चौदह करोड़ महिलाएं मुफ्त यात्रा कर चुकी हैं।

यादाद्री पर ऑटो की अनुमति

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नरसिम्हास्वामी के दर्शन के लिए भक्त बड़ी संख्या में यदाद्रि आते हैं। वर्तमान में केवल आरटीसी बसें यदाद्री हिल तक आ रही हैं। सभी वाहनों को अनुमति नहीं है। जो श्रद्धालु अपने वाहनों से पहाड़ी पर जाना चाहते हैं, उनके लिए पार्किंग शुल्क बहुत अधिक है। तेलंगाना सरकार ने यदाद्री भक्तों को खुशखबरी दी है। अब से, यदाद्री पहाड़ी पर ऑटो को अनुमति दी जाएगी। आलेरू विधायक अइलैया ने घोषणा की कि ऑटो चालकों को दिए गए आश्वासन के अनुसार, 11 फरवरी से ऑटो को पहले घाट रोड के माध्यम से पहाड़ी पर जाने की अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा यदाद्री पहाड़ी तक ऑटो को अनुमति देने का निर्णय लिया गया है। बताया गया कि प्रतिदिन 100 ऑटो शिफ्ट में पहाड़ी पर चल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि पहली पाली सुबह 3 बजे से 1 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 1 बजे से रात 11 बजे तक होगी। प्रत्येक शिफ्ट में 50 ऑटो चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर पहाड़ी के ऊपर 25 ऑटो हैं तो पहाड़ी के नीचे 25 और ऑटो होंगे।इस कार्यक्रम में ऑटो चालकों को कुछ दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ऑटो में चालक सहित केवल तीन यात्रियों को ही अनुमति दी जानी चाहिए। ऑटो चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन आरसी जैसे सभी प्रकार के प्रमाण पत्र होने चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि ऑटो चालकों पर लगातार निगरानी रखी जायेगी। ऑटो चालकों से चर्चा के बाद ऑटो शुल्क तय किया जायेगा। बिरला इलैया ने कहा कि हॉल का निर्माण कार्य दस दिनों में शुरू किया जाएगा ताकि भक्त यदाद्री पहाड़ी पर दावत कर सकें।

यह ज्ञात है कि ऑटो चालक यादगिरिगुट्टा मंदिर अधिकारियों के खिलाफ धरने पर चले गए थे क्योंकि 12 अप्रैल 2022 से ऑटो को पहाड़ी पर जाने की अनुमति नहीं थी। ऑटो चालकों ने पहाड़ी पर ऑटो ले जाने की अनुमति की मांग करते हुए मंदिर के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हम कई वर्षों से इस पर निर्भर हैं।ऑटो चालकों ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वे कई श्रद्धालुओं, बुजुर्गों और विकलांगों को दर्शन के लिए पहाड़ी तक पहुंचने में मदद कर रहे हैं।

ऑटो चालकों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि विकास के नाम पर पहाड़ पर ऑटो पर रोक लगा दी गयी है, जिससे हमें परेशानी का सामना करना पड रहा है। हालांकि, कई लोग इस बात से खुश हैं कि सरकार बदलने से ऑटो मालिकों की समस्याएं कम हो गई हैं। पहाड़ी पर चढ़ने की अनुमति मिलने से ऑटो चालक खुश हैं।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के खिलाफ

ऑटो चालक 16 फरवरी को महाधरना देंगे?

हैदराबाद, 7 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। सरकार ने टीएसआरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की है। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई तो 9 दिसंबर से महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस योजना के लागू होने के बाद बसों में ट्रैफिक काफी बढ़ गया है. जो महिलाएं ऑटो और अन्य निजी वाहनों में यात्रा करती थीं, वे अब आरटीसी बसों में चढ़ने का इंतजार कर रही हैं। इसके चलते बसों में सीटें नहीं मिल पा रही हैं। इस योजना के लागू होने से पहले रोजाना बसों में सफर करने वालों की संख्या 12 लाख थी, लेकिन अब यह संख्या 30 लाख तक पहुंच गई है। महिलाएं ज्यादातर शून्य टिकट लेती हैं और बसों में यात्रा करती हैं। ऑटो में सवारी करने वाले कम हो गये हैं। इससे ऑटो चालक परेशान हो गये हैं।उन्हें लगता है कि सरकार का फैसला उनके खिलाफ है। वे इस बात पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं कि उनकी दैनिक आय कम हो गयी है।

ऑटोचालक पहले ही राज्य भर में कई बार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से भी मुलाकात की। उन्होंने समर्थन मांगने के लिए परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर से भी मुलाकात की। सरकार से सही प्रतिक्रिया ना मिलने के बाद अहम फैसला लिया गया। उन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के खिलाफ राज्य भर में आंदोलन का आह्वान किया। इसी महीने की 16 तारीख को उन्होंने ऑटो बंद की तैयारी की है। ड्राइवरों ने तय किया कि उस दिन एक भी ऑटो सड़क पर नहीं चलेगा। उनकी मांग है कि सरकार के फैसले के कारण ऑटो चालक आत्महत्या कर रहे हैं और सरकार को इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी चाहिए और उनके साथ न्याय करना चाहिए।

प्रतिबद्धता के साथ काम करें कांस्टेबल : परिवहन मंत्री

टीएसआरटीसी कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड में दिखा उत्साह

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी के 80 कांस्टेबलों की पासिंग आउट परेड बुधवार को हैदराबाद के कोंडापुर स्थित 8वीं बटालियन में आयोजित की गई। कार्यक्रम में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर मुख्य अतिथि थे और वीसी सज्जनार, आईपीएस, संगठन के एमडी विशेष अतिथि थे। उन्हें प्रशिक्षित सिपाहियों से सलामी मिली। बाद में नए कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। हाल ही में टीएसआरटीसी में 80 कांस्टेबलों की नियुक्ति की गई। इनमें से 47 पुरुष और 33 महिलाएं हैं। इन सभी को पुलिस विभाग की मदद से हैदराबाद के कोंडापुर 8वीं बटालियन में एक महीने तक प्रशिक्षण दिया गया। इन सभी ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और कार्यभार ग्रहण करने जा रहे हैं।

पासिंग आउट परेड में बोलते हुए, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उन नए कांस्टेबलों को बधाई दी जो टीएसआरटीसी परिवार में शामिल होने जा रहे हैं। उन्हें प्रतिबद्धता के साथ काम करने और संगठन के विकास में योगदान देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि संगठन उन कर्मियों के परिवारों को अनुकंपा नियुक्तियों के माध्यम से आश्वासन प्रदान कर रहा है जिनकी सेवा के दौरान मृत्यु हो गई और वे चिकित्सकीय रूप से अयोग्य थे। उन्होंने कहा कि संगठन ने करुणा भर्तियों के तहत 1700 लोगों को नौकरी के अवसर प्रदान किये हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में 813 लोगों की नियुक्ति की जा रही है और भर्ती प्रक्रिया दो सप्ताह में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एमडी वीसी सज्जनार के नेतृत्व में, संगठन आर्थिक रूप से स्थिर है और 100 प्रतिशत अधिभोग की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन में नए शामिल होने वाले कांस्टेबलों पर मेडाराम जतारा की बड़ी जिम्मेदारी है और उन्हें प्रतिबद्धता के साथ काम करना चाहिए और श्रद्धालुओं को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा टीएसआरटीसी को और मजबूत किया जा रहा है और देश को सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के महत्व को बताने के लिए संगठन को आकार दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के कारण बढ़े यातायात को पूरा करने के लिए कंपनी सरकार की मदद से जल्द ही नई बसें खरीद रही है। उन्होंने कहा कि उन बसों में ड्यूटी करने के लिए कर्मचारियों की भर्ती के लिए सरकार से अनुमति मांगी गई है। टीएसआरटीसी के एमडी सज्जनार ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि 80 नए कांस्टेबल टीएसआरटीसी में शामिल हो रहे हैं। अच्छी बात यह है कि इनमें से लगभग आधी 33 महिलाएं हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस नये खून के साथ संगठन और विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। टीएसआरटीसी कांस्टेबल की नौकरी आसान नहीं है और उन्होंने अनुशासन के साथ काम करने की सलाह दी। इस

त्रिदलीय गठबंधन पर चंद्रबाबू करेंगे चर्चा

अमरावती, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा के आगामी चुनावों के लिए त्रिदलीय चुनावी गठबंधन के लिए बुधवार को भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं के साथ बातचीत से सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से मुकाबला करने के लिए टीडीपी-जन सेना-भाजपा गठबंधन पर कुछ स्पष्टता मिलने की संभावना है।

पूर्व मुख्यमंत्री दोपहर दिल्ली के लिए विशेष उड़ान पकड़ेंगे। उनके शाम पांच बजे के आसपास राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने की उम्मीद है। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) और अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की जन सेना पहले ही चुनावी गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। जन सेना, जो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का घटक है, लंबे समय से जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी को हराने के लिए भगवा पार्टी से हाथ मिलाने की कोशिश कर रही है। सीट बंटवारे को लेकर नायडू और पवन कल्याण के बीच पहले ही कई दौर की बातचीत हो चुकी है और बताया जा रहा है कि दोनों के बीच व्यापक सहमति बन गई है।

टीडीपी, जिसने 2018 में भाजपा से नाता तोड़ लिया था, ने 2019 के चुनावों में करारी हार झेलने के बाद गठबंधन को पुनर्जीवित करने में रुचि दिखाई। हालाँकि, भाजपा नायडू के प्रस्तावों के प्रति उदासीन रही थी क्योंकि वाईएसआरसीपी ने केंद्र में मोदी सरकार के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे थे और कई प्रमुख विधेयकों को पारित करने में संसद में उसका समर्थन किया था। चुनाव होने में कुछ ही महीने बचे हैं, ऐसे में बीजेपी नेतृत्व पर गठबंधन पर फैसला लेने का दबाव बढ़ रहा है। राज्य के अधिकांश भाजपा नेता टीडीपी-जनसेना गठबंधन के साथ गठबंधन के पक्ष में हैं।

भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी, जो नायडू की भाभी हैं, ने हाल ही में गठबंधन पर पार्टी की राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों से प्राप्त फीडबैक पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को एक रिपोर्ट सौंपी थी।

चंद्रबाबू नायडू ने पिछले साल जून में अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से मुलाकात की थी। इस मुलाकात से दोनों दलों के गठबंधन को पुनर्जीवित करने की अटकलें तेज हो गई थीं।

2018 में टीडीपी के भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से बाहर निकलने के बाद यह नायडू की अमित शाह के साथ पहली बैठक थी। पवन कल्याण ने 2014 में टीडीपी-भाजपा गठबंधन के लिए प्रचार किया था क्योंकि जन सेना ने उस समय चुनाव नहीं लड़ा था। टीडीपी ने भाजपा के साथ गठबंधन करके शेष राज्य आंध्र प्रदेश में पहली सरकार बनाई थी। हालाँकि, नायडू ने आंध्र प्रदेश को विशेष श्रेणी का दर्जा देने में देरी के विरोध में 2018 में एनडीए से नाता तोड़ लिया।

बाद में नायडू ने तेलंगाना में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी से हाथ मिला लिया था। हालाँकि, गठबंधन को धूल चाटनी पड़ी।

आज से शुरू होगा तेलंगाना विधानसभा सत्र, हंगामेदार रहने की आशंका

हैदराबाद, 7 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा सत्र गुरुवार को शुरू होगा और पहले दिन राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। तेलंगाना राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता की बागडोर संभालने के बाद विधानसभा का यह लगातार दूसरा सत्र है। इस सत्र में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी बीआरएस के विधायकों के बीच कृष्णा नदी के पानी के मुद्दे, विशेष रूप से श्रीशैलम और नागार्जुन सागर परियोजनाओं के आउटलेट सौंपने से संबंधित मुद्दे पर जोरदार बातचीत होने की उम्मीद है। इस हद तक राज्य कैबिनेट ने पहले ही राज्यपाल के अभिभाषण को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क सदन में बजट पेश करेंगे। राज्य सरकार विधानसभा में सिंचाई विभाग से संबंधित एक श्वेत पत्र जारी करने और पिछली बीआरएस सरकार की विफलता को उजागर करने की भी योजना बना रही है, जिसने कथित तौर पर सिंचाई परियोजनाओं का प्रबंधन केंद्र को सौंप दिया है। इस बीच, सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार कालेश्वरम परियोजना पर एक सतर्कता जांच रिपोर्ट पेश करेगी, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के दिमाग की उपज माना जाता है। दूसरी ओर, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उच्च न्यायालय में एक जवाब दाखिल किया है जिसमें कहा गया है कि वह कालेश्वरम परियोजना की अनियमितताओं की जांच करने के लिए तैयार है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.